शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम की कुर्सी खाली नहीं व पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं : सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 14 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-14

यूएई ने मुस्लिम-ब्रदरहुड समेत 8 ब्रिटिश संस्थाओं पर लगाया बैन

इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ खड़ा हुआ इस्लामिक देश

संयुक्त अरब अमीरात के फैसले से भारत को मिली राहत

दुबई, 13 जनवरी (एजेंसियां)। इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने वाले इस्लामिक देशों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का नाम भी तीसरे स्थान पर दर्ज हो गया है। यूएई ने कुख्यात एवं बदनाम आतंकी संगठन मुस्लिम-ब्रदरहुड समेत 8 ब्रिटिश संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूएई के इस फैसले से भारत को भी राहत मिली है, क्योंकि मुस्लिम ब्रदरहुड कश्मीर, केरल, कर्नाटक और पूर्वोत्तर राज्यों में तमाम किस्म की कट्टर इस्लामिक खुराफातों में सक्रिय था। भारत में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) भी मुस्लिम ब्रदरहुड के साथ जुड़ा हुआ था। इस संगठन को मिस्र, सऊदी अरब और यूएई जैसे मुस्लिम बहुल अरब देशों में भी प्रतिबंधित किया गया है। जबकि ब्रिटेन में इस संगठन पर बैन नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मुस्लिम-ब्रदरहुड समेत ब्रिटेन के 8 संगठनों पर बैन लगा दिया है। यह बैन इनके इस्लामी आतंकी संगठन मुस्लिम-ब्रदरहुड से संबंध रखने के चलते लगाया गया है। अब इन्हें ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया है। इनसे जुड़े लोग अब यूएई नहीं आ पाएंगे और इनके खातों पर भी यूएई में कार्रवाई होगी।

यूएई ने जिन अन्य संगठनों पर बैन लगाया है, उनकी पहचान कैम्ब्रिज एजुकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड, इमैजिन लिमिटेड, वेम्बली ट्री लिमिटेड, वासलाफोरॉल, फ्यूचर ग्रेजुएट्स लिमिटेड, यास फॉर इन्वेस्टमेंट एंड रियल एस्टेट, होल्डको यूके प्रॉपर्टीज लिमिटेड और नेफेल कैपिटल के रूप में हुई है। ब्रिटेन के इन 8 संगठनों के अलावा 11 और लोगों को भी इस बैन में शामिल किया गया है। यह लोग यूएई के ही नागरिक हैं। इन 11 लोगों पर भी आतंक को समर्थन करने का आरोप है। यह लोग इन कम्पनियों में डायरेक्टर या बाकी पदों पर काम कर रहे हैं। यूएई ने यह कदम अपने यहां इस्लामी कट्टरपंथ और आतंक से लड़ने को उठाए हैं।

ब्रिटेन के इन आठ संगठनों से मिलकर काम करने वाले किसी भी व्यक्ति की यूएई यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। यूएई ने इन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की भी तैयारी कर ली है। यूएई ने ऐसे लोगों की संपत्ति जब्त करने का फैसला लिया है। यूएई का कोई भी नागरिक या संस्थाएं इन संस्थाओं के साथ मिलकर काम नहीं कर सकेंगी। यूएई द्वारा लगाए गए प्रतिबंध तुरंत ही लागू हो जाएंगे। यूएई में आतंक फैलाने के लिए यह ब्रिटेन में अपनी आजादी का सहारा ले रहे थे। ▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेड मोड़ टनल का उद्घाटन किया

अब दूरियां मिटीं, हम सब मिलकर सफर तय करें : मोदी

कश्मीर भारत का मुकुट, कश्मीर और भी सुंदर और समृद्ध हो

प्रधानमंत्री ने टनल निर्माण करने वाले श्रमिकों को सलाम किया

जम्मू, 13 जनवरी (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग स्थित जेड मोड़ टनल का उद्घाटन करते हुए कहा, अब दूरियां मिट रही हैं, हम सबको मिलकर विकास का सफर तय करना है। पीएम मोदी ने टनल के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों की सराहना कर उनके समर्पण को सलाम किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह सुरंग उन श्रमिकों के संकल्प की वजह से संभव हो पाई, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में काम किया और कभी अपनी जान की परवाह नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी ने टनल के निर्माण में जान गंवाने वाले श्रमिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुखद घटना के बावजूद कोई श्रमिक घर वापस नहीं गया। उनका समर्पण, देश और राज्य के प्रति प्यार हमें प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री ने कश्मीर को देश का मुकुट और भारत का ताज बताते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि कश्मीर और भी सुंदर और समृद्ध हो। यहां के लोग अपने सपनों को हकीकत में बदलने ▶10 पर

सिर्फ दिल ही नहीं, दिल्ली से भी दूरियां कम हुई हैं : उमर

जम्मू, 13 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके वादों से राज्य को विकास को नई दिशा मिली है और दिल की दूरियां कम हुई हैं। सीएम अब्दुल्ला ने सोनमार्ग जेड मोड़ टनल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और उनका धन्यवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर में हो रहे विकास कार्यों को सराहा और राज्य में कराए गए ▶10 पर

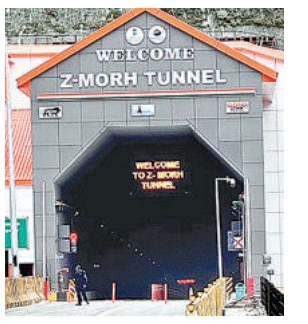

पीएम 12 बार कश्मीर आए, हर बार कुछ खास दिया

जम्मू, 13 जनवरी (ब्यूरो)। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कश्मीर प्रेम और कश्मीर को सुधारने की चाहत दोनों ही कह सकते हैं कि वर्ष 2014 से अपने कार्यकाल के एक दशक से अधिक समय में, प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर की दर्जनभर यात्राएं कीं।

नरेंद्र मोदी आज मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले के सोनमर्ग में बहुप्रतीक्षित जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करने के लिए जम्मू कश्मीर की अपनी 12 वीं यात्रा पर आए थे। ▶10 पर

पौष स्नान के साथ प्रारंभ हुआ सनातनी आस्था का महाकुंभ

लाखों श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई आध्यात्मिक डुबकी

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भव्य महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता की जबरदस्त अभिव्यक्ति के साथ शुरू हुआ। पौष पूर्णिमा पर पौष स्नान के साथ आस्था का महाकुंभ सोमवार से प्रारंभ हो गया। प्रयागराज के अलग-अलग घाटों पर सुबह 3 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था। सुबह 9:30 बजे तक 60 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान कर लिया था। इसमें बड़ी संख्या उनकी भी रही जो विश्व के दूसरे हिस्सों से आए थे। एक रूसी महिला श्रद्धालु ने स्नान करने के बाद कहा, मेरा भारत महान। मैं रूस से यहां आई हूं। मैं यूरोप में काम करती हूं। महाकुंभ में पहली बार शामिल हो रहे हैं। भारत अद्भुत है। हम काफी उत्साहित हैं और यहां पर असल भारत दिख रहा है, यहां जो कुछ मुझे महसूस हो रहा है, मैं उसे शब्दों में नहीं बता सकती।

संगम में डुबकी लगा कर शुरू हुआ 45 दिनों का आध्यात्मिक कल्पवास

रूस से आई महिला श्रद्धालु स्नान के बाद बोल पड़ीं, मेरा भारत महान

प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ लगी रही। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के ▶10 पर

राज्यसभा में मिली नोटों की गड्डियों का कोई नहीं दावेदार

यह नैतिक मानकों के लिए सामूहिक चुनौती है : धनखड़

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा में पिछले दिनों मिली नोटों की गड्डियों का कोई दावेदार सामने नहीं आया। राज्यसभा के सभापति और देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, मुझे दुख है कि राज्यसभा में मिली नकदी पर किसी ने भी दावा नहीं किया। यह हमारे नैतिक मानकों के लिए सामूहिक चुनौती है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बात पर दुख जताया कि पिछले महीने राज्यसभा कक्ष में मिले नोटों की गड्डी को लेने के लिए कोई भी सांसद आगे नहीं आया। उल्लेखनीय है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 6 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित सीट से ▶10 पर

थलसेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने माना कि

पूर्वी लद्दाख की स्थिति संवेदनशील, लेकिन स्थिर

हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने माना कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी की स्थिति बेहद संवेदनशील है, लेकिन स्थिर है। पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम जारी है। हम सीमा पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षमता विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में स्थिति सुलझ गई है। लेकिन संवेदनशीलता बरकरार है। इन पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई है। मैंने सभी सह-कमांडरों को जमीनी स्तर पर संवेदनशील मुद्दों को संभालने के लिए कहा है। ताकि इन्हें सैन्य स्तर पर ही हल किया जा सके। एलएसी पर हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत है। हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। उत्तरी सीमाओं के लिए फोकस क्षमता विकास कार्यक्रम ने युद्ध लड़ने की प्रणाली में तकनीक को सक्षम किया।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल मारे गए 60 फीसदी आतंकी पाकिस्तानी मूल के थे। आज घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी आतंकी बचे हैं, हमें लगता है कि लगभग 80 फीसदी या उससे अधिक पाकिस्तानी मूल के हैं। जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। ▶10 पर

मकर संक्रांति की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

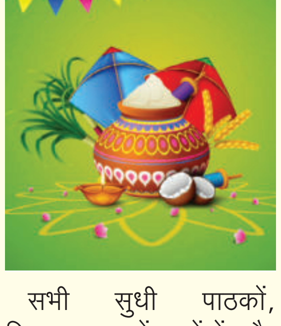

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों और हॉकरों को शुभ-लाभ की ओर से मकर-संक्रांति की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

-गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक

कार्टून कॉर्नर

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 21°

विदेशी मीडिया पर छाया महाकुंभ

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 विदेशी मीडिया पर भी छाया रहा। महाकुंभ को लेकर विदेशी मीडिया में कई खबरें प्रकाशित और प्रसारित हुई हैं। किसी न्यूज चैनल ने इस आयोजन के विशाल स्तर को लेकर आश्चर्य जाहिर किया तो कहीं इसे लेकर उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार की तैयारियों की समीक्षा की गई है।

उल्लेखनीय है कि संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ मेले का दिव्य और भव्य श्रीगणेश हो गया है। पौष पूर्णिमा के साथ ही 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ की शुरुआत हो गई है। इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस मौके पर दुनियाभर के मीडिया समूह प्रयागराज में जुटे हैं। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस से लेकर जर्मनी और अन्य देशों के पत्रकार भी पहुंचे हैं। इसके अलावा कुछ अन्य संगठन भी महाकुंभ के आयोजन और इसके लिए की गई तैयारियों की भव्यता को देख रहे हैं।

अमेरिकी न्यूड चैनल सीएनएन ने महाकुंभ को दुनिया के सबसे महान धार्मिक आयोजनों में से एक करार दिया है। मीडिया समूह ने कुंभ में पहुंचने वाले लोगों की अनुमानित संख्या को चौंकाने वाला करार देते हुए कहा कि यहां प्रशासन इस आयोजन को सिर्फ धार्मिक कार्यक्रम न कहकर एक सांस्कृति आयोजन करार दे रहा है, जहां बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज से लेकर विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहता है।

विशाल आयोजन पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया हैरत में

ब्रिटिश मीडिया समूह बीबीसी ने इस कार्यक्रम का कवरेज करते हुए इस आयोजन को मानवता का सबसे बड़ा जुटाव करार दिया। बीबीसी के मुताबिक, इस आयोजन को अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है। न्यूज चैनल ने यहां अलग-अलग देशों से आए लोगों से भी बात की। अर्जेंटीना से आए एक 90 सदस्यीय समूह में शामिल सबैस्चियन डिएगो ने बताया कि वह इस भक्ति के अनुभव को सामने से देखने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे गंगा ने बुलाया, इसलिए मैं यहां आ गया। अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने लिखा कि अगले 45 दिन में अमेरिका की जनसंख्या (करीब 34 करोड़) से ज्यादा लोग (अनुमानित 40 करोड़) इस महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंचने वाले हैं। ▶10 पर

अवकाश सूचना

मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में **मंगलवार दि. 14 जनवरी 2025 को अवकाश** रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक गुरुवार दि. 16 जनवरी 2025 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

दो दिवसीय श्री उत्सव का आयोजन

प्रदर्शनी महिलाओं को अपने व्यापारिक कौशल को स्थापित करने का सुनहरा अवसर: नेहा चावत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, टी. दासरहल्ली द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर दो दिवसीय श्री उत्सव, एक कदम स्वावलंबन की ओर का आयोजन स्थानीय तेरापंथ भवन में किया गया। अखील भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय कर्नाटक -तेलंगाना प्रभारी, पूर्व महामंत्री, प्रेक्षा ध्यान राष्ट्रीय संयोजिका, समृद्ध राष्ट्र योजना की राष्ट्रीय संयोजिका, प्रेक्षा फाउंडेशन की साउथ जोन कॉर्डिनेटर वीणा बैद, अभातेममं की कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया एवं टी.दासरहल्ली तेममं की अध्यक्ष नेहा चावत ने फीता खोलकर मेले का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। तत्पश्चात मंडल की बहनों द्वारा स्वागत गीत व प्रेरणा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया व सभी को शुभकामना प्रेषित कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए यह मंच एक सुनहरा अवसर था, जिससे महिलाओं को अपने व्यापारिक कौशल को स्थापित करने का सुनहरा अवसर मिला जो उद्यमिकता के साथ उनको आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, सशक्तिकरण हेतु स्थापित हुआ। अभातेममं से वीणा बैद ने बताया कि मेले की भव्यता देखते ही बन रही थी एवं संगठित श्रम से गौरव की अनुभूति की बात रखी।

विधानसभा क्षेत्र के विधायक एस.मुनिराजू ने कहा इस तरह के कार्यक्रम महिला समाज के उत्थान व आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सभा के अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत एवं सभा ट्रस्ट परिवार से संस्थापक अध्यक्ष लादूलाल बाबेल, तेयूप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी एवं वक्ताओं ने महिला मंडल के कार्यों एवं सफलता की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ संप्रेषित की। प्रायोजक परिवार दिलीप कुमार, युवान पोखरना, रेखा, विनोद मेहर, कन्हैयालाल, सुनील कुमार, महावीर कुमार दक रहे। कुशल संचालन मंत्री नम्रता पितलिया एवं संयोजिका रेखा मेहर ने किया। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष संगीता बोहरा ने व्यक्त किया। इस मेले को आकर्षक एवं भव्य रूप संयोजिका रेखा मेहर एवं सह-संयोजिका सरोज मारू दिया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा सहित अनेक संघीय संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। मेले में डिजाइनर साड़ियां, सजावटी सामान, ज्वैलरी के स्टॉल लगाए गए, जिन पर महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। कन्या मंडल द्वारा गेम स्टॉल एवं महिला मंडल से कैंसर का प्रचार एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण रहा। मेले में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। आयोजन के दौरान प्रति 2 घंटे में लकी ड्रा भी रखा गया। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु कुछ स्टॉल निःशुल्क भी दिए गए।

एक शाम गौ माता के नाम भजन संध्या आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजपूत समाज भवन में एक शाम गौ माता के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रीश्री 1008 योगिराज श्री विक्रम नाथ जी ने प्रवचन दिया। गौ माता को राष्ट्र माता बनाने को लेकर श्री राम गौ सेवा मंडल के सभी सदस्यों ने लोगों से गायों की सेवा करने का आग्रह किया। इस मौके पर श्री राम गौ सेवा मंडल ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जैन हेल्पलाइन सोशल ऑर्गनाइजेशन अक्किपेट के सदस्यों ने पूर्णिमा के शुभ अवसर पर श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन कबूतर सेवा समिति राजाजीनगर में ज्वार एवं दवाइयों के लिये राशि भेंट की। इस अवसर पर हेल्पलाइन के अध्यक्ष नीतिन पोरवाल, मंत्री जितेंद्र भंडारी, कैलाश संखलेचा, हस्तीमल सोनीगरा, दिनेश चोपड़ा, राजीव सालेचा, पदमराज लुंकड़, प्रवीण सालेचा, संतोष चौहान, ललित कोचर, उत्तम वेदमूथा, मनीष शाह, विपिन छाजेड़, जितेंद्र धोका, संयम सालेचा, लता चौहान आदि उपस्थित थे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।*

श्री केसरिया आदिनाथ परमात्मा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ शंकरपुरम के तत्वावधान में 16 मार्च 2025 को श्री केसरिया आदिनाथ परमात्मा की प्राण प्रतिष्ठा एवं 9 मार्च से 17 मार्च तक नवाह्निका महोत्सव की तैयारी एवं विभिन्न कमेटी गठन को लेकर कर्नाटका जैन भवन में एक बैठक आयोजित की गई। नवकार महामंत्र से बैठक का शुभारंभ हुआ। पारस भंडारी ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा में जिनालय मार्गदर्शक मरुधर रत्न आचार्य भगवंत श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी एवं श्रुतौपासक आचार्य रत्नसंचय सूरीश्वरजी पावन निश्रा प्रदान करेंगे। प्रतिष्ठा की तैयारी की सम्पूर्ण जानकारी विस्तार पूर्वक बता कर सभी से सुझाव देने को कहा गया। सभी विषयों पर चर्च कर बहुमान, भोजन व्यवस्था, विहार वैयावच्छ, पंडाल, स्टेज, साउंड, लाइट, कैमरा, तोरण, पत्रिका, प्रचार-प्रसार आदि की कमेटियों का गठन किया गया। प्रतिष्ठा निमित्त प्रतिदिन आयम्बिल करवाए जा रहे हैं। आयम्बिल में सेवा देने वाले सभी सदस्यों की अनुमोदना की गयी। धन्यवाद ज्ञापन मुकेश पुनमिया एवं महेंद्र छाजेड़ ने व्यक्त किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

27 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद, जनजागरण ट्रस्ट एवं रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूरु के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन जेएलबी मार्ग पर स्थित माधव कृपा भवन के सभागार में किया गया।

नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संघ हितैशी एवं आदित्य अधिकारी अस्पताल के डॉ. चंद्रशेखर, जनजागरण के कोषाध्यक्ष आनंद, रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट, मैसूरु के संरक्षक महेंद्रसिंह राजपुरोहित, रक्तदान महादान गौभक्त संगठन, ट्रस्ट एवं कर्नाटक कुमावत समाज के अध्यक्ष बगदाराम मावर, सचिव चिरंजीलाल सेंगर, तेरापंथ युवक परिषद के उपाध्यक्ष प्रमोद मुणोत, लॉयन्स जीवधारा ब्लड सेंटर के निदेशक एसई गिरीश, नवीन देरासरिया, विकास गांधी मेहता, राकेश श्रीमाल, चेतन दक, दिनेश सिंह राजपुरोहित, प्रतिक सिंह राजपुरोहित, महेंद्र चोयल की उपस्थिति में 27 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जनजागरण ट्रस्ट एवं तेयुप सदस्यों का साहित्य एवं दुपट्टा से सम्मान किया गया। महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने युवाओं से आगे आकर रक्तदान करने की अपील की। विकास गांधी मेहता ने संचालन किया।

नि:शुल्क त्वचा, मधुमेह एवं रक्तचाप शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम एवं मेवाड़ जैन सेवा संस्था (एमजेएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन में आयोजित मेवाड़ उत्सव 2025 के उपलक्ष में निःशुल्क त्वचा सम्बन्धित रोग, मधुमेह एवं रक्तचाप जांच का आयोजन किया गया। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ.सुनील कुमार द्वारा फंगल इन्फेक्शन, एलर्जी, बालों का झड़ना आदि अन्य रोगों की चिकित्सीय सलाह प्रदान की गई। लगभग तीन घंटे तक चले इस शिविर में कुल 87 सदस्य लाभान्वित हुए। एटीडीसी स्टाफ दीपा एवं श्यामला द्वारा ग्लूकोमीटर के माध्यम से मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण भी किया गया। जिसमें लगभग 92 सदस्य लाभान्वित हुए। परिषद परिवार ने सदस्यों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी साझा की। इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, संजय मांडोत, जयंतिलाल गांधी, ललित मुणोत, योगेश मेहता ने अपनी सेवाएं प्रदान की। एमजेएसएस टीम के समूर्ण सहयोग से शिविर सुव्यवस्थित आयोजित हुआ।

हुब्बल्ली से अहमदाबाद व जोधपुर के लिए हवाई सेवाओं को प्रारम्भ करने की मांग

अर्जुनराम मेघवाल को सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
ऑल कर्नाटका ट्रेडर्स एसोसिएशन ने हुब्बल्ली से अहमदाबाद, जोधपुर व गोवा के बीच हवाई सेवा प्रारम्भ करने के लिए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को उनके हुब्बल्ली दौरे के दौरान एक ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के कार्याध्यक्ष अभिषेक मेहता, महामंत्री सुभाष चंद्रा डंक, देवासी समाज के अध्यक्ष नेतीराम देवासी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे

मुलाकात की और ज्ञापन सौंप कर कर्नाटक की दूसरी वाणिज्यिक नगरी फूलो की नगरी के नाम से विख्यात हुब्बल्ली-धारवाड़ महानगर से अहमदाबाद व गोवा के बीच हवाई सेवाओं, जो पिछले तीन सालों से बंद पड़ी है, को पुनः चालू करने व हुब्बल्ली से जोधपुर के लिए हवाई सेवा चालू करने का आग्रह किया। एसोसिएशन के महामंत्री सुभाषचंद्रा डंक ने बताया कि हुब्बल्ली-धारवाड़ महानगर की जनसंख्या 20 लाख से ज्यादा है तथा हुब्बल्ली हवाई अड्डा से अहमदाबाद, गोवा के लिए सेवाएं निरंतर गतिमान थी। परन्तु कोरोना महामारी की दूसरी लहर के समय हवाई सेवाएं रद्द कर दी गई। जिनका पुन: परिचालन अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ है। इसके अलावा हुब्बल्ली से अहमदाबाद व गोवा के बीच चलने वाली इंडिगो एयरलाइन्स की फ्लाइट सदैव अपनी क्षमता के अनुसार यात्रियों के साथ चलती थी, परन्तु कोरोना महामारी की दूसरी लहर में हवाई सेवा रोक दी गयी। उन्होंने जल्दी से जल्दी हवाई सेवाएं प्रारम्भ कराने का आग्रह किया, ताकि उत्तर कर्नाटक के निवासियों को यात्रा करने में आसानी हो। इस दौरान भोपा राम, हरचंद राम, मोहन करगटा थापन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गौशाला में खाद्य सामग्री का वितरण

पूरी दुनिया में सभ्यता के विकास के साथ ही विभिन्न धर्मों की हुई स्थापना: गौतमचंद कवाड़

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में सोमवार को पूर्णिमा के अवसर पर पार्श्व पूनम रोटी बैंक के तहत पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में भगवान महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला में भिजवाई गई। संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने विचार व्यक्त करते हुए कहा पूरी दुनिया में सभ्यता के विकास के साथ ही विभिन्न धर्मों की स्थापना हुई और हर एक धर्म मनुष्य जीवन को नैतिकता, ईमानदारी एवं सच्चाई का साथ देते हुए जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। विश्व के लगभग सभी धर्म हमें

दूसरों की भलाई करना एवं एक संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। साथ ही, हर धर्म की पूजा पद्धति भी अलग-अलग होती है। लेकिन वे सभी अलग-अलग तरीकों से लोगों को एक साथ जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं। अर्थात् सभी धर्मों के मूल में कौमी एकता को प्रोत्साहित करने की भावना का समावेश होता है। संघ के रणजीत गुरुजी ने कहा हर धर्म लोगों को एक साथ मिलकर समाज को बेहतरी के रास्ते पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सभी धर्मों का विकास लोगों को एकजुट रखने के लिए ही हुआ है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने संघ के सदस्यों की सेवा भावना की सराहना की और ज्यादा से ज्यादा सहयोग करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर जयंतीलाल संकलेचा, सुरेश बोरा, सारिका बिदामिया, पिंकी मुथा, रेणु पोरवाल, उषा बाफना, अल्का गादिया, निकिता गादिया, निशा जैन, अंकिता गादिया, अनीता गादिया और पूनम जैन समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा स्वामी विवेकानंद जन्म उत्सव के उपलक्ष में बेंगलूरु के कला ग्राम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत। इस मौके पर अकादमी के अध्यक्ष दर्शन एवं बाल कलाकार मौजूद थे।*

मेवाड़ उत्सव का शानदार आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन में मेंवाड़ उत्सव का आयोजन किया गया। मार्च फास्ट करते हुए भारत ध्वज, कन्नड़ ध्वज, जैन ध्वज के साथ संपूर्ण मेवाड़ युवा टीम एवं महिला विंग्स मुख्य उद्घाटन करता निर्मल शैलेन्द्र मोगरा परिवार को स्टेज पर लेकर पहुंची। दीप प्रज्ज्वलिन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्र गान एवं कन्नड़ नाडा गीत से कार्यक्रम को गति मिली। विनीत दक द्वारा

मंगलाचरण किया गया। संस्था से अनिल पोकरणा ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि लहर सिंह सिरोया ने सभी को धन्यवाद दिया एवं साइबर क्राइम से जागृत हेतु निवेदन किया। मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष ललित मांडोत ने शिक्षा चिकित्सा के ऊपर समाज में मदद देने की बात रखी। मेवाड़ पैलेस के अध्यक्ष पुखराज मेहता ने कहा कि यह मेवाड़ का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने संघ यात्रा की सराहना की। मैसूरु ओसवाल साजनान संघ अध्यक्ष विमल पितलिया ने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। संघ के मंत्री सुरेश गन्ना ने आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। सभी प्रायोजक का विशेष रूप से सम्मान किया गया। मेवाड़ समाज में गत वर्ष दिवंगत लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने गौ सेवा के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र में लक्की ड्रॉ कूपन राकेश डूंगरवाल, जीतू गन्ना एवं नवीन कटारिया ने संभाला। सभी परिवार को रिटर्न गिफ्ट दिया गया। सफल संचालन राजेश चावत, संदीप गन्ना ने किया। आभार ज्ञापन दिनेश चावत ने व्यक्त दिया। मनोज देसरला, पंकज कटारिया एवं समस्त संस्था के सदस्यों का सहयोग रहा।

सीएम की कुर्सी खाली नहीं व पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की खबरों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि सीएम की कुर्सी खाली नहीं है और पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने मीडिया से अफवाहों के बजाय सच्चाई दिखाने का भी आग्रह किया।

सीएम ने कहा मीडिया को अफवाहों को हवा देने के बजाय सच्चाई दिखानी चाहिए। यह अभी भी चल रहा है कि सिद्धरामैया सीएम पद छोड़ने जा रहे हैं। मैं सच बताता हूं कि पार्टी के भीतर कोई मतभेद नहीं हैं, लेकिन फिर भी, हम हर दिन देखते हैं, कि सीएम बदलने जा रहे हैं। सोमवार को कई मुद्दों पर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सदस्यों की बैठक के साथ कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक हुई। बैठक में एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी हिस्सा लिया।

मीडिया से बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा को पहले अपने अंदरूनी झगड़ों को सुलझाना चाहिए। उन्होंने कहा कांग्रेस की सरकार एकजुट है। सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं। जो भी निर्णय लेने की आवश्यकता होगी, वह पार्टी नेतृत्व- राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने आगे दावा किया कि राज्य सरकार अपनी गारंटी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध एकजुट सरकार है। मैं समाचार चैनलों के एक वर्ग से अनुरोध करता हूं कि वे एक-दूसरे को खत्म करने की राह पर चल रही बिखरी हुई भाजपा से सवाल पूछने के बजाय, एक एकजुट सरकार से सवाल क्यों पूछ रहे हैं, जो कुल 58,000 करोड़ रुपये के साथ प्रत्येक कन्नड़ परिवार को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को ठोस रूप से क्रियान्वित कर रही है। कर्नाटक कांग्रेस सरकार की गारंटी भारत की सबसे बड़ी कल्याणकारी योजना है। अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए, भाजपा कांग्रेस की गारंटी पर हमला करने के लिए कहानियां गढ़ना जारी रखती है। वे सिद्धरामैया या डीके शिवकुमार पर हमला नहीं कर रहे हैं, बल्कि कर्नाटक के लोगों पर हमला कर रहे हैं। हम कांग्रेस की गारंटी के खिलाफ भाजपा द्वारा किए गए हर ऐसे बुरे कदम को खत्म कर देंगे। कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने भी इस बात पर जोर दिया कि हर कोई अपनी निर्धारित भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। हमारे पास एक मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री और एक केपीसीसी अध्यक्ष हैं। हर किसी की एक निर्धारित भूमिका है और हर कोई उसी के अनुसार काम कर रहा है। यह वास्तव में पार्टी से ज्यादा मीडिया में है। राज्य मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि पहले से ही एक मुख्यमंत्री है, तो फिर दूसरा कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का पद बदला जाएगा या नहीं, यह हाईकमान ही बेहतर बता पाएगा।

इंदिरा गांधी ने आपातकाल के माध्यम से छीना मौलिक अधिकार: पी राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल नहीं लगाया था और डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा हमें दिए गए मौलिक अधिकार को निलंबित नहीं कर दिया था। उन्होंने सोमवार को केरपुर मंडल के पूर्व मंत्री बैरती बसवराज के घर पर आयोजित भीम संगम अभियान में यह बात कहीं। उन्होंने कहा क्या दलित नेताओं, दलित छात्रों, दलित वकीलों को इस पर प्रकाश नहीं डालना चाहिए?

अफसोस, जिसके लिए अंबेडकर ने अपनी जान दे दी, क्या आजादी के बाद इंदिरा गांधी ने उसे छीन नहीं लिया? क्या उन्होंने मौलिक अधिकार को निलंबित नहीं किया? उन्होंने पूछा कि क्या यह बात हमारे दिमाग में आई है। कांग्रेस ने दलितों के लिए आरक्षित एसईपी और टीएसपी के पैसों का पिछली बार 11 हजार करोड़, इस बार 14 हजार करोड़ मिलाकर कुल 25 हजार करोड़ का दुरुपयोग किया है। उन्होंने पूछा कि अगर यह पैसा, जिसे एससी और एसटी समुदाय के उद्योग, व्यवसाय, विकास और अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाना था, दिया गया होता तो कितने दलित परिवार आगे आते। क्या इसका उपयोग वारंटी के लिए नहीं किया जा रहा है? उन्होंने पूछा कि क्या हम बात कर रहे हैं। पूर्व मंत्री बैरती बसवराज ने कहा कि कई लोग संविधान बदलने और संविधान रद्द करने को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान को कभी कोई नहीं बदल सकता। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संतोष के आदेशानुसार प्रदेश में संविधान जागरूकता एवं जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह का पहला कार्यक्रम अब यहां चल रहा है।

भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मुतालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में सकलेशपुर में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में श्री राम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक और अन्य के खिलाफ सकलेशपुर शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। प्रमोद मुतालिक ने 9 जनवरी को सकलेशपुर में आयोजित विराट हिंदू समाजत्सव कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण दिया था। इंटेलिजेंस ऑफिसर श्रीधर एमके ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और बीएनएस 2023, यू/एस-196 (1), 353 (2), 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया। इससे पहले मुतालिक ने कहा था कि गाय का थन काटना घृणित कार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह राज्य में जिहादियों के राक्षसी कृत्य का उदाहरण है। गाय हिंदुओं के लिए बहुत पूजनीय है, यह सिर्फ रस ही नहीं है, यह हमें भोजन, खाद और औषधि भी देती है। उन्होंने गायों को किसानों की रीढ़ बताया। थन काटने वाले बदमाशों को गिरफ्तार किया जाए। मंत्री जमीर अहमद खान इसे गंभीरता से लें, नहीं तो हम उनके खिलाफ प्रदेश में लड़ाई लड़ेंगे। राज्य में गोहत्या पर रोक लगाने वाला कानून है। कानून के बावजूद कांग्रेस नेताओं के मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण लगातार गोहत्या हो रही है। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि गायें लगातार बूचड़खाने में जा रही हैं। आपके अंदर के बांग्लादेशियों की करतूतों का जवाब देना होगा। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की।

सुरजेवाला ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला सोमवार को बेंगलूरु पहुंचे और उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित पार्टी पदाधिकारियों, मंत्रियों और महत्वपूर्ण नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। कई लोग मुख्यमंत्री पद को लेकर बयानबाजी कर भ्रम पैदा कर रहे हैं। इसी तरह, कुछ अन्य नेताओं ने अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद और केपीसीसी अध्यक्ष पद को लेकर काफी भ्रम पैदा किया है।

जातिवार सहभोज बैठकें आयोजित की गई हैं। जातीय जनगणना सर्वे रिपोर्ट समेत कई मुद्दों पर पार्टी में असमंजस का माहौल है। इस संबंध में सख्त निर्देश देने के लिए सुरजेवाला की बैठक एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। सत्ता साझेदारी सहित कोई भी मुद्दा कांग्रेस आलाकमान के निर्णय के अधीन होगा। इसके अलावा बैठक में रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हिदायत दी कि कोई और भी बयानबाजी कर भ्रम पैदा न करे। कुछ मंत्री अपनी शिकायतें व्यक्त करने के लिए आगे आये। लेकिन सुरजेवाला ने इसे मान्यता नहीं दी। उन्होंने सभी से विभाग की जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक संभालने का निर्देश दिया। कुछ विधायकों ने मंत्री के रवैये पर कड़ी आपत्ति भी जताई है। कांग्रेस सरकार में भी पिछली सरकार की तरह ही भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। मंत्री विधायकों को अनुदान नहीं दे रहे क्योंकि उनके पास पैसा नहीं है। लेकिन कमीशन धोखाधड़ी बड़े पैमाने पर है। कांग्रेस पार्टी में डिनर मीटिंग पर विराम लगाने और विधायकों की मांगों पर चर्चा के लिए शाम को एक निजी होटल में विधानमंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने की। यह बैठक कांग्रेस पार्टी में अब तक चल रहे सभी भ्रम को दूर करने के लिए आयोजित की गई थी। हाल ही में कांग्रेस पार्टी में अनुसूचित जाति के मंत्रियों और विधायकों की अलग से बैठक बुलाई गई थी। जब हाईकमान ने इस पर ब्रेक लगाया तो कई विधायकों ने नाराजगी जाहिर की।

दुर्घटना मुआवजे से मेडिक्लेम प्रतिपूर्ति की राशि काटी जाएगी: कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत प्राप्त राशि को मोटर वाहन (एमवी) अधिनियम के तहत चिकित्सा व्यय और अस्पताल में भर्ती होने के खर्च के तहत दिए गए कुल मुआवजे से घटाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति हंचते संजीवकुमार ने यह निर्देश एक बीमा कंपनी को आदेश देते हुए जारी किया कि वह मेडिक्लेम पॉलिसी से प्राप्त 1.8 लाख रुपये की राशि में से एस हनुमनथप्पा के परिवार के सदस्यों को 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ 4,93,839 रुपये का मुआवजा दे। मराठाहल्ली निवासी हनुमनथप्पा 10 दिसंबर, 2008 को एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लेपाक्षी से सेवा मंदिर गांव लौटते समय उनकी मोटरसाइकिल को एक ऑटोरिक्शा ने टक्कर मार दी, जिससे उन्हें और उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद, हिंदूपुर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया, और हनुमनथप्पा ने मुआवजे की मांग करते हुए मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी), बेंगलूरु का दरवाजा खटखटाया। 22 मार्च, 2013 को न्यायाधिकरण ने कुल 6,73,839 रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया, जिसमें चिकित्सा व्यय के तहत 5,24,639 रुपए शामिल थे। बीमा कंपनी ने न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि मेडिक्लेम पॉलिसी के तहत 1.8 लाख रुपए की प्रतिपूर्ति के कारण चिकित्सा व्यय के तहत 5,24,639 रुपए की पूरी राशि देना गलत है। मनीष गुप्ता मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए, जिसने स्थापित किया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजे का निर्धारण करते समय मेडिक्लेम पॉलिसियों के तहत प्रतिपूर्ति में कटौती की जानी चाहिए, अदालत ने बीमाकर्ता के तर्क को बरकरार रखा। वर्तमान मामले में, मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी के तहत दावेदार द्वारा प्राप्त राशि को उक्त मद के तहत मुआवजे का निर्धारण करते समय चिकित्सा व्यय से घटाया जाना चाहिए। अपीलकर्ता (बीमा कंपनी) ने अतिरिक्त सबूत पेश किए हैं कि दावेदार ने टीटीके हेल्थकेयर टीपीए प्राइवेट लिमिटेड से 1.8 लाख रुपए की मेडिक्लेम प्रतिपूर्ति राशि प्राप्त की है। इस तथ्य पर प्रतिवादियों/दावेदारों द्वारा कोई विवाद नहीं किया गया है। इसलिए, उक्त अतिरिक्त साक्ष्य को स्वीकार किया जाता है। इसलिए, 1.8 लाख रुपये की उक्त राशि को 5,24,639 रुपये की राशि से घटा दिया जाता है, तो यह चिकित्सा व्यय के अंतर्गत 3,44,639 रुपये होगी।

लाइटर को लेकर दो समूहों में हिंसक विवाद, चार गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के तन्निरबावी के गणेश कट्टे में युवकों के दो समूहों के बीच विवाद के बाद दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप मारपीट और चोटें आईं। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि 12 जनवरी को रात 11.45 बजे पनाम्बुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में विवाद की सूचना मिली थी। वेंकटेश, कार्तिक, संतोष, सैफ, धनुष और प्रज्वल नामक व्यक्तियों का एक समूह शराब पी रहा था और सिगरेट पी रहा था, तभी प्रीतम, संवीत और अन्य लोगों का एक समूह उनके पास आया और सिगरेट लाइटर मांगने लगा। बाद वाले समूह ने कथित तौर पर इसे वापस करने से इनकार कर दिया, जिससे बहस हो गई। बहस के दौरान, कार्तिक के सिर पर बीयर की बोतल से कथित तौर पर वार किया गया। इसके बाद, प्रीतम और संवीत के समर्थन में चार से पांच व्यक्तियों के एक समूह ने प्रज्वल, कार्तिक, संतोष, सैफ और धनुष पर लकड़ी के डंडों से हमला किया। यह एक विवाद में बदल गया। इसके बाद, प्रीतम की शिकायत के आधार पर, बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत पनाम्बुर पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में कार्तिक, संतोष, धनुष और प्रज्वल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। प्रज्वल ने प्रीतम, संवीत और अन्य के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आयुक्त ने व्हाट्सऐप पर शेयर की जा रही अफवाहों को संबोधित किया, जिसमें दावा किया गया है कि हथियारों से लैस मुसलमानों के एक समूह ने अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य कोडी बेंगरे पर हमला किया। संदेश में यह भी आरोप लगाया गया है कि हिंदू समुदाय के लोगों ने एक आरोपी को हिरासत में लिया और अन्य की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। आयुक्त ने कहा कि व्हाट्सऐप पर शेयर किए जा रहे संदेश झूठे और भ्रामक हैं। दो समूहों के बीच हाथापाई की घटना सांप्रदायिक घटना नहीं है क्योंकि दोनों पक्षों के लोग एक ही समुदाय के हैं। आगे की जांच जारी है।

जेडीएस को खत्म करने के लिए झूठ बोल रही कांग्रेस: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने गरजते हुए कहा कि कांग्रेस केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और जेडीएस पार्टी को खत्म करने के लिए झूठ बोल रही है और उसका सपना किसी भी कारण से पूरा नहीं होगा। जेडीएस पार्टी की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा हमारी पार्टी सक्षम नेताओं और सक्षम कार्यकर्ताओं की पार्टी है। किसी और के लिए हमारी पार्टी को खत्म करना नामुमकिन है। मार्च महीने से मैं जिलों का दौरा करूंगा, कार्यकर्ताओं के घर रहूंगा और पार्टी को खड़ा करूंगा। उन्होंने कहा कि आप सदस्यता अभियान जारी रखें।

कांग्रेस का मानना है कि अगर कुमारस्वामी खत्म हो गए तो जेडीएस भी खत्म हो जाएगी। यही कारण है कि कुमारस्वामी के पीछे लाखों कार्यकर्ता हैं। वे मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें खत्म करना नामुमकिन है। कांग्रेस का कहना है कि जेडीएस एक परिवार उन्मुख पार्टी है। कोई भी कांग्रेस पार्टी के दफ्तर में जाकर दीवारों पर लगे पोस्टर देख ले। पूर्व प्रधानमंत्री ने गरजते हुए कहा कि वे जानते हैं कि परिवार आधारित पार्टी क्या होती है।

युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी संगठन को पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आइए हम सब मिलकर एक पक्ष लेने का काम करें।

70 से अधिक संपत्तियों पर वक्फ के दावे से आक्रोश

20 जनवरी को प्रदर्शन की चेतावनी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड (केएसडब्ल्यूबी) एक बार फिर विवादों में घिर गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि मांड्या जिले में 70 से अधिक संपत्तियां कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड के नाम पर पंजीकृत पाई गई हैं, जिससे प्रभावित भूमि मालिकों में हड़कंप मच गया है। ये संपत्तियां मांड्या जिले के श्रीरंगपटना तालुक में स्थित हैं और इनमें प्राचीन मंदिर, स्मारक और विरासत स्थल के साथ-साथ किसानों की जमीनें भी शामिल हैं। केएसडब्ल्यूबी ने वास्तविक भूमि मालिकों की सहमति के बिना इन संपत्तियों को अपने नाम पर पंजीकृत किया है। केएसडब्ल्यूबी पर बोर्ड के नाम पर गलत तरीके से संपत्ति पंजीकृत करने का आरोप लगाया गया है। नियमों के अनुसार, जब कोई किसान ऋण लेता है या अपनी जमीन बेचता है, तो संपत्ति रिकॉर्ड में बैंक या खरीदार का नाम दर्ज किया जाता है। इस मामले में केएसडब्ल्यूबी ने वास्तविक भूमि मालिकों के स्थान पर खुद को पंजीकृत किया है, जिससे प्रभावित किसानों में भ्रम और परेशानी पैदा हो रही है। प्रभावित किसान अब घाटे में हैं, वे अपनी जमीनें बेच या गिरवी नहीं रख सकते क्योंकि उनके नाम संपत्ति रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। उन्होंने केएसडब्ल्यूबी पर उनकी सहमति के बिना उनकी जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। विश्व हिंदू परिषद, भारत राष्ट्र समिति, कर्नाटक राज्य रायता संघ और मांड्या रक्षण वेदिके सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन केएसडब्ल्यूबी की कार्रवाई का विरोध करने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने 20 जनवरी को श्रीरंगपटना में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें मांग की गई है कि सरकार स्थिति को सुधारने के लिए तत्काल कार्रवाई करे। किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बार-बार मांग के बावजूद सरकार पर स्थिति पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया गया है। केएसडब्ल्यूबी ने श्रीरंगपटना तालुक में एक सहित कई सरकारी स्कूलों में अपने नाम से संपत्ति पंजीकृत की है।

जीतो केकेजी जोन सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

समाज के प्रत्येक वर्ग को खुशियों की गारंटी का संकल्प

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन के एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन बेंगलूरु स्थित होटल सेंग्रिला में किया गया, जिसमें जीतो की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग व जरूरतमंद को खुशियों की गारंटी का संकल्प लिया गया। अपेक्स पदाधिकारियों से सीखने, विभिन्न परियोजनाओं का अन्वेषण करने, अद्वितीय नेटवर्किंग पैदा करने तथा संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में जीतो अपेक्स से चैप्टर तक के विभिन्न विभागों, चैप्टर एवं विंगों के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभायी और संगठन की दिशा में अपने दृष्टिकोण व योजनाओ पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन की शुरुआत नवकार महामंत्र के स्मरण से हुई। अपेक्स, जोन व चैप्टर के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों ने द्वीप प्रज्वलित किया।

केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हम सभी के लिये एक ऐसा अवसर है जहां सभी सामूहिक रूप से विचार विमर्श कर भविष्य की दिशा तय कर सकते है, सभी का समर्थन एवं सहयोग ही जीतो के उद्देश्य पूर्ति की कुंजी है। सम्मेलन में सर्वप्रथम जीतो अपेक्स कार्यालय के प्रबंधक भावेश जैन ने जीतो की संचालन प्रक्रिया के मानको का विस्तृत प्रशिक्षण दिया। सम्मेलन में जीतो अपेक्स अध्यक्ष विजय बाबूलाल भंडारी ने कहा कि संस्था को हमेशा अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने पर ही संस्था अपने उद्देश्यों की पूर्ति के मार्ग पर अग्रसर हो सकती है। महामंत्री ललितकुमार डांगी ने कहा कि जीतो एक ऐसा मंच है जो समाज के प्रत्येक वर्ग को नेतृत्व, ज्ञान और सेवा के माध्यम से जोड़ने का कार्य करता है। जीतो केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो जैन समाज की छवि को और सशक्त बना रहा है। अपेक्स वाइस चेयरमेन नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने जीतो अपेक्स की एसओपी को विस्तारपूर्वक रखा। अपेक्स के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि जीतो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक माध्यम है। जब हम व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर संस्था के हित में कार्य करते हैं तभी सच्चे अर्थों में समाज का विकास संभव होता है।

इस अवसर पर श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष रमेश हरण ने कहा कि जीतो के माध्यम से श्रमण सेवा जैसे मिशन में ओर अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ रहे है। अपेक्स वाइस चेयरमैन हिमांशु शाह ने कहा कि जीतो न केवल नेतृत्व विकास को प्रोत्साहित करता है साथ ही जीतो समाज में सकारात्मक बदलाव और एकता का प्रतीक भी है। सम्मेलन में जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने अपने संबोधन में कहा कि जीतो अब समाज के विकास का एक सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। यह मंच हमें न केवल सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करता है, बल्कि समाज में नई संभावनाओं को साकार करने का अवसर भी प्रदान करता है। सम्मेलन में अपेक्स महिला विंग चेयरपर्सन शीतल दुग्गड़ व युवा विंग अध्यक्ष रजत हार्डी ने अपने विंग की कार्यप्रणाली व विचारों को रखा।

आसित शाह ने सीएफई, भावेन कामदार ने जीतम, विनोद पोकरना ने जॉब्स, कैलाश गुलेच्छा ने जेबीएन, प्रियंका परमार ने मैट्रीमोनी, रमेश बोहरा व महेश नाहर ने जेएटीएफ, विक्की ओसवाल ने स्पोर्ट्स, कुमारपाल चोपड़ा ने जेपीएफ, नितिनकुमार जैन ने जे पॉइंट, पुष्पक रायप्पा ने माइनॉरिटी, महावीर मेहता ने इंटरनेशनल योजना पर विस्तृत विवरण रखा। केकेजी जोन के बेंगलूरु साउथ, बेंगलूरु नार्थ, बल्लारी, हुब्बल्ली, गदग, दावनगेरे, मैसूरु, बेलगावी, होसपेट, बीजापुर इत्यादि चैप्टर के पदाधिकारियों ने अपने-अपने चैप्टर की योजनाओं, उनके क्रियान्वन और जोन-अपेक्स से सहयोग व मार्गदर्शन की अपेक्षाओं को रखा। साथ ही समाज के सामूहिक विकास की दिशा में योगदान देने का संकल्प लिया। बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी व नार्थ अध्यक्ष विमल कटारिया ने जीतो समुदाय की एकजुटता और सामूहिक प्रयासों की अहमियत पर प्रकाश डाला।

विशेष पैनल चर्चा आयोजित

आयोजन के दौरान एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें प्रश्नोत्तर के माध्यम से संगठन के सदस्यों को आपस में जोड़ने और उनकी शंकाओं का निवारण किया गया। केकेजी जोन के मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि सम्मेलन का संचालन केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन ने अत्यंत प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने पैनल चर्चा में विभिन्न सदस्यों के प्रश्नों का समाधान किया और आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम के माध्यम से जीतो ने समाज में जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के महत्व को स्वीकार करने और प्रत्येक सदस्य को अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन को सफल बनाने में जोन उपाध्यक्ष संतोष पोरवाल, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, सचिव विनोद जैन के साथ जोन के प्रबंधन समिति सदस्यों का अथक सहयोग रहा। सम्मेलन में जीतो के अपेक्स, जोन व बेंगलूरु अध्याय के अनेकों पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

टूर्नामेंट में राइजिंग स्टार रही विजेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विजयनगर परिषद के 40 साल पुरे होने के उपलक्ष में अध्यक्ष मनोज बैद ने बेंगलूरु में प्रवासित समस्त थल्ली तेरापंथी समाज में युवकों और किशोरों को जोड़ने के उद्देश्य से सुपर 8 नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन स्वामीनारायण गुरुकुल ग्राउंड में 5 और 12 जनवरी को करवाया। जिसमें चेयरमैन के रूप में सूरज चिंडालिया की नियुक्ति की गई। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया, उनमें सुभाष श्यामसूखा और उत्तम बागरेचा की विजयनगर क्रिकेट क्लब और आलोक बोरड़ की राइजिंग स्टार्स ने फाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट का शानदार समापन करते हुए राइजिंग स्टार्स ने खिताब जीता। बैट्समैन ऑफ द टूर्नामेंट विजयनगर क्रिकेट क्लब से रजत संचेती रहे। वही बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट राइजिंग स्टार से प्रदीप कोठारी रहे। पूरे टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज प्रदीप कोठारी को चुना गया। इस आयोजन के साथ ही महिलाओं के लिए भी ग्लैमर्स कप का आयोजन किया गया। जिसमें शिल्पा कोठारी और स्वाति भूतोंड़िया की टीम यंग वारियर्स विजेता रही। संचालन विकास बाँठिया ने किया। आयोजन को सफल बनाने के लिए मुख्य प्रायोजक मंगली देवी दुधेड़िया एंड संस, ग्राउंड और टेंट प्रायोजक गुरुपुनवानी प्रॉपर्टी एवं अन्य सभी प्रायोजकों का आभार जताया गया। इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में विजयनगर प्रबंध मंडल, फूड कमेटी, ग्राउंड कमेटी, ऑन ग्राउंड कमेटी, बस कमेटी, डिसिप्लेन कमेटी, मार्केटिंग कमेटी, कमेन्ट्रेटर, क्लॉथ कमेटी और सभी कार्यकर्ताओं का भी आभार जताया गया।

असली आरोपियों को गिरफ्तार करें

साजिश कर जमीन पर कब्जा करना अपराध : भास्कर राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी भास्कर राव ने आरोप लगाया है कि शहर में गाय के थन काटने की घटना कम संख्या में हिंदुओं को भगाने और जमीन पर कब्जा करने की साजिश और कुकृत्य है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने वहां से 5 बार निर्वाचित हुए जमीर अहमद की निंदा करते हुए कहा कि वह कह रहे हैं कि तीन गाय खरीदकर दे देंगे, जो और भी चौंकाने वाली बात है। संक्रांति पर्व के दौरान ऐसा हुआ है। क्या उनमें इंसानियत नहीं है? उन्होंने पूछा कि क्या यह गाय खरीदने और देने का खेल है। यह हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा झटका है। चामराजपेट में कोई रक्तपात नहीं हुआ, क्योंकि राज्य सरकार की किस्मत अच्छी थी। सांप्रदायिक दंगा होने की आशंका थी। दानदाताओं सज्जन राव ने 100 साल पहले अस्पताल को पशु चिकित्सा के लिए दिया था। जहां 2,227 जानवर हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि वहां किसी से चर्चा किए बिना अस्पताल को ध्वस्त करना और अल्पसंख्यकों के लिए स्कूल बनाना एक बड़ी गलती थी। तब बड़ा विरोध हुआ था। इन गायों के मालिक सबसे आगे थे। जमीर अहमद वहां हिंदुओं को डराने और जगह छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना न सिर्फ निंदनीय है बल्कि अक्षम्य भी है। दबाव के कारण एक असंबंधित बिहारी को लाकर गिरफ्तार कर गवाह बनाया जाता है। उन्होंने मांग की कि असली दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सिद्धरामैया ने जमीर अहमद को मनमानी करने की इजाजत दे दी है। यह विनाशकारी कृत्य के लिए एक प्रोत्साहन है। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह विकास कार्य नहीं है और वे पत्थरबाज और आगजनी ब्रिगेड तैयार कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि वे अल्पसंख्यकों को गुमराह कर रहे हैं। जमीर अहमद स्व-निर्मित करोड़पति बन रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे गाय पालकों को भगाने और अस्पताल पर कब्जा करने तथा हिंदू समर्थक संगठनों को बढ़ने से रोकने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि वहां गोमांस निषेध कानून के तहत कोई मामला दर्ज नहीं किया जा रहा है। उन्होंने असली आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए कहा कि अगर आप एक हजार गायें लाकर मालिक को दे देंगे तो भी आपका पाप नहीं जाएगा। उन्होंने पशु अस्पताल को बिना हैंडओवर किए जारी रखने की मांग की।

बीएमटीसी ने ट्रायल रन के तहत बेंगलूरु में पहली वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें की शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) ने वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों का अपना पहला बेड़ा शुरू किया है, जो वर्तमान में ट्रायल रन से गुजर रही हैं। बीएमटीसी अधिकारियों के अनुसार, अशोक लीलैंड की सहायक कंपनी ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी द्वारा आपूर्ति की गई पाँच बसों को केम्पेगौड़ा बस स्टेशन (मैजेस्टिक) और कडुगोडी (व्हाइटफील्ड) के बीच के मार्ग पर तैनात किया गया है। इस लॉन्च के साथ, बीएमटीसी का लक्ष्य वज्र और वायु वज्र हवाई अड्डे के मार्गों पर चलने वाली अपनी पुरानी वोल्वो बसों को पर्यावरण के अनुकूल वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों से बदलना है। यह पहली बार है जब बीएमटीसी ने अपने बेड़े में वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें शामिल की हैं। ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी को बीएमटीसी को 320 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें आपूर्ति करने का अनुबंध दिया गया है। ये बसें सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत चलेंगी, जहाँ बीएमटीसी प्रति किलोमीटर 65.8 का भुगतान करेगी। बीएमटीसी के एक अधिकारी ने कहा मार्च 2025 तक पूरा बेड़ा मिल जाने की उम्मीद है। नई बसें 13 मीटर लंबी हैं और इनमें लो फ्लोर हैं, जिससे दिव्यांग व्यक्ति भी इन्हें आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। इनमें आसानी से चढ़ने के लिए रिट्रैक्टेबल रैंप लगे

हैं। अनुबंध के अनुसार, प्रत्येक बस को प्रतिदिन 250 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है, जो सालाना 87,500 किलोमीटर के बराबर है। नए बेड़े को समायोजित करने के लिए, बीएमटीसी ने चार डिपो निर्धारित किए हैं, जिसमें डिपो 7 (सुभाषनगर), डिपो 13 (कट्टीगुप्पे), डिपो 18 (व्हाइटफील्ड) और डिपो 25 (एचएसआर लेआउट) शामिल है। मैजेस्टिक और व्हाइटफील्ड के बीच बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों ने नए बेड़े से संतुष्टि व्यक्त की, सीटों के आराम और डिजाइन की प्रशंसा की, जिसमें एकीकृत हेडरेस्ट की सुविधा है। व्हाइटफील्ड के निवासी प्रमोद कुमार ने कहा सीटें सिर को बेहतरीन सहारा देती हैं और सवारी की गुणवत्ता अच्छी है। हालांकि, मुझे लगता है कि वोल्वो बसों का निलंबन बेहतर है। कुल मिलाकर, यह एक अच्छी शुरुआत है। इस मार्ग पर प्रतिदिन यात्रा करने वाली एक अन्य यात्री, काव्या राव ने कहा डीजल बसों की तुलना में इलेक्ट्रिक बसें शांत और सहज हैं। ऐसी बस में यात्रा करना ताजगी भरा है जो आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल दोनों है। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि बीएमटीसी किराया कम करेगी क्योंकि ये इलेक्ट्रिक बसें हैं।

सिलेंडर विस्फोट में चार घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के चोक्कासांद्रा में सोमवार को सिलेंडर विस्फोट में चार लोग घायल हो गए। घटना सुबह करीब 8.30 बजे हुई। घर में हुए विस्फोट में बीजू दास और उनकी पत्नी अंजलि दास गंभीर रूप से घायल हो गए। वे किराएदार के तौर पर रह रहे थे। इस घटना में उनके दो पड़ोसी भी घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि घर में मौजूद मंजूश्री नाम की लड़की चमत्कारिक रूप से बच गई, उसे मामूली चोटें आई हैं।

गाय का थन काटने का मामला

आरोपी बिहार मूल निवासी सैयद नसरू गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चामराजपेट के विनायक नगर में कथित तौर पर तीन गायों के थन काटने के आरोप में बिहार के 30 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान शेख नसरू के रूप में की है, जो बिहार के चंपारण जिले का रहने वाला है। पता चला है कि उसने शराब के नशे में यह काम किया। वह घटनास्थल से 50 मीटर दूर एक प्लास्टिक और कपड़े के बैग सिलाई की दुकान में सहायक के रूप में काम करता है। आरोपी को रविवार शाम को गिरफ्तार किया गया और मजिस्ट्रेट के घर पेश किया गया। डीसीपी (पश्चिम) एस गिरीश ने कहा इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं पाया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है

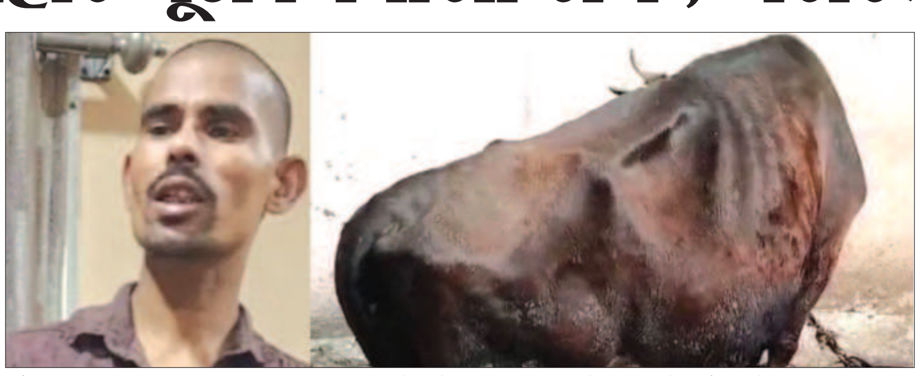

और 24 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गायों का इलाज किया गया और वे फिलहाल खतरे से बाहर हैं। यह घटना रविवार तड़के हुई थी। क्षेत्राधिकार वाले कॉटनपेट पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस की धारा 325 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि घटना के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने राज्य सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर चामराजपेट के विनायकनगर में गायों के थन काटने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजा गया तो वे काली संक्रांति मनाएंगे। घटना स्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार को मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने मांग की कि जो भी दोषी है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। यह कृत्य हिंदुओं को आतंकित करने के इरादे से किया गया था। उपद्रवियों ने सीसीटीवी तोड़ दिए हैं। केवल आतंकवादी ही ऐसी हरकतों को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार नहीं जागी तो मजबूरन सड़कों पर उतरना पड़ेगा। इस घटना से पशु अस्पताल को बचाने की लड़ाई लड़ने वाले गाय मालिक डरे हुए हैं। अगर सरकार में थोड़ी भी गरिमा है तो दोषियों पर कार्रवाई करे। उन्होंने सवाल किया कि मंत्री जमीर, जो स्थानीय विधायक हैं, क्यों नहीं आए। गायें हिंदुओं के लिए भगवान तुल्य हैं। हम उन्हें पवित्र जानवरों के रूप में पूजते हैं। यदि कोई उन्हें कष्ट भी दे तो भी हमारा मन नहीं रुकता। ये जिहादी मानसिकता है। दूध देने वाली गाय का थन काट लिया गया है। गाय का मालिक आरएसएस कार्यकर्ता है। स्थानीय पशु चिकित्सालय अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा था। कुछ बदमाशों ने, जो इसे बर्दाश्त नहीं कर सके, इस अपराध को अंजाम दिया होगा। हम पहले भी कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इसमें गाय मालिक भी शामिल थे।

गायों पर हमला करने वालों को मुहतोड़ जबाब देगा भगवती मानव कल्याण संगठन: लवकेश सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगवती मानव कल्याण संगठन बेंगलूरु शाखा के सचिव लवकेश सिंह ने कहा कि कर्नाटक में जब से कांग्रेस की सरकार आई है तब से सनातन धर्म पर लगातार हमले हो रहे हैं। एक धर्म विशेष को लगातार संरक्षण दिया जा रहा है, यहां तक कि अपराधिक कार्यों का संरक्षण किया जा रहा है। भगवती मानव कल्याण संगठन धर्म सम्राट युग चेतना पुरुष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी के संरक्षण में पूरे देश में गायों को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें गौ संरक्षण का संकल्प भगवती मानव कल्याण और संगठन द्वारा लिया गया है। चामराजपेट में तीन गायों के थन काटे जाने की घटना प्रकाश में आई है। गाय तड़प रही थी लगातार खून बह रहा था, जो कि सनातन धर्म पर हमला है। जन थनो द्वारा गाय विश्व का कल्याण करती है, लोगों का पोषण करती है। उसके प्रति इतनी नफरत जिहादी मानसिकता के लोगों की ही हो सकती है। उन्होंने कहा यह घटना बेहद ही दुखद है। कांग्रेस सरकार को अतिशीघ्र अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। जिससे इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो। अन्यथा सरकार के विरुद्ध भगवती मानव कल्याण संगठन कड़ी आवाज उठाएगा।

कैग रिपोर्ट दबाने पर दिल्ली सरकार को लगाई फटकार

आपकी ईमानदारी पर संदेह : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएजी रिपोर्ट पर विचार करने में देरी के लिए दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि जिस तरह से आपने अपने कदम पीछे खींचे हैं, उससे आपकी ईमानदारी पर संदेह पैदा होता है। हाईकोर्ट ने कहा कि आपको रिपोर्ट को तुरंत स्पीकर को भेजना चाहिए था और सदन में चर्चा शुरू करनी चाहिए थी।। कोर्ट ने मामले पर आज दोपहर 2:30 बजे सुनवाई तय की।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा ने कहा कि मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि दिल्ली सरकार द्वारा कैग रिपोर्ट को सदन में रखने में आनाकानी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। अब यह और भी स्पष्ट हो गया है कि स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है, केवल विकास कार्यों, पर्यावरण और जलभराव वाली सड़कों के मामले में ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मामलों में भी। लगभग एक दर्जन कैग रिपोर्ट हैं, जिन्हें दिल्ली सरकार ने दिल्ली विधानसभा में नहीं रखा है। 11 जनवरी 2025 को, दिल्ली विधानसभा सचिव ने कहा कि रिपोर्ट को सदन में रखने का कोई फायदा नहीं है। हमारे 7 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर पूछा था कि कैग रिपोर्ट को विधानसभा में क्यों नहीं रखा जा रहा है। उनका (आपा का) अराजकतावादी चरित्र अब संवैधानिक संस्था और

संवैधानिक प्रक्रियाओं में व्याप्त हो रहा है, जो सरकार के समुचित कामकाज के लिए बहुत जरूरी है।

दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया है कि फरवरी में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। अब कैग की रिपोर्ट को विधानसभा में पेश करने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। सचिवालय ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की 14 रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किए जाने के मामले में सीएजी रिपोर्ट पेश करने के मुद्दे पर सात भाजपा विधायकों की याचिका के जवाब में कही है।

सचिवालय ने कहा कि संविधान के तहत सदन का संरक्षक होने के नाते विधानसभा की बैठक बुलाने का स्पीकर का विवेकाधिकार उसके आंतरिक कामकाज का हिस्सा है। यह किसी भी न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। अब विधानमंडल की उत्तराधिकारी लोक लेखा समिति (पीएसी) कानूनी ढांचे के अनुसार रिपोर्टों की जांच कर सकती है, जिसका चुनाव आगामी चुनावों के बाद अगली विधानसभा करेगी। वहीं दूसरी ओर हाल ही में उपराज्यपाल ने अपने जवाब में कहा था कि हाईकोर्ट को स्पीकर से तुरंत रिपोर्ट सदन के समक्ष पेश करने का निर्देश देने का अधिकार है। उन्होंने ऑडिट रिपोर्ट पेश करने में असाधारण देरी की ओर इशारा किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली के लोग विधानसभा में अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सीएजी रिपोर्ट तक पहुंच पाने के हकदार हैं। इसलिए हाईकोर्ट मुख्यमंत्री और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को तुरंत एक-दूसरे से परामर्श करने और सदन को फिर से बुलाने के निर्देश जारी करें। विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जितेंद्र महाजन ने गत वर्ष याचिका दाखिल कर कहा था कि एक मामले में पारित आदेश के बावजूद स्पीकर को आगे की कार्रवाई के लिए सीएजी की रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर फर्जी कैग रिपोर्ट दिखाने का आरोप लगाया है। आपा की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने पार्टी मुख्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा सीएम चेहरा और एजेंडा बताने की जगह अपने दफ्तर में तैयार कागज को कैग रिपोर्ट बता रही है, जबकि कैग रिपोर्ट दिल्ली की सीएम, एलजी या विधानसभा अध्यक्ष ने अभी तक नहीं देखी है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव आलोक शर्मा ने कहा कि 11 वर्षों के कुशासन ने दिल्ली को भ्रष्टाचार और अपराध की राजधानी बना दिया। इसके लिए आम आदमी पार्टी और केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर सत्ता में आई आपा खुद कैग रिपोर्ट सदन में पेश नहीं कर रही है। आलोक शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि दिल्ली के 65 विधायकों पर आपराधिक और भ्रष्टाचार में शामिल होने की रिपोर्ट है। इसमें आपा के 58 व भाजपा के 7 विधायक शामिल हैं। जबकि केजरीवाल कहते थे कि एक भी दागी को टिकट नही दूंगा। कोई भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाएगा तो इस्तीफा दे दूंगा, लेकिन एक के साथ एक मुफ्त शराब की बोतल देने के भ्रष्टाचार में स्वयं 174 दिन जेल में रहे।

कोयंबटूर में एटीएस का औचक छापा, 31 बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोयंबटूर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। कोयंबटूर की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध औचक निरीक्षण करते हुए 31 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने इन्हें तिरुप्पुर और कोयंबटूर जिले से पकड़ा है। इसके अलावा त्रिपुरा में भी बांग्लादेशियों द्वारा किए जा रही हथियारों की तस्करी का खुलासा हुआ है और साथ ही तीन बांग्लादेशी घुसते हुए भी पकड़े गए हैं।

कोयंबटूर में एंटी टेररिस्ट स्कॉड की पांच टीमों की कार्रवाई में बांग्लादेशी धराए गए। ये लोग तिरुप्पुर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में लंबे समय से रुके हुए थे और यहीं ठहर कर काम करते थे। पूछताछ में सामने आया कि इन लोगों ने बंगाल के रास्ते से देश में एंट्री ली थी और फिर यहीं आकर फर्जी दस्तावेज बनाए थे। बाद में ये सब तिरुप्पुर लौट गए। इन 5 एटीएस टीमों में 4-4 पुलिसकर्मी थे। इन्होंने एक ही रात में कार्रवाई करते हुए 31 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। बाद में इन्हें पल्लादम और तिरुप्पुर पुलिस को सौंप दिया गया।

पुलिस की कार्रवाई ऐसे समय में सामने आई है जब असम के मुख्यमंत्री ने बयान दिया था कि बांग्लादेश में कई घुसपैठिए छिपे हैं और तमिलनाडु पुलिस उनकी जांच करे। उधर, त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर धारदार हथियारों से लैस तस्करों के एक समूह ने तस्करी करने का प्रयास किया, जिस पर महिला जवानों ने दो राउंड फायरिंग करके तस्करों के प्रयास को विफल कर दिया। इनके पास से भारी मात्रा में चीनी और अन्य प्रतिबंधित सामान बरामद हुए।

पिछले कुछ दिनों में बीएसएफ की सतर्कता के चलते तस्करी के एक नहीं कई प्रयास नाकाम हुए। फोर्स ने इस दौरान तस्करों से 10 मवेशियों को बचाया, 100 किलो चीनी, 16 किलो गांजा, भारी मात्रा में कपड़े और 50 लाख से अधिक मूल्य का सामान जब्त किया। इसके अलावा 11 जनवरी को एक अन्य अभियान में, जिला खोवाई के अंतर्गत बीओपी गौरनगर के बीएसएफ जवानों ने 3 बांग्लादेशी नागरिकों को उस समय गिरफ्तार किया जब वे बांग्लादेश में जाने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के हैं। बीएसएफ द्वारा पूछताछ के दौरान, गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों ने बताया कि उन्होंने भारतीय दलाल के साथ भारत में एंट्री की थी।

ईडी ने ज्योति पावर कॉरपोरेशन 'धोखाधड़ी' मामले में 15.01 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ज्योति पावर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (जेपीसीपीएल) के निदेशकों, साझेदारों और उनके परिवार के सदस्यों की 15.01 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं, जिनका वर्तमान बाजार मूल्य 20 करोड़ रुपये है, एजेंसी ने सोमवार को कहा।

ईडी के अहमदाबाद जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया।

ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर अपनी जांच शुरू की। एफआईआर में जेपीसीपीएल और उसके निदेशकों और प्रमोटरों, कमलेश कटारिया और नितेश कटारिया पर धोखाधड़ी से बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) को ऋण चुकौती में चूक करने का आरोप लगाया गया है, ईडी की जांच से पता चला है कि जेपीसीपीएल ने बीओआई और अन्य कंसोर्टियम बैंकों से कई तरह की ऋण सुविधाएं ली थीं, लेकिन फंड को निजी खातों और अन्य संस्थाओं में डायवर्ट कर दिया।

एजेंसी ने एक बयान में कहा, निदेशकों ने कथित तौर पर फर्जी श्रम भुगतान दिखाकर, गैर-कंसोर्टियम बैंकों को पैसे ट्रांसफर करके और बैंक की जानकारी के बिना चल और अचल संपत्तियों को बेचकर फंड का दुरुपयोग किया। एजेंसी के अनुसार, इन धोखाधड़ी गतिविधियों के कारण बैंक को काफी वित्तीय नुकसान हुआ। इसके अलावा, ईडी ने कहा, जांच में पता चला कि डायवर्ट किए गए फंड का इस्तेमाल करके खरीदी गई संपत्तियों को बाद में निदेशकों के परिवार के सदस्यों को बिना किसी प्रतिफल के हस्तांतरित कर दिया गया, ताकि अपराध की आय को छुपाया जा सके। ईडी की कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं को दूर करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतिरिक्त संपत्तियों का पता लगाने और धोखाधड़ी की पूरी सीमा को उजागर करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

अधोसंरचना में सुधार से ही समृद्ध होगा भारत: गडकरी

श्रीनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि देश की अधोसंरचना में सुधार से ही समृद्ध भारत बनेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में जेड-मोड़ (सोनमर्ग सुरंग) का उद्घाटन करने के बाद सोनमर्ग में एक सभा को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा , अगर हमें समृद्ध, खुशहाल और समृद्ध भारत बनाना है, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुझाये फार्मूले पर हमें अपने देश की अधोसंरचना में सुधार करना है।

उन्होंने कहा , मेरे पास पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी का एक उद्धरण है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी सड़कें इसलिए अच्छी नहीं हैं क्योंकि देश समृद्ध है। देश समृद्ध इसलिए है क्योंकि इसकी सड़कें अच्छी हैं।

उन्होंने कहा कि जिस देश की सड़कें अच्छी होती हैं, वह देश सुखी, समृद्ध और उन्नत रहता है। उन्होंने कहा कि जब तक पानी, बिजली, परिवहन और संचार में सुधार नहीं होगा, तब तक उद्योग, व्यापार और पर्यटन नहीं बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर को सुखी, समृद्ध और उन्नत बनाने का मिशन बताया है, उद्योग लगें, पर्यटन बढ़े, युवाओं को रोजगार मिले और गरीबी दूर हो, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं, अवसंरचना निर्माण किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक दिन है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रणनीतिक सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जेड-मोड़ सुरंग पर काम 2012 में शुरू हुआ था और बाद में इसके निर्माण में कई चुनौतियां और बाधाएं उत्पन्न हुई।

उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इस पर काम पूरा हो गया है और 27,000 करोड़ रुपये की लागत वाली 6.5 किलोमीटर लंबी परियोजना का आज उद्घाटन हुआ। यह सुरंग श्रीनगर से लेह लद्दाख तक यात्रा करने वाले लोगों को मदद करेगी जो प्रायः छह महीने के लिए बंद रहती थी, अब पूरे साल यात्रा करने में मदद करेगी।

श्री गडकरी ने कहा कि इसी तरह 6,800 करोड़ रुपये की लागत से 18 किलोमीटर की एप्रोच रोड के साथ 14 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग भी निर्माणाधीन है।

उन्होंने कहा , प्रधानमंत्री जी, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि जब 12,000 करोड़ रुपये की लागत से जोजिला सुरंग निर्माण के लिए 5वीं बार टेंडर जारी किया गया, तो सरकार ने तय किया कि अब यह सुरंग 6,800 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होगी जिससे देश को लगभग 5000 करोड़ रुपये का लाभ होगा।

उन्होंने कहा, हमने समुद्र से एशिया

की सबसे ऊंची सुरंग, जोजिला सुरंग के निर्माण पर एक साल तक आधुनिक तकनीक और अन्य चीजों के साथ अध्ययन किया, जो आने वाली है, इससे श्रीनगर से लेह तक यात्रा का समय लगभग 3 घंटे कम हो जाएगा और 30 मिनट लगेंगे। मौसम संपर्क और लोगों के लिए इसके सतत विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जोजिला सुरंग के पूरा हो जाने पर निस्संदेह श्रीनगर और लद्दाख के बीच लोगों के लिए हर मौसम संपर्क कायम होगा।

उन्होंने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी महसूस हो रही है कि 7,000 करोड़ रुपये की लागत से श्रीनगर के लिए 104 किलोमीटर लंबी रिंग रोड को मंजूरी दी गई है और इस पर काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। रिंग रोड के पूरा होने से बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपोरा, कारगिल के लोगों और लेह जाने के इच्छुक लोगों को श्रीनगर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी।

श्री गडकरी ने कहा कि जम्मू और श्रीनगर के बीच 50,000 करोड़ रुपये की लागत से चार गलियारे बनाए जाएंगे। करीब 250 किलोमीटर लंबी जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर सड़क का पहला गलियारा 16,000 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और उम्मीद है कि यह परियोजना इस दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। इस गलियारे पर 15 सुरंगो का काम पूरा हो चुका हैं, जबकि 18 का निर्माण किया जा रहा है और 09 सुरंगों पर काम चल रहा है तथा इससे गलियारे पर यात्रा का समय 5 घंटे कम हो जाएगा और 70 किलोमीटर सड़क पट्टी भी कम हो जाएगी। इन 9 सुरंगों का काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने का अनुमान है।

श्री गडकरी ने कहा कि दूसरा गलियारा 202 किलोमीटर लंबी जम्मू-चेनानी-अनंतनाग सड़क के बीच 14,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। सड़क पर पांच सुरंगें बनेंगी जिससे 68 किलोमीटर की दूरी कम होगी। केहलानी और धर्मशाला सुरंगों को भी सड़क पट्टी पर 2025 तक पूरा किया जाएगा, और अन्य तीन सुरंगों को जून 2025 तक समर्पित किया जाएगा। तीसरा महत्वपूर्ण गलियारा 10,000 करोड़ रुपये की लागत से 303 किलोमीटर लंबे सुरनकोट-शोपियां-बारामूला-उरी में बनेगा और परियोजना 2027 तक पूरी हो जाएगी। इस परियोजना से सुरनकोट और राजौरी के लोगों को सुविधा होगी और यह जम्मू और बारामूला के बीच सीधा संपर्क भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 197 किलोमीटर लंबी डीपीआर शुरू कर दी गई है और जल्द ही इसे समर्पित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चौथा गलियारा 203 किलोमीटर लंबे जम्मू-अखनूर-सुरनकोट-पुंछ के बीच बनाया जाएगा, जो 5,000 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा, यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए जीवन रेखा होगा। यह परियोजना जम्मू से पुंछ तक सीधा संपर्क बनेगा और नौशेरा और राजौरी के लोग लाभान्वित होंगे।

उन्होंने कहा कि 2,50,000 करोड़ रुपये की लागत से 124 किलोमीटर लंबी राफियाबाद-कुपवाड़ा-चमरोटे के बीच एक अन्य परियोजना दिसंबर 2027 तक पूरी हो जाएगी। यह सड़क नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण होगी। परियोजना की 51 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 2026 तक पूरा हो जाएगा और 61 किलोमीटर लंबी सड़क का ठेका जून 2025 तक दे दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कठुआ-बसोहली-भद्रवाह-डोडा के बीच 30,400 रुपये की लागत से 250 किलोमीटर लंबी सड़क का एक और महत्वपूर्ण चार लेन का गलियारा आ रहा है, जिसमें डीपीआर की तैयारी शुरू कर दी गई है और उम्मीद है कि इस पर काम बहुत जल्द शुरू हो जाएगा।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल, एक दशक में इतनी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा कि भारत अब दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्यातकों में शामिल हो गया है। उन्होंने सोमवार को गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में इस उपलब्धि को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, 2015 से 2019 तक भारत दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश था। अब 100 से अधिक कंपनियां ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट प्रणाली और डोर्नियर एयरक्राफ्ट जैसे उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। रक्षा निर्यात भी 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2013-14 के मात्र 686 करोड़ रुपये से उल्लेखनीय उछाल है। यह एक दशक में 30 गुना वृद्धि को दर्शाता है।

वित्त मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियारों के निर्माण में हुई वृद्धि पर कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 देश में 1.27 लाख करोड़ रुपये के हथियारों का निर्माण हुआ यानी रक्षा उत्पादन किया गया। मंत्री ने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत नीतिगत बदलाव और निवेश को दिया।

उन्होंने कहा, भारत जैसे बड़े देश के लिए सुरक्षा केवल सीमाओं की देखभाल करना ही नहीं है। आज प्रौद्योगिकी सीमाओं का इंतजार नहीं करती। उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी जितनी उपलब्ध है, कुछ निहित स्वार्थों या नकारात्मक ताकतों द्वारा उसका दुरुपयोग भी किया जा रहा है।

सीतारमण ने कहा कि भारत की वृद्धि कुछ 'लोगों' को पसंद नहीं आ सकती। उन्होंने कहा, यह मानना अहम है कि भारत हमारे सभी प्रतिस्पर्धियों की नजर में बढ़ रहा है। भारत उन लोगों की नजर में भी बढ़ रहा है जो उभरते लोकतंत्र की ऐसी वृद्धि को आश्चर्यजनक मानते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग बैंक, शेयर बाजार, भुगतान संस्थान, ई-कॉमर्स पोर्टल और कैब-बुकिंग ऐप जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना एवं प्रतिष्ठानों के लिए खतरा हो सकता है।सीतारमण ने कहा, हमें देश के भीतर ऐसे बलों की भी जरूरत है जो प्रौद्योगिकी के जानकार हों और हमारे सामने मौजूद खतरों के प्रति सचेत हों, ताकि हमारे डिजिटल बुनियादी ढांचे की रक्षा की जा सके।

भारत की स्वदेशी एंटी टैंक मिसाइल नाग एमके 2 ने फील्ड मूल्यांकन परीक्षणों में सफलता प्राप्त की

जैसलमेर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्वदेशी एंटी-टैंक मिसाइल, नाग एमके 2, तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक फायर-एंड-फॉरगेट गाइडेड मिसाइल ने भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में राजस्थान के पोखरण फील्ड रेंज में अपने फील्ड मूल्यांकन परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है । तीन फील्ड परीक्षण किए गए, जिसमें मिसाइल सिस्टम ने सभी लक्ष्यों को सटीक रूप से नष्ट कर दिया - अधिकतम और न्यूनतम रेंज, इस प्रकार इसकी फायरिंग रेंज

को मान्य किया गया। नाग मिसाइल कैरियर वर्जन-2 का भी फील्ड मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही, अब पूरी हथियार प्रणाली भारतीय सेना में शामिल होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नाग एमके 2 की संपूर्ण हथियार प्रणाली के सफल क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी है। स्वदेशी रूप से विकसित नाग एमके 2, तीसरी पीढ़ी के एंटी-टैंक फायर एंड फॉरगेट गाइडेड मिसाइल का पोखरण फील्ड रेंज में सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। आरएम श्री ने नाग एमके 2 की संपूर्ण हथियार प्रणाली के सफल क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षणों के लिए भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी है, सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने मिसाइल को भारतीय सेना में शामिल करने के लिए तैयार करने में सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की।

एकता का महाकुंभ : पहले स्नान पर्व पर आस्था का समागम

हर हर गंगे के जयकारों के बीच महाकुंभ में श्रद्धा का महासंगम

महाकुंभनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर श्रद्धालुओं का अद्भुत नजारा देखने को मिला। महाकुंभ के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाकुंभ में पहले स्नान पर्व पर देशभर से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। आधी रात से ही श्रद्धालु और कल्पवासी संगम तट पर जुटने लगे थे। हर-हर गंगे और जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से पूरा मेला क्षेत्र गूंज उठा।

बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं तड़के से ही संगम स्नान के लिए पहुंचने लगे। आस्था का ऐसा आलम था कि सिर पर गठरी का वजन भी उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। संगम नोज, एरावत घाट और वीआईपी घाट समेत समस्त घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करते नजर आए। युवाओं ने इस पावन क्षण को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। इस बार युवाओं में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। संगम स्नान और दान-पुण्य में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम तट पर पूजा-अर्चना और दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला क्षेत्र में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से चप्पे-चप्पे की निगरानी की जा रही है। डीआईजी और एसएसपी खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। आधी रात और सुबह तड़के से ही पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

पहले स्नान पर्व के दौरान इंद्रदेव ने भी अपनी कृपा बरसाई। एक दिन पहले हुई हल्की बारिश के बाद ठंडी हवा और हल्की हवा के बीच श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान का आनंद लिया। संगम क्षेत्र में आस्था का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने सनातन संस्कृति और आस्था के प्रति गौरव की अनुभूति कराई। स्नान पर्व की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। श्रद्धालु और युवा अपनी संस्कृति और परंपरा पर गर्व महसूस कर रहे हैं। महाकुंभ का यह पवित्र स्नान पर्व सभी के लिए यादगार बन गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी शुभकामनाएं

लखनऊ, 13 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व के सबसे विशाल, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम महाकुंभ 2025 का सोमवार तीर्थराज प्रयागराज में शुभारंभ हो गया। इस पवित्र अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त श्रद्धालुओं, संतों, महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुंभ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक है। यह आयोजन अनेकता में एकता की भावना को सजीव करता है। मां गंगा की पवित्र धारा में स्नान और साधना करने आए सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण हों। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सनातन संस्कृति और परंपराओं के वैश्विक गौरव का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। स्वच्छता, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, यातायात और आवासीय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

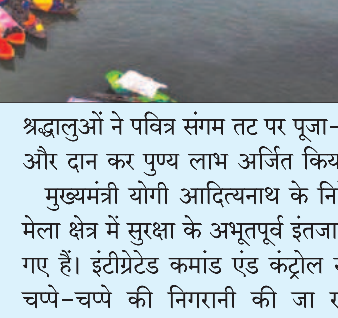

पौष पूर्णिमा के अवसर पर आज लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान कर रहे हैं। संगम तट पर आध्यात्मिक उल्लास और धार्मिक आस्था का अद्वितीय नजारा देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ जीवन का अद्वितीय अनुभव बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, आइए, महाकुंभ 2025 में सहभागी बनकर सनातन संस्कृति की इस गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनें। मां गंगा की कृपा से आपका जीवन सुख, शांति और समृद्धि से परिपूर्ण हो।

पहले ही स्नान में दिखा आस्था-उमंग का जनसैलाब

महाकुंभ की दिव्यता देख श्रद्धालु हुए मुग्ध

महाकुंभनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 का श्रीगणेश 144 वर्षों की प्रतीक्षा, अनन्य आस्था, अगाध भक्ति, हर्ष-उमंग और भावनाओं के उमड़ते ज्वार को साक्षात्कार करने सरीखा अनुभव बन गया। न केवल देश-प्रदेश बल्कि विदेशों से आए लाखों श्रद्धालुओं के जप-तप और पुण्य-मोक्ष का मार्ग बनने के साथ ही, एकता के सूत्र में बांधने वाला एक ऐसा माध्यम बन गया जिसकी तुलना किसी अन्य घटना से होना असंभव है। मानवता के इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षी बनने, अपने जन्मों के पुण्यों को साकार करने और मानव सभ्यता के इस सबसे बड़े विलक्षण क्षण का साक्षी पहले ही दिन बनने की होड़ तीर्थराज प्रयागराज के संगम नोज समेत सभी स्थायी व अस्थायी घाटों पर दिखी। यहां भाव विह्वल श्रद्धालु भीगी पलकों से इस सुखद क्षण का साक्षात्कार करते हुए अपनी पूजा व अर्चन विधि से भक्ति में रमने के साथ ही एकता के संगम में सराबोर होते दिखे।

पौष पूर्णिमा के अवसर पर महाकुंभ-2025 के प्रारंभ होने और पहले स्नान के अवसर पर ही पूरी दुनिया से महाकुंभनगर स्थित मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। ये श्रद्धालु उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तैयारियों से बेहद संतुष्ट दिखे और महाकुंभ पर्व को लेकर की गई सुव्यवस्थित व्यवस्था को देखकर मुक्त कंठ से डबल इंजन की सरकार की तारीफ करते दिखे। स्नान के दो दिन पूर्व ही लाखों की तादात में श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पहले दिन श्रद्धालुओं का अपार उत्साह-उमंग दर्शाता है कि आगे आने वाले 45 दिनों में महाकुंभ-2025 में उत्तर प्रदेश सरकार के अनुमान से भी ज्यादा भक्तों की भीड़ उमड़ सकती है।

पौष पूर्णिमा के अवसर पर कल्पवासी संगम में स्नान कर कल्पवास के कठिन नियमों का महाकुंभ अवधि के दौरान पालन करते हुए पुण्य प्राप्ति, सद्गति, मोक्ष प्राप्ति और सकल विश्व के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। स्वयं व अपने परिजनों के कल्याण के साथ ही सकल विश्व के कल्याण के लिए भी कल्पवासी प्रार्थना करते हैं। महाकुंभ के प्रारंभ होने के साथ ही सोमवार होने के कारण महादेव की उपासना के विशेष संयोग ने इस क्षण को और भी दुर्लभ बना दिया और महाकुंभ मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालु महादेव की उपासना में पवित्र जलधारा में डुबकी लगाकर संकल्प लेते दिखे। हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय बजरंग बली की जैसे नारों से रह-रहकर संगम नोज समेत सभी घाट दिनभर गुंजायमान होते रहे। वहीं, साधारण गृहस्त श्रद्धालुओं में भी स्नान को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला। पहले ही दिन प्रयागराज व आसपास के इलाकों समेत बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडिशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश जैसे प्रांतों की भारी भीड़ संगम समेत तीर्थराज प्रयागराज के विभिन्न घाटों पर देखने को मिली।

संगम घाट पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिला। साउथ कोरिया से आए यू-ट्यूबर दल महाकुंभ के विभिन्न शॉट्स को अपने कैमरे से कैप्चर करते दिखे तो जापान से आए पर्यटक महाकुंभ में अपार जनसैलाब को देखकर स्थानीय गाइडों से जानकारी लेते दिखे। रूस-अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए सनातनी श्रद्धालुओं ने सोमवार को आस्था और एकता के इस महापर्व का साक्षात्कार करने के साथ ही पुण्य की डुबकी भी लगाई। स्पेन से आई क्रिस्टीना भी इन्हीं में से एक थीं जिन्होंने महाकुंभ की भव्यता को देखकर मुक्त कंठ से इस अद्भुत क्षण की प्रशंसा की। गौरतलब यह है कि महाकुंभ में इस वर्ष जिस प्रकार की भीड़ उमड़ने का अंदाजा लगाया जा रहा है वह दुनिया के विभिन्न देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। ऐसे में, विदेशी न केवल कौतुहल में खिंचकर आस्था और एकता के इस महापर्व का साक्षी बनते दिखे, बल्कि सनातन धर्म को अपना चुके और सनातन आस्था को अंगीकार कर चुके विभिन्न साधु-संन्यासियों ने भी आस्था की पवित्र डुबकी लगाकर खुद को धन्य किया।

संगम पर स्पेनिश, जर्मन, रूसी और फ्रेंच में गूंजा जय श्री राम, हर हर गंगे का जयकारा

महाकुंभनगर, 13 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभनगर भारत ही नहीं, विश्व की आस्था का केंद्र बन गया है। यहां देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्काडोर समेत तमाम देशों के लोग सनातन संस्कृति से अभिभूत नजर आए। सभी ने संगम में डुबकी लगाई और माथे पर तिलक लगाकर संगम की रेती पर निकल पड़े। इस दौरान स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में जय श्री राम और हर हर गंगे के जयकारों से संगम का वातावरण गूंज उठा।

महाकुंभ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र बना गया है। देश के साथ ही विदेशी श्रद्धालुओं ने भी इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है। जर्मनी की रहने वाली क्रिस्टीना ने बताया कि यहां आकर आत्मा को शांति मिलती है। मैंने महाकुंभ के बारे में सुना जरूर था, लेकिन यहां आकर ऐसा लगा कि यह अनुभव अविस्मरणीय है। क्रिस्टीना का जन्म इक्काडोर में हुआ था। बाद में इनके माता पिता जर्मनी में बस गए। इक्काडोर के निवासी उनके साथी भी भारत की आध्यात्मिकता से अभिभूत नजर आए। उनका कहना था कि गंगा में डुबकी लगाकर ऐसा महसूस हुआ, जैसे सभी पाप धुल गए हों।

न्यूयॉर्क से आए फैशन डिजाइनर कॉबी हेल्परिन ने कहा, भारत की संस्कृति और परंपराओं को इतने भव्य रूप में देखना मेरे लिए एक नया अनुभव है। महाकुंभ ने मुझे भारतीय संस्कृति को गहराई से समझने का अवसर दिया। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी प्रेरणादायक है। यहां आकर उन्हें गौरव का अहसास हो रहा है।

रूस से आए मिखाइल और उनके दोस्तों ने संगम घाट पर गंगा स्नान कर हर हर गंगे के जयकारे लगाए। उन्होंने कहा, मैंने महाकुंभ के बारे में पढ़ा था, लेकिन यहां आकर इसकी विशालता और दिव्यता को महसूस करना मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव है। यह हम सभी के लिए कभी न भूलने वाला क्षण है।

इटली से आए पाउलो ने अपने 12 सदस्यीय दल के साथ महाकुंभ में संगम स्नान कर पावन पुण्य कमाया। उन्होंने योगी सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा, दुनिया में इतना बड़ा सांस्कृतिक आयोजन कहीं और संभव नहीं है। यह भारत की महानता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में यह आयोजन हो रहा है, इसके लिए यहां के शासक (सीएम योगी) भी बधाई के पात्र हैं। इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया से आए एलेक्स ने बताया कि जर्मनी में उनके दोस्तों ने उन्हें महाकुंभ के बारे में बताया था। भारत आकर उन्होंने इस अद्वितीय आयोजन का अनुभव किया और इसे अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया।

महाकुंभ इस बार न केवल भारतीय श्रद्धालुओं के लिए, बल्कि विदेशी पर्यटकों और भक्तों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और गंगा के महत्व को समझने और अनुभव करने के लिए उमड़ पड़े। यह आयोजन न केवल भारतीय परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि विश्व एकता और आध्यात्मिकता का संगम भी है। महाकुंभ एक ऐसा आयोजन है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा।

साढ़े नौ घंटे तक होगा अखाड़ों का अमृत स्नान

प्रयागराज, 13 जनवरी (एजेंसियां)। मकर संक्रांति पर्व पर अखाड़ों का अमृत स्नान करीब साढ़े नौ घंटे तक चलेगा। हालांकि, शिविर से निकलने और वापस आने में 12 घंटे से भी अधिक समय लगेगा। प्रशासन की ओर से मान्यता एवं परंपरा के अनुसार पूरी तैयारी की गई है।

अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के संतों एवं नागाओं के स्नान का समय तय हो गया है।

सबसे पहले महानिर्वाणी एवं अटल अखाड़े के संत स्नान करेंगे। शिविर से इनका प्रस्थान सुबह करीब सवा पांच बजे होगा और संगम पर सवा छह बजे पहुंचेंगे। करीब 40 मिनट तक अमृत स्नान होगा। इनके बाद निरंजनी एवं आनंद अखाड़ा के संत 7.05 बजे स्नान करेंगे। इसी क्रम में जूना, आवाहन एवं पंच अग्नि अखाड़ा के संत एक साथ सुबह आठ बजे स्नान करेंगे। इनके बाद निर्वाणी, दिगंबर, निर्मोही अखाड़ा के संत क्रमश: 10.40, 11.20 एवं 12.20 बजे स्नान करेंगे।

इनके बाद नया पंचायती अखाड़ा के संत दिन में 1.15 तथा बडा पंचायती के 2.20 बजे स्नान करेंगे। निर्मला पंचायती अखाड़ा के संत आखिर में 3.40 से 4.20 बजे तक स्नान करेंगे। इसके बाद करीब 5.20 बजे वह अपने शिविरों में पहुंचेंगे। अमृत स्नान के लिए मेला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी की बात कही जा रही है। अखाड़ों के स्नान के संगम पर घाट सुरक्षित रहेगा। उस दौरान अन्य कोई स्नान नहीं करेगा। अखाड़ों के आवागमन के लिए दो मार्ग बनाए गए हैं। दोनों मार्ग बैरिकेड कर दिए गए हैं। बैरिकेडिंग दो स्तर पर की गई है। ताकि, संतों तक कोई पहुंच न सके।

संपादकीय

गरीब की सूरत में

वह गरीब की सूरत बेच रहा था। उसके पास अनेक सूरत हैं और वह सूरत बनाकर सूरत बेच लेता है। उसके पास बीमार सी सूरत भी है जो देश की नीतियों और कार्यक्रमों को बहुत पसंद आती है। सूरत बेचने का व्यापार यूं तो नया है, लेकिन है मजेदार और चलने भी लगा है। देश की सूरत में गरीबी और बीमारी बची नहीं, इसलिए बीपीएल योजना की पात्रता के लिए भी सूरत खरीदनी पड़ती है। देश की खुशियों में हर बंदा अब स्वच्छता अभियान की देन लगता है। वैसे नागरिकों के बीच एक दूसरे से आगे बढने की होड़ इतनी परवान चढ़ चुकी है कि किसी को अपना बेरोजगार बेटा भी शहजादा लगता है, तो किसी को बेटी का भविष्य चांद सा लगता है। देश की चर्चा में गरीबी बची ही कहां, बल्कि देश की महानता को देखते-देखते हमें अब यह दिखाई नहीं देती। दिखाई तो अब हर नागरिक को अपना सपना भी नहीं दे रहा। हम अपनी जाति और धर्म में महान हैं। न हमारी जाति और न ही धर्म गरीब हो सकता। जब किसान अपनी खेती के लिए मरता है, तो भी कहां गरीब लगता है। इस देश में गरीब आत्महत्या कर ही नहीं सकता। गरीबी कहां मरने की हिम्मत रखती है। देश की योजनाएं पीछे पड़ी हैं कि जीना है, तो गरीब बनो, वरना खुल कर मरो। यह सब किया धरा आधार कार्ड का है, जो बनते ही सदा बिगड़े मूड में रहता है। अब यह आधार कार्ड की मर्जी पर निर्भर है कि वह धारक को पसंद करे या शक करे। हम आधार कार्ड की वजह से खुशफहमी में हैं कि यह पड़ोसी से बेहतर हमारे पास चलेगा, जबकि इसने हमारे पास आते ही हमारा घर-हमारा नल, हमारी शक्ल-हमारी अक्ल, हमारा दस्तूर-हमारा कसूर, हमारी मेहनत-हमारी जहमत तक का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है। जिंदगी अब हमारे योग्य नहीं, बल्कि आधार कार्ड के योग्य हो चुकी है। अब वही मुस्करा सकता है जिसकी जेब में रखा आधार कार्ड खुश हो। हद तो यह कि अपने ही आधार कार्ड को यह शाश्वत शक है कि उसका स्वामी सही है भी कि नहीं। अच्छी भली जिंदगी को यह आधार कार्ड कहीं भी अटका सकता है। हद यह कि कई बार यह मां-बाप और अक्सर पत्नी के नाम पर शक करने लगा है। उसे अपने जन्म की चिंता नहीं, मालिक की जन्म तिथि पर कोई भरोसा नहीं। सरकार की नीतियां बिल्कुल स्पष्टता से कह रही हैं कि गरीब बनो, लेकिन हमारा अपना आधार कार्ड मान चुका है कि धारक गरीब हो ही नहीं सकता। उसे अपनी सूरत पर इतना गुरूर है कि हमें अब सुधरने की कोई सूरत दिख नहीं रही। आधार कार्ड बनवाने के बाद क्योंकि चेहरा लटकता नहीं, इसलिए वह हमारी सूरत से निराश है। खैर लटके तो उन लोगों के चेहरे भी नहीं, जो देश को लूट कर विदेश पहुंच गए। हमने अपने ही आधार कार्ड को भरोसा दिलाने के लिए गरीब सूरत बेचने वाले हॉकर को पास बुलाया, तो उसने वादा किया कि उसकी बनाई सूरत पर ही फ्री में राशन मिल रहा है और आइंदा देश की हर लाइन में फायदा मिलेगा। गरीब सूरत बेचने वाले का नजदीक से चेहरा चमक रहा था। उसका सिक्का चल रहा था। जिसके सिर पर हाथ रखता, उसकी सूरत गरीब नजर आती। मैंने अपना पूरा सिर उसके आगे रख दिया, तो उसने सिर्फ यह शर्त रखी कि हर दम उसकी सूरत को याद रखना पड़ेगा। मैं देश की योजनाओं से मिल रहे गरीबी के फायदों को याद करके अब पूरी तरह गरीब हो चुका हूं, लेकिन इसके बदले में देश में गरीब सूरत बांटने वाले का भक्त बन गया हूं। सच्ची राष्ट्र भक्ति गरीब की सूरत में महसूस हो रही थी। गरीब सूरत बांटने वाला अपना एक हाथ मेरे सिर पर और दूसरे से देश का आईना दिखा रहा था। मैं सूरत और सीरत से एकदम गरीब हो गया। मेरे आधार कार्ड का शक दूर हो गया। उसे यकीन है कि 'गरीब सूरत' में देश की सारी लाभार्थी योजनाएं उसके मार्फत मुझे ही मिलेंगी। और देश का हर चुनाव और हर बजट मेरे नाम होगा। मैं गरीब की सूरत में अब स्थायी भारत हूं।

> सूरत बेचने का व्यापार यूं तो नया है, लेकिन है मजेदार और चलने भी लगा है। देश की सूरत में गरीबी और बीमारी बची नहीं, इसलिए बीपीएल योजना की पात्रता के लिए भी सूरत खरीदनी पड़ती है। देश की खुशियों में हर बंदा अब स्वच्छता अभियान की देन लगता है। वैसे नागरिकों के बीच एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ इतनी परवान चढ़ चुकी है कि किसी को अपना बेरोजगार बेटा भी शहजादा लगता है, तो किसी को बेटी का भविष्य चांद सा लगता है। देश की चर्चा में गरीबी बची ही कहां, बल्कि देश की महानता को देखते-देखते हमें अब यह दिखाई नहीं देती। दिखाई तो अब हर नागरिक को अपना सपना भी नहीं दे रहा। हम अपनी जाति और धर्म में महान हैं। न हमारी जाति और न ही धर्म गरीब हो सकता। जब किसान अपनी खेती के लिए मरता है, तो भी कहां गरीब लगता है। इस देश में गरीब आत्महत्या कर ही नहीं सकता। गरीबी कहां मरने की हिम्मत रखती है। देश की योजनाएं पीछे पड़ी हैं कि जीना है, तो गरीब बनो, वरना खुल कर मरो। यह सब किया धरा आधार कार्ड का है, जो बनते ही सदा बिगड़े मूड में रहता है। अब यह आधार कार्ड की मर्जी पर निर्भर है कि वह धारक को पसंद करे या शक करे।

दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई

भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

ललित गर्ग

> आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं। अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा। दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और

खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है। अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है। अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है। आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। ज़िद एवं अहंकार में बाज़ी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है।

दृष्टि कोण

मनुष्य का जीवन बदल देती है सत्संगति

हमारे समाज में अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जब बहुत बुरा व्यक्ति सत्संगति के कारण पाप और बुराई के रास्ते को छोड़कर अच्छाई और पुण्य के मार्ग पर चलकर प्रसिद्ध हुआ। अंगुलिमाल की कथा तो सभी जानते हैं। आज ऐसी प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली, जो आपसे साझी करना जरूरी लगता है : 'एक चोर ने राजा के महल में चोरी की। सिपाहियों को पता चला, तो उन्होंने उसके पदचिह्नों का पीछा किया। उन्होंने चोर के पदचिह्न पास के गांव की ओर जाते देखे। गांव में जाकर उन्होंने देखा कि एक संत वहां सत्संग कर रहे हैं। चोर के पदचिह्न भी उसी ओर जा रहे थे, अतः सिपाहियों को संदेह हुआ कि चोर भी सत्संग में ही लोगों के बीच बैठा होगा। वे वहीं खड़े रहकर उसका इंतजार करने लगे। सत्संग में संत कह रहे थे, 'जो मनुष्य सच्चे हृदय से भगवान की शरण चला जाता है, भगवान उसके सम्पूर्ण पापों को सदा माफ कर देते हैं।' संत ने कहा, 'जो भगवान का हो गया, उसका तो मानो दूसरा जन्म हो गया। अब वह पापी नहीं रहा, बल्कि साधु हो गया। अगर कोई पथभ्रष्ट भी अनन्य भक्त होकर प्रभु का भजन सच्चे मन से करता है, तो उसको साधु ही मानना चाहिए।' चोर वहीं बैठा यह सब सुन रहा था। उस पर सत्संग की बातों का बहुत ही गहरा असर पड़ा और उसने वहीं बैठे-बैठे यह दृढ़ निश्चय कर लिया कि 'अभी से मैं भगवान की शरण लेता हूं, अब मैं कभी चोरी नहीं करूंगा। मैं अब भगवान का हो गया हूं।' सत्संग समाप्त हुआ। लोग उठकर बाहर जाने लगे। चोर बाहर निकला तो सिपाहियों ने उसके पदचिह्नों को पहचान लिया और उसको पकड़ कर राजा के सामने पेश किया। राजा ने चोर से पूछा, 'इस महल में तुम्हीं ने चोरी की है न? सच-सच बताओ, तुमने चुराया हुआ धन कहां रखा हुआ है?' चोर ने दृढ़तापूर्वक कहा, 'महाराज! इस जन्म में मैंने कोई चोरी नहीं की।' राजा ने चोर की परीक्षा लेने की आज्ञा दी, जिससे पता चले कि वह झूठा है या सच्चा। चोर के हाथ पर पीपल के ढाई पत्ते रखकर उसको कच्चे सूत से बांध दिया गया। फिर उसके ऊपर गर्म करके लाल किया हुआ लोहा रखा, परंतु उसका हाथ जलना तो दूर रहा, सूत और पत्ते भी नहीं जले। राजा ने सोचा कि 'वास्तव में इसने चोरी नहीं की, यह निर्दोष है।' और राजा सिपाहियों पर बहुत नाराज हुआ कि 'तुम लोगों ने एक निर्दोष पुरुष पर चोरी का आरोप लगाया है। तुम लोगों को दण्ड दिया जायेगा।' यह सुनकर चोर बोला, 'नहीं महाराज! आप इनको दण्ड न दें। इनका कोई दोष नहीं है। चोरी मैंने ही की थी।' राजा बोला, 'तुम इन पर दया करके इनको बचाने के लिए ऐसा कह रहे हो, पर मैं इन्हें दण्ड अवश्य दूंगा।' तब चोर बोला, 'महाराज! मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं, चोरी मैंने ही की थी। मैंने चोरी का धन जंगल में जहां छिपा रखा है, वहां से लाकर दिखा दूंगा।' राजा ने अपने सिपाहियों को चोर के साथ भेजा, तो चोर ने वहां से धन लाकर राजा के सामने रख दिया। यह देखकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। राजा बोला, 'अगर तुमने ही चोरी की थी, तो परीक्षा करने पर तुम्हारा हाथ क्यों नहीं जला?' तुम्हारा हाथ भी नहीं जला और तुमने चोरी का धन भी लाकर दे दिया, यह बात हमारी समझ में नहीं आ रही है। ठीक-ठीक बताओ, बात क्या है? चोर बोला, 'महाराज! चोरी करने के बाद मैंने धन को जंगल में छिपाया और मैं गांव में चला गया। वहां सत्संग हो रहा था। मैं भी लोगों के बीच जाकर बैठ गया। सत्संग में मैंने सुना कि 'जो भगवान की शरण लेकर पुनः पाप न करने का निश्चय कर लेता है, उसको भगवान सब पापों से मुक्त कर देते हैं। उसका नया जन्म हो जाता है।' इस बात का मुझ पर असर पड़ा और मैंने दृढ़ निश्चय कर लिया कि 'अब मैं कभी चोरी नहीं करूंगा। अब मैं भगवान का हो गया हूं, इसीलिए तब से मेरा नया जन्म हो गया।

कुछ अलग

वैश्विक भाषा बन रही हिंदी

वर्तमान संदर्भों में कहें तो आज हम ऐसे देश में रह रहे हैं जिसमें हिंदू, हिंदी, हिंदुस्तान पर सबसे ज्यादा जोर है। हिंदू संस्कृति और सनातनी सभ्यता पिछले कुछ समय से रोज ही हवा में तैरती दिखाई दे जाती हैं। हालांकि सच यह भी है कि संवैधानिक रूप से आज भी हम एक पंथ या धर्मनिरपेक्ष राज्य हैं लेकिन फिर भी भारत के अधिकांश निवासियों का प्रेम हिंदी के प्रति अटूट है। (हालांकि इसमें कुछ किंतु, परंतु भी शामिल हैं) हिंदी के महत्व को देखते हुए ही गांधी जी ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कहा था कि यदि इस देश की कोई एक राष्ट्रभाषा हो सकती है तो वह हिंदी के अलावा दूसरी नहीं हो सकती। लेकिन गांधीवाद पर चलने वाला देश होने के बावुजूद भारत आज तक भी हिंदी को अपनी राष्ट्रभाषा घोषित नहीं कर पाया है और इसका स्थान संविधान की 26वीं अनुसूची में वैसा ही है जैसा अन्य राजभाषाओं का है। अब देश में हिंदी की हालत कैसी भी हो लेकिन अपने महत्व एवं उपयोगिता तथा एक वैज्ञानिक भाषा के रूप में हिंदी ने दुनिया पर में अपनी जगह बनाई है और हिंदी के विकास तथा उसके भविष्य में और भी अधिक उपयोगी होने की संभावनाओं को देखते हुए आज दुनिया भर में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जा रहा है। हिंदी को एक प्रमुख भाषा के रूप में वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पहली बार 10 जनवरी 2006 को भारत सरकार के द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया था। जबकि 10 जनवरी 1949 को भारतीय सरकार ने हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाया था। हिंदी भाषा का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न देशों में भी बोली जाती है। पाकिस्तान, नेपाल, बांगलादेश, और श्रीलंका में हिंदी का व्यापक उपयोग होता है। इसके अलावा, पश्चिमी देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और फिजी में भी हिंदी बोलने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका में हिंदी का एक मजबूत समाज है, और वहां की शिक्षा प्रणाली में भी हिंदी को एक विदेशी भाषा के रूप में पढ़ाया जाता है। हिंदी, भारतीय उपमहाद्वीप की प्रमुख भाषाओं में से एक है, जो न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में व्यापक रूप से बोली जाती है। भारतीय संविधान की राजभाषा के रूप में स्थापित देवनागरी हिंदी को भारत में लगभग 44% लोग अपनी मातृभाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं। और आज जब विश्व एक छोटे से ग्लोबल गांव जैसा हो गया है तब हिंदी का महत्व और उपयोग न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बढ़ रहा है। आज हिंदी का उपयोग तकनीकी और मीडिया के क्षेत्र में भी बढ़ता जा रहा है। इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर हिंदी का व्यापक रूप से उपयोग होता है। हिंदी ब्लॉग, यूट्यूब चैनल, और सोशल मीडिया पोस्ट्स की संख्या में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, विभिन्न भारतीय समाचार चैनल, रेडियो स्टेशन और डिजिटल मीडिया कंपनियां हिंदी में कंटेंट तैयार करती हैं, जिससे हिंदी की पहुँच और लोकप्रियता बढ़ी है। हिंदी का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व इसी से समझा जा सकता है कि हिंदी भाषा भारतीय साहित्य, कला, संस्कृति, संगीत, और धर्म की अभिव्यक्ति का एक प्रमुख माध्यम है। हिंदी साहित्य में कबीर, सूरदास, तुलसीदास जैसे महान कवियों की रचनाएँ भारतीय समाज के आत्मीय पहलुओं को प्रस्तुत करती हैं।

देश दुनिया से

जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से सजा मकर संक्रांति का उत्सव

भारत के कई राज्यों में 14 जनवरी को अलग-अलग नामों से सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाते हैं-मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बिहू आदि। कई हिंदू त्योहारों के विपरीत, इन त्योहारों की तारीख काफ़ी हद तक तय होती है। मकर संक्रांति, भारत में सबसे अधिक मनाए जाने वाले त्यौहारों में से एक है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है, जो सर्दियों के अंत और लंबे दिनों की शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार आध्यात्मिक भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का मिश्रण है, जिसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। यह फ़सल, समृद्धि और नई शुरुआत का जश्न मनाने का दिन है। मकर संक्रांति भारत में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला फ़सल उत्सव है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। यह सर्दियों के संक्रांति के अंत और लंबे, गर्म दिनों की शुरुआत का प्रतीक है, जो आशा, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। यह त्यौहार भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व रखता है। मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के उपलक्ष्य में मनाई जाती है, जो शुभ उत्तरायण काल की शुरुआत का प्रतीक है। यह फ़सल के लिए आभार और आने वाले वर्ष में समृद्धि की आशा का समय है। यह दिन गेहूँ, चावल और गन्ना जैसी फसलों की कटाई के मौसम का प्रतीक है। यह सूर्य के उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ने को दर्शाता है, जो गर्मी और सकारात्मकता लाता है। प्रकृति को धन्यवाद देने और प्रचुरता के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। मकर संक्रांति विविधता में एकता का प्रतीक है, प्रत्येक राज्य अपने अनूठे तरीके से इस त्यौहार को मनाता है। यह समुदाय, नवीनीकरण और कल्याण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। पवित्र स्नान, प्रार्थना और पारंपरिक मिठाइयाँ तैयार करने जैसी रस्में त्यौहार के सार को दर्शाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में पोंगल, माघ बिहू और लोहड़ी जैसे विभिन्न नामों से मनाया जाता है। प्रकृति, कृषि और मौसमी चक्रों के महत्त्व पर प्रकाश डालता है। पतंग उड़ाना, लोक नृत्य और दावतें जैसे अनुष्ठान समुदायों को एक साथ लाते हैं। मकर संक्रांति का उत्सव जीवंत रीति-रिवाजों और परंपराओं से चिह्नित है, जो विभिन्न राज्यों में अलग-अलग हैं, पतंग उड़ाना गुजरात और राजस्थान में विशेष रूप से लोकप्रिय, स्वतंत्रता और ख़ुशी का प्रतीक है। तीर्थयात्री गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियों में अनुष्ठानिक स्नान करते हैं। पारंपरिक भोजन तिल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बांटी जाती हैं। फ़सल की ख़ुशी मनाने के लिए राज्यों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस समय कपड़े, भोजन और धन दान करना शुभ माना जाता है। स्नान, सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित करना, दान, श्राद्ध कर्म और व्रत खोलना जैसी गतिविधियाँ पुण्य काल के दौरान की जाती

हैं। यदि मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है, तो ये गतिविधियाँ अगले सूर्योदय तक स्थगित कर दी जाती हैं। श्रद्धालु अक्सर अपने पापों से शुद्ध होने के लिए गंगा, यमुना, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव गुजरात के सबसे जीवंत और विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कार्यक्रमों में से एक है, जिसे हर साल जनवरी में मकर संक्रांति के दौरान मनाया जाता है। अहमदाबाद में आयोजित होने वाला यह उत्सव दुनिया भर से पतंग के शौकीनों और प्रतिभागियों को आकर्षित करता है। विभिन्न आकार और आकारों की अनूठी पतंगों के उड़ने से आसमान एक रंगीन कैनवास में बदल जाता है। यह कार्यक्रम खुशी, एकता और गुजरात की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो इसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए ज़रूर देखने लायक बनाता है। पतंग उड़ाने के साथ-साथ, इस उत्सव में सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय व्यंजन और शिल्प प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जो गुजरात की समृद्ध परंपराओं की सच्ची झलक पेश करती हैं। मकर संक्रांति पर ताज़ा कटे हुए अनाज खाने का समय होता है, जिसे सबसे पहले देवताओं को चढ़ाया जाता है और फिर खाया जाता है। आयुर्वेद में खिचड़ी खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह हल्का और आसानी से पचने वाला व्यंजन है। खिचड़ी खाने का मतलब है कि यह शरीर को मौसम में होने वाले बदलाव के लिए तैयार करता है, चाहे वह सर्दियों की ठंडी हवा हो या वसंत की आने वाली गर्मी। जैसे-जैसे तापमान शुष्क ठंड से आश्चर्यजनक रूप से गर्म होता जाता है, शरीर असंतुलन के प्रति संवेदनशील हो जाता है। इस प्रकार, खिचड़ी शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हुए भूख को संतुष्ट करने के लिए एक आदर्श व्यंजन है। स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों के अलावा, इस त्यौहार पर खिचड़ी पकाना और खाना एकता का प्रतीक है, क्योंकि लोग एक ही बर्तन में ताज़े कटे हुए चावल, दालें, मौसमी सब्जियाँ और मसाले सहित सभी सामग्रियों को मिलाकर इस व्यंजन को पकाते हैं। यह जीवन और उत्थान की प्रक्रिया का प्रतीक है, जो नए फ़सल वर्ष की शुरुआत का संकेत देता है। आयुर्वेद इस दिव्य दिन पर तिल और गुड़ खाने का भी सुझाव देता है। संक्रांति और तिल समानार्थी हैं क्योंकि इस त्यौहार को आमतौर पर 'तिल संक्रांति' के रूप में भी जाना जाता है। तिल नकारात्मकता को अवशोषित कर सकते हैं और 'सत्व' -शुद्धता, अच्छाई और सद्भाव को बढ़ा सकते हैं, जो बदले में आध्यात्मिक अभ्यास को सुविधाजनक बनाता है।

आप का नजरिया

'अपराध' पर खामोश भाजपा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 'फर्जी वोट' निर्णायक साबित हो सकते हैं। सांसदों, केंद्रीय मंत्रियों, बड़े नेताओं के आवासीय पते पर मतदाता बनाने के आवेदन चुनाव आयोग को किए गए हैं। केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के पते पर ऐसे 33 आवेदन किए गए हैं। लोकसभा चुनाव में जिन पतों पर औसतन 4-5 मतदाता होते थे, उन पतों पर आज 25, 28, 30, 35 से लेकर 44 मतदाता बनाने के आवेदन सुर्खियों में हैं। यह आम आदमी पार्टी (आप) का आरोप है और उसने चुनाव आयोग को लिखित ज्ञापन भी दिया है। भाजपा भी रोहिंग्या, बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाने के आरोप 'आप' पर लगा रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्यसभा में भी इस आशय का बयान दिया था। मतदाता बनाने के साथ-साथ नाम कटवाने के आरोप भी भाजपा पर लगाए जा रहे हैं। यदि 'फर्जी मतदाता' बनाने के लिए भाजपाई सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के आवासीय पतों का दुरुपयोग किया गया है, तो यह एक गंभीर लोकतांत्रिक अपराध है। चुनाव को लूटने की आधुनिक, प्रशासनिक साजिश है, लिहाजा चुनाव आयोग के दायित्व और भरोसे की एक बार फिर 'अग्नि-परीक्षा' होनी है। आयोग को 17 जनवरी से पहले देश और दिल्ली को स्पष्टीकरण देना होगा कि 'फर्जी मतदाताओं' का सच क्या है, क्योंकि उसके बाद मतदाता-सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा और चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन भी शुरू हो जाएंगे। आश्चर्य है कि बीते 4 सालों के दौरान करीब 80,000 वोट घटे, लेकिन बीते एक साल के दौरान 8 लाख से अधिक वोट बढ़ गए! यह कैसे संभव है? क्या कोई चुनावी घोटाला हुआ है? यह सफाई चुनाव आयोग को ही देनी है। आयोग यह भी स्पष्ट करे कि जिन लोगों ने चुने हुए प्रतिनिधियों के आवासीय पते पर मतदाता बनाने के लिए आवेदन किए थे, उनमें से कितनों को मतदाता बनाया गया अथवा ऐसा कोई भी मतदाता सूचीबद्ध नहीं किया गया। बहरहाल ऐसे कथित अपराध के साथ-साथ अन्य सामान्य अपराधों पर भी भाजपा बिल्कुल खामोश रही है। दिल्ली में कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने अपने चुनावी संबोधनों में 'अपराध की राजधानी दिल्ली' पर एकबारगी भी टिप्पणी नहीं की है। यदि 2024 के ही आपराधिक आंकड़ों का उल्लेख किया जाए, तो दिल्ली में 504 हत्याओं, 1510 लूट, 2076 बलात्कार और 2037 छेडख़ानी की घटनाएं दर्ज की गईं। राष्ट्रीय राजधानी में सरेआम गोलीबारी देखी गई है। व्यापारियों को फिरौती के लिए धमकियां दी जाती रही हैं। उनकी हत्याएं भी की गई हैं। युवा लडक़े किसी भी लडक़ी को सरेआम चाकू से गोद-गोद कर इसलिए मार देते हैं, क्योंकि लडक़ी को उनका प्रेम-प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं है। लिव-इन में भी लडक़ी को मार कर उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर फ्रिज में रखने या नदी में बहाने का अपराध एक फैशन बन गया है। उस दिन हमारी रूह कांप उठी थी, जिस दिन एक लडक़ी को कार के नीचे फंसा लिया गया और कार मीलों तक चलती रही। अंततः मौत में ही वह जघन्य अपराध समाप्त हुआ। क्या किसी भी देश की राजधानी में अपराध के दृश्य ऐसे होते हैं? हमें शराब घोटाले और केजरीवाल के 'शीशमहल' से कहीं अधिक महत्वपूर्ण 'अपराध' का मुद्दा लगता है। शराब घोटाला अदालत के विचाराधीन है।

इमरान-बुशरा से जुड़े अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार केस में फैसला तीसरी बार टला

इस्लामाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत (भ्रष्टाचार रोधी अदालत) ने 19 करोड़ पाउंड (करीब 50 अरब पाकिस्तानी रुपये) के अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ अपना फैसला तीसरी बार टाल दिया। इस्लामाबाद स्थित भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने अब फैसला सुनाने की नई तारीख 17 जनवरी मुकर्रर की है।

न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी से संबद्ध इस केस की सुनवाई 18 दिसंबर को पूरी की थी और फैसला 23 दिसंबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। बाद में उन्होंने फैसला सुनाने की अगली तारीख छह जनवरी तय की थी। राणा छह जनवरी को छुट्टी पर थे, इसलिए फैसला 13 जनवरी के लिए टाल दिया गया था। न्यायाधीश नासिर जावेद ने आरोपितों के उपस्थित नहीं होने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह सुबह 8:30 बजे से अदालत में मौजूद थे।

अल कादिर ट्रस्ट केस में फैसला ऐसे समय स्थगित हुआ है, जब संघीय सरकार और इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई के बीच बातचीत जारी है। देश में राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। इमरान और उनकी पार्टी के कई नेता जेलों में बंद हैं। दिसंबर 2023 में अल कादिर ट्रस्ट मामले में केस दर्ज किया गया। इसमें इमरान खान और बुशरा बीबी और छह अन्य लोगों को आरोपित बनाया गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

लॉस एंजिलिस में दावानल से अब तक 24 लोगों की मौत

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस दावानल से जूझ रहा है। गरम और तेज हवा चल रही है। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि लॉस एंजिल्स में लगी आग से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार देररात से बुधवार तक क्षेत्र में तेज हवा चलने की आशंका से लोग भयभीत हैं। सप्ताहांत में दमकल कर्मचारियों को तेज और गरम हवाओं के बीच पैलिसेड्स और ईटन में आग का प्रकोप करने में काफी हद तक कामयाबी मिली। दमकल विभाग के कर्मचारी जंगल में लगी आग को बुझाने में लगे रहे। लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा कि लापता लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चिंता व्यक्त करते हुए सोशल साइट ट्रुथ पर राज्य के अधिकारियों को अक्षम कहा है।

मध्य यमन में गैस स्टेशन पर विस्फोट में गई 15 लोगों की जान, 67 घायल

सना। मध्य यमन के अल बायदा प्रांत में एक गैस स्टेश पर विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई है और 67 लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विस्फोट शनिवार को बायदा प्रांत के जहेर जिले में हुआ। मंत्रालय के अनुसार, विस्फोट में घायल 67 लोगों में से 40 की हालत गंभीर है। साथ ही बचाव दल लापता लोगों की भी तलाश कर रहे हैं। फिलहाल विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। विस्फोट की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें भीषण आग दिखाई दे रही है। आग की वजह से आसमान में छाए धुएं के गुबार और जल्दी गाड़ियां साफ दिख रही हैं। बतादें कि बायदा पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है, जो एक दशक से अधिक समय से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ युद्ध में हैं। यमन का गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ, जब विद्रोहियों ने राजधानी सना और देश के अधिकांश उत्तरी हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे सरकार को दक्षिण, फिर सऊदी अरब भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के प्रयास में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मार्च 2015 में युद्ध में प्रवेश किया, जिसे उस समय अमेरिका का समर्थन प्राप्त था।

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलम्बो । श्रीलंका की नौसेना ने उसके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 08 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त कर लिया है। यह जानकारी श्रीलंकाई नौसेना द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति से मिली। श्रीलंका की नौसेना ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार देर रात को मन्नार के उत्तर के समुद्री क्षेत्र में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। बयान में कहा गया है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस वर्ष अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि 11 जनवरी की रात को उसकी उत्तर-मध्य कमान ने भारतीय मछुआरों की कुछ नौकाओं को देखा जो श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे। उसने कहा कि कमान ने मन्नार के उत्तर समुद्री क्षेत्र से भारतीय मछुआरों की नौकाओं खदेड़ने के लिए अपने गश्ती जहाजों को भेजा। नौसेना के अधिकारियों ने बताया, ''इस अभियान के तहत मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त किया गया तथा आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि जब्त की गई नौकाओं को इरानतिवु द्वीप लाया गया ।

तालिबान की कैद में तीन बंधकों के परिवार से की जो बाइडन ने बात, रिहाई पर चल रही बात

वाशिंगटन, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तीन अमेरिकी नागरिकों के रिश्तेदारों से बात की, जिन्हें अफगानिस्तान में तालिबान ने बंधक बनाकर रखा है। परिवार के सदस्यों ने कहा कि उन्हें वापस लाने के लिए कोई समझौता नहीं हो पाया है। तालिबान ने जिनको बंधक बनाया है उनमें रेयान कॉर्बेट, जॉर्ज ग्लेजमैन और महमूद हबीबी के परिवार के सदस्यों के साथ बाइडन की बातचीत हुई है। अमेरिकी अधिकारी बंधकों की रिहाई को लेकर समझौते पर बातचीत की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के ग्वांतानामो बे में बंद अफगानिस्तान के शेष बंदियों में से एक मोहम्मद रहीम के बदले में इन अमेरिकियों को स्वदेश वापस लाया जा सकता है।

कॉर्बेट 2021 में अमेरिका समर्थित अफगानिस्तान सरकार के पतन के समय अपने परिवार के साथ अफगानिस्तान में रह रहे थे। अगस्त 2022 में एक व्यापारिक यात्रा के दौरान तालिबान ने उनका अपहरण कर लिया था। अधिकारियों का मानना है कि तालिबान ने अब भी दोनों के साथ-साथ हबीबी को भी बंधक बना रखा है। हबीबी एक अफगान अमेरिकी व्यवसायी है जो काबुल स्थित एक दूरसंचार कंपनी के लिए ठेकेदार के रूप में काम करते थे और 2022 में लापता हो गए थे।

अमेरिका की एफबीआई ने कहा कि हबीबी और उनके चालक को कंपनी के 29 अन्य कर्मचारियों के साथ ले जाया गया था, लेकिन हबीबी और एक अन्य व्यक्ति को छोड़कर सभी को रिहा कर दिया गया। तालिबान ने हबीबी के उनके पास होने से इनकार किया है, जिससे अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत और समझौते को अंतिम रूप देने की संभावना जटिल हो गई है। हबीबी के भाई अहमद हबीबी के मुताबिक फोन पर जो बाइडन ने बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों से कहा कि उनका प्रशासन रहीम को तब तक नहीं छोड़ेगा, जब तक तालिबान हबीबी को रिहा नहीं कर देता।

क्या तालिबान को सबक सिखाने पाकिस्तान ने वखान कॉरिडोर पर कर लिया कब्जा

इस्लामाबाद। तालिबान और पाकिस्तान में तनाव के बीच अफगानिस्तान का वखान कॉरिडोर चर्चा में हैं। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि पाकिस्तान ने चीन सीमा से लगे अफगानिस्तान के वखान कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है या फिर कब्जे की तैयारी कर रहा है। ये रिपोर्ट ऐसे समय आई हैं, जब पाकिस्तान और तालिबान के बीच तनाव बना हुआ है। खबरों पर अभी तक पाकिस्तान की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सवाल पूछा उठने लगे हैं कि क्या पाकिस्तान ऐसा कर सकता है। वखान कॉरिडोर करीब 350 किलोमीटर का एक तंग रास्ता है, जो अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में आता है। इसके पूर्वी सिरे पर चीन की सीमा है, जबकि उत्तर में ताजिकिस्तान और दक्षिण में पाकिस्तान की सीमा है। इसके चलते यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान के रूप में उभरता है। कहा जा रहा है कि तालिबान को सबक सिखाने पाकिस्तान ने इस कॉरिडोर पर कब्जा करने का फैसला किया है, लेकिन सवाल है कि क्या पाकिस्तान की सेना इस इलाके पर कब्जा कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी विश्लेषक इम्तियाज गुल का कहना है कि वखान की सीमा चीन से लगती है और बीजिंग अभी तक पाकिस्तान का सबसे पुराना और भरोसेमंद दोस्त है। वे कहते हैं कि बुनियादी सवाल यह है कि क्या चीन की सीमा पर फौजी कार्रवाई करके पाकिस्तान चीन को नाराज करना चाहेगा वे आगे कहते हैं कि चीन ने वखान सीमा पर अपनी सीमा के अंदर एक बड़ी सैन्य पोस्ट बना रखी है, जिसका काम चरमपंथियों की आवाजाही पर नजर रखना है। इम्तियाज ने कहा एक बात साफ है कि वखान कॉरिडोर पर चीन की सैन्य मौजूदगी है। इन हालात में पाकिस्तान ऐसा काम कर सकता है जिससे पहले से नाराज अफगान और नाराज हो जाएं और चीन को भी अपना दुश्मन बना ले।

यूक्रेनी सेना ने पकड़े दो उत्तर कोरियाई सैनिक, रूस खामोश, कीव में होगी पूछताछ

कीव, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

यूक्रेनी सेना ने रूस के कुर्स्क इलाके के युद्ध वाले इलाके से दो उत्तर कोरियाई सैनिकों को पकड़ा है। ये सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे थे। इससे पहले भी यूक्रेन ने कई बार कुर्स्क में उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती का दावा किया था लेकिन रूस ने इस मसले पर कोई बयान नहीं दिया था।

कुर्स्क पर यूक्रेन ने करीब पांच महीने पहले कब्जा कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस की ओर से दस हजार से ज्यादा उत्तर कोरियाई सैनिक युद्ध क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा है कि पकड़े दोनों सैनिक कीव लाए जा रहे हैं, जहां पर उनसे पूछताछ की जाएगी। पत्रकार भी उनसे सवाल पूछ सकेंगे। रूस ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले डोनेत्स्क में एक सुपरमार्केट को मिसाइल से निशाना बनाया है। इस हमले में दो नागरिकों की मौत हुई है, जबकि अन्य दो घायल हो गए। रूस के इस आरोप को लेकर यूक्रेन ने कोई टिप्पणी नहीं की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रसारित हो रही तस्वीर में क्षतिग्रस्त इमारत के सामने मलबे का ढेर दिख रहा है और एक कार जलती नजर आ रही है।

ट्रंप का पनामा नहर पर नियंत्रण का दावा

वॉशिंगटन। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को लेकर एक विवादित दावा किया है। ट्रंप ने कहा है कि अटलांटिक और प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली यह महत्वपूर्ण नहर चीनी सैनिकों के नियंत्रण में है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी जहाजों से ज्यादा किराया वसूला जा रहा है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो वह पनामा नहर पर नियंत्रण लेने के लिए सैन्य शक्ति का उपयोग करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि, ट्रंप के इन दावों को पनामा नहर प्रशासन ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। नहर के प्रशासक रिकोर्टे वास्क्यूज ने स्पष्ट किया है कि पनामा नहर पूरी तरह पनामा के नियंत्रण में है और चीनी सैनिकों द्वारा इसे संचालित करने का दावा पूरी तरह निराधार है। वास्क्यूज ने बताया कि नहर के दोनों छोर पर काम करने वाली चीनी कंपनियां हांगकांग कंसोर्टियम का हिस्सा थीं, जिन्होंने 1997 में बिडिंग प्रक्रिया के तहत यह ठेका जीता था। इसके बावजूद, नहर का संचालन और नियंत्रण पूरी तरह पनामा सरकार के अधीन है।

विरोध प्रदर्शन

बुखारेस्ट में प्रदर्शन कारी देश का झंडा लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए। इसकी मांग है कि राष्ट्रपति चुनाव फिर से कराये जाएं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक और कोयला खदान में हादसा, दो की मौत

इस्लामाबाद, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक और कोयला खदान में हुए हादसे में दो मजूदरों की मौत हो गई। यह हादसा रविवार को हरनाई जिले के खोस्त इलाके की कोयला खदान में हुआ। खदान के अचानक ढह जाने से आठ मजदूर दब गए थे। इनमें से छह को बचा लिया गया।

यह हादसा तब हुआ जब क्वेटा के बाहरी इलाके में संजडी खदान से 11 और शवों की बरामदगी के बाद शेष एक शव को निकालने के लिए खुदाई जारी थी। संजड़ी खदान में 9 जनवरी को शक्तिशाली मीथेन गैस विस्फोट के बाद 12 कोयला खनिक लगभग 4,000 फीट की गहराई में फंस गए थे। 11 पीड़ितों में से 10 मूल रूप से खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के और एक स्वात का रहने वाला था।

अधिकारियों के अनुसार, हरनाई जिले के खोस्त कोयला क्षेत्र की हादसाग्रस्त खदान में दरारें आ गई हैं। हादसे में जान गंवाने वाले

मजदूरों की पहचान जाहिद और इस्लाहत के रूप में हुई है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। खान एवं खनिज विभाग ने यह खदान बंद कर घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस श्रमिक महासंघ के नेताओं ने कोयला खदान हादसों पर चिंता जताई है। उन्होंने सुरक्षा नियमों को लागू करने में सरकार की विफलता की निंदा की।

वॉटसएप की सुरक्षा पर जुकरबर्ग का बड़ा बयान: बताया एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन के बारे में

सैन फ्रांसिस्को, 13 जनवरी (एजेंसियां)।

वॉटसएप जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में पॉडकास्ट में वॉटसएप की एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन तकनीक और उससे जुड़ी सीमाओं पर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह तकनीक मैसेज को भेजने और प्राप्त करने के दौरान सुरक्षित रखती है, लेकिन डिवाइस की भौतिक सुरक्षा का सवाल अभी भी एक बड़ी चुनौती है। डिजिटल सुरक्षा के इस नए दौर में, यह स्पष्ट हो गया है कि केवल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। उपयोगकर्ताओं को अपने डिवाइस को मजबूत पासवर्ड, पिन या बायोमेट्रिक लॉक के जरिए सुरक्षित रखना होगा। इसके अलावा, ऐप्स में मौजूद प्राइवेसी फीचर्स का बेहतर उपयोग करना भी जरूरी है। जुकरबर्ग का यह बयान डिजिटल प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए एक

अहम कदम माना जा रहा है।

जुकरबर्ग ने बताया कि वॉटसएप का एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन यह सुनिश्चित करता है कि प्लेटफॉर्म पर किसी भी मैसेज को मेटा या अन्य थर्ड पार्टी नहीं पढ़ सकती। इसका मतलब है कि मैसेज केवल भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के बीच सुरक्षित रहता है। हालांकि, अगर कोई डिवाइस तक पहुंच बना लेता है, तो उसमें सेव डेटा और मैसेजेस को आसानी से एक्सेस किया जा सकता है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई सरकारी एजेंसी, जैसे एफबीआई, किसी का फोन अपने कब्जे में ले लेती है, तो वह फोन में मौजूद डेटा तक पहुंच सकती है।उन्होंने कहा कि डिजिटल सुरक्षा का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा डिवाइस की फिजिकल सुरक्षा है। यदि कोई आपके फोन तक पहुंच जाता है, तो एन्क्रिप्शन बेअसर हो जाता है।

जुकरबर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन तकनीक प्लेटफॉर्म को सुरक्षित बनाती है, लेकिन डिवाइस की सुरक्षा सुनिश्चित करना उपयोगकर्ताओं की जिम्मेदारी है। जुकरबर्ग ने यह भी कहा कि मैसेज को एन्क्रिप्ट करना और डिसअपियरिंग मैसेज जैसे फीचर्स उपयोगकर्ताओं के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन अगर डिवाइस तक फिजिकल एक्सेस हो, तो इनका कोई फायदा नहीं।

बफेट के वारिसों को 12 लाख करोड़ की संपत्ति परोपकार पर खर्च करनी होगी, मँझले बेटे हाबी को उत्तराधिकारी बनाया

न्यूयॉर्क। दुनिया के मशहूर निवेशक बर्कशायर हैथवे कंपनी के मालिक वारेन बफे ने अपने मझंले बेटे हार्वर्ड बफे उर्फ हाबी को कंपनी का अगला चेयरमैन बनाया है। वह पिछले 30 साल से अपने पिता के साथ कामकाज को बखूबी देख रहे थे। बफेट समूह के पास इस समय 954 अरब डॉलर,भारतीय मुद्रा में 82 लाख करोड रुपए की संपत्ति है। उनके 2 बेटे और एक बेटी है। कंपनी के चेयरमेन पद की जिम्मेदारी उन्होंने अपने मँझले बेटे हाबी को दी है। उन्होंने अपनी वसीयत में स्पष्ट कर दिया है। उनकी संपत्ति हाबी ओर भाई ओर बहन के बीच में बांटी है। इसके साथ ही वर्क शायर ने अपनी संपत्ति मे 12 लाख करोड रुपए परोपकार में खर्च करने के लिए वसीयत की है। बर्कशायर हेथवे के चेयरमैन वॉरेन बफेट की उम्र 94 साल की हो चुकी है। उन्होंने अपने 69 साल के मँझले बेटे को अध्यक्ष बनाने का फैसला किया है। हाबी की एक बड़ी बहन और एक छोटा भाई है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : सिनर ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

मेलबर्न, 13 जनवरी (एजेंसियां) । इतालवी टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने सोमवार को चिली के निकोलस जैरी को 7-6(2), 7-6(5), 6-1 से हराकर जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने अभियान की शुरुआत की।

पिछले मार्च में दो ड्रग टेस्ट में विफल होने के बाद निलंबन से बचने वाले विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर को, धूप से सराबोर रॉड लेवर एरिना में चिली के इस खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, जिस पर 2020 में डोपिंग के लिए 11 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।

मैच से पहले, जैरी ने चिली के अखबार ला टेरसेरा से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनके खुद के असफल परीक्षणों के बाद टेनिस अधिकारियों से उन्हें सिनर जैसा ही समर्थन मिलेगा। हालांकि, सिनर पर डोपिंग का आरोप अभी भी लगा हुआ है, क्योंकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में उन पर दो साल तक का प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अप्रैल में सुनवाई तय की गई है।

इस घटना ने इतालवी टेनिस पर थोड़ा असर डाला है; दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी जैरी को हराना यू.एस. ओपन चैंपियन की लगातार 16वीं जीत और हार्डकोर्ट ग्रैंड स्लैम में 15वीं जीत थी।

जीत के बाद सिनर ने कहा, सबसे पहले, मैं यहाँ वापस आकर बहुत-बहुत खुश हूँ, इसलिए आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, माहौल अद्भुत था। जैरी एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, उसमें बहुत संभावनाएं हैं। मैं खुश हूँ कि मैंने पहले कुछ सेटों में बहुत कठिन परिस्थिति को कैसे संभाला, अगले दौर में पहुँचकर खुश हूँ।

जैरी ने पहले दो सेट में अपनी सर्विस को बनाए रखा, लेकिन टाईब्रेक में उन्होंने अपनी स्थिति खो दी। सिनर ने नेट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए चार सेट पॉइंट हासिल करने के बाद ऐस के साथ पहला टाईब्रेक जीत लिया।

जैरी ने दूसरे टाईब्रेक में दो सेट पॉइंट बचाए, लेकिन तीसरे सेट में ट्रैमलाइन में वाइल्ड बैकहैंड से हार गए। सिनर ने अंतिम सेट के दूसरे गेम में जैरी की सर्विस लेकर मैच को लव से जीत की ओर ले जाकर लगभग बराबरी कर ली।

तीसरे दौर में जगह बनाने के लिए सिनर का मुकाबला जापान के तारो डेनियल और स्थानीय वाइल्डकार्ड ट्रिस्टन स्कूलकेट के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: सिनियाकोवा को हराकर दूसरे दौर में पहुंची स्वियाटेक

मेलबर्न। इगा स्वियाटेक ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन में कैटरीना सिनियाकोवा को सीधे सेटों में हराकर अपने छठे ग्रैंड स्लैम खिताब और मेलबर्न पार्क में पहला खिताब जीतने की अपनी मुहिम शुरू की। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी, जिन्होंने पिछले साल एक महीने का डोपिंग निलंबन झेला था और अपनी शीर्ष रैंकिंग आर्यना सबालेंका से खो दी थी, ने जॉन कैन एरिना में 46वीं रैंक वाली चेक खिलाड़ी को 6-3, 6-4 से हराया। जीत के बाद स्वियाटेक ने कहा, निश्चित रूप से, यह पहला राउंड आसान नहीं था। इसलिए मैं खुश हूं कि मैं आगे बढ़ गई। दूसरी वरीयता प्राप्त स्वियाटेक पहले सेट में 4-2 और 40-0 से आगे चल रही थी, लेकिन सिनियाकोवा ने बेहतरीन वापसी की। हालांकि इसके बाद स्वियाटेक ने आक्रामक तरीके से वापसी की, सिनियाकोवा की सर्विस फिर से तोड़ दी तथा 38 मिनट में सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट के शुरू में सिनियाकोवा स्वियाटेक 2-0 से आगे थीं, लेकिन फिर से नौ बार की डबल्स ग्रैंड स्लैम चैंपियन सर्विस पर वापसी करने में सफल रहीं। एक और ब्रेक ने स्वियाटेक को एक बार फिर बढ़त दिलाई और इस बार, उसने मैच को 81 मिनट में समाप्त कर दिया। दूसरे राउंड में उनका सामना 49वीं रैंक वाली स्लोवाकियाई रेबेका स्रामकोवा से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने पर लिटन दास ने कहा- मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं

ढाका। चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने के कुछ घंटों बाद, बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास ने मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में धमाकेदार शतक लगाने के बाद कहा कि उन्हें किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 44 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से अपना पहला बीपीएल शतक बनाया और ढाका कैपिटल्स की सीजन की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। इसने फ्रैंचाइजी के लिए छह मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया। अपनी पारी के दौरान, लिटन परवेज हुसैन इमोन के बाद बीपीएल इतिहास में दूसरे सबसे तेज बांग्लादेशी शतकवीर बन गए, जिन्होंने 2020 बंगबंधु बीपीएल सीज़न में 42 गेंदों पर शतक बनाया था। संयोग से, यह इमोन ही हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बैक अप ओपनर के रूप में लिटन की जगह ली है। लिटन कुछ समय से सफेद गेंद के प्रारूप में संघर्ष कर रहे थे क्योंकि वनडे में उनका आखिरी अर्धशतक भारत में 2023 विश्व कप में आया था, अपने आखिरी पांच वनडे में उन्होंने केवल छह रन बनाए जिसमें तीन शून्य शामिल थे। ऐसे परिदृश्य में, बाहर निकाला जाना लिटन सहित सभी के लिए पूरी तरह से आश्चर्य की बात नहीं थी और जब उनसे अपने आलोचकों को जवाब देने के बारे में पूछा गया, तो विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक अलग जवाब दिया। उन्होंने खेल के बाद संवाददाताओं से कहा, नहीं भाई, किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मेरे दिमाग में हमेशा चलता है कि मैं अपने क्रिकेट को कैसे बेहतर बना सकता हूं।

केरला ब्लास्टर्स की मेजबानी करेगा ओडिशा

कोच्चि। केरला ब्लास्टर्स एफसी सोमवार शाम अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी। ब्लास्टर्स का लक्ष्य ओडिशा के खिलाफ अपने घरेलू रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना होगा, जबकि ओडिशा एफसी अपने पिछले तीन मैचों में जीत से दूरी को समाप्त करना चाहेगी। केरला ने अपने पिछले मैच में (मोहम्मडन एससी के खिलाफ 3-0) में क्लीन शीट बनाए रखी है और 2019 के बाद पहली बार दो लगातार घरेलू मैचों क्लीन शीट रखने के इरादे से उतरेंगे। ओडिशा 15 मैचों में पांच जीत, छह ड्रा और चार हार से 21 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। केरला ब्लास्टर्स एफसी 15 मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और आठ हार से 17 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। ब्लास्टर्स ने आईएसएल में ओडिशा एफसी के खिलाफ जीत की स्थिति से 15 अंक गंवाए हैं। नौहा सदौई ने 10 गोल (6 गोल, 4 असिस्ट) में योगदान दिया है और ब्लास्टर्स के लिए आठ अंक जीते हैं। ब्लास्टर्स उन मैचों में अपराजित (4 जीते, 2 ड्रा) रहे हैं, जहां सदौई ने इस सीजन गोल में किए। सर्जियो लोबेरा ने आईएसएल में ब्लास्टर्स के खिलाफ 12 मैचों में से नौ जीते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी की प्रारंभिक टीम में कमिंस, हेजलवुड को किया शामिल

मेलबर्न, 13 जनवरी (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड को टीम में शामिल किया गया है, हालांकि इन दोनों को श्रीलंका के आगामी दौरे से आराम दिया गया है। कमिंस, जो इस समय पितृत्व अवकाश पर हैं, को टखने की समस्या का आकलन करने के लिए स्कैन से गुजरना होगा, जिसे उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान झेला था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीता था। इस बीच, हेज़लवुड अभी तक पिंडली की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उनकी भागीदारी समय से पहले समाप्त हो गई थी। चयनकर्ताओं के प्रमुख, जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है, जिसमें पिछले एक दिवसीय विश्व कप, वेस्टइंडीज श्रृंखला, पिछले साल यूके के सफल दौरे और हाल ही में पाकिस्तान की घरेलू श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। नाथन एलिस, मिचेल स्टार्क के साथ, तेज आक्रमण को आगे बढ़ाते हैं जबकि एडम ज़म्पा टीम में चुने गए एकमात्र फ्रंटलाइन स्पिनर हैं। ऑलराउंडर आरोन हार्डी और मैथ्यू शॉर्ट को भी टीम में शामिल किया गया है, जबकि एलेक्स कैरी ने विश्व कप चयन से चूकने के बाद पिछले सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवरों की टीम में सफल वापसी के बाद से अपना स्थान बरकरार रखा है। कैरी एक बैक-अप विकेटकीपिंग विकल्प भी प्रदान करते हैं, यह देखते हुए कि जोश इंगलिस भी वर्तमान में पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। नियमों के अनुसार टूर्नामेंट शुरू होने तक प्रारंभिक टीम में संशोधन किया जा सकता है। पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाले दो टेस्ट मैचों के बाद एकमात्र वनडे मैच खेलना है। चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में इंग्लैंड (22 फरवरी), दक्षिण अफ्रीका (25 फरवरी) और अफगानिस्तान (28 फरवरी) के साथ है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

ओडिशा वॉरियर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग की धमाकेदार शुरुआत की, दिल्ली एसजी पाईपर्स को 4-0 से हराया

रांची। उद्घाटन महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के पहले मैच में रविवार रात ओडिशा वॉरियर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 4-0 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की।ओडिशा वॉरियर्स के लिए यिब्बी जानसन (16क्षऔर 37क्ष), बलजीत कौर (42क्ष) और फ्रीके मोएस (43क्ष) ने स्कोर किया। .महिला हॉकी इंडिया लीग एक शानदार समारोह के साथ शुरू हुई जहां कलाकारों ने झारखंड की संस्कृति का प्रदर्शन किया। झारखंड सरकार की विधान सभा सदस्य और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने चार महिला एचआईएल टीमों के कप्तानों के साथ महिला हॉकी इंडिया लीग ट्रॉफी का अनावरण किया। ओडिशा वॉरियर्स का दमदार प्रदर्शन ओडिशा वॉरियर्स की तरफ से यिब्बी जानसन ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहला गोल 16वें मिनट में किया और फिर 37वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की बढ़त को मजबूत किया। इसके बाद, बलजीत कौर ने 42वें मिनट में गोल कर विरोधी टीम पर दबाव बढ़ा दिया। फ्रीके मोएस ने 43वें मिनट में गोल कर वॉरियर्स की जीत को और भी पुख्ता कर दिया। दिल्ली एसजी पाइपर्स की रणनीति नाकाम दिल्ली एसजी पाइपर्स ने मैच के दौरान आक्रामक खेल दिखाने की कोशिश की, लेकिन ओडिशा वॉरियर्स के सशक्त डिफेंस और गोलकीपर के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण वे एक भी गोल करने में नाकाम रहे। टीम की रणनीति और तालमेल कमजोर दिखाई दिए, जिससे वे पूरे मैच में दबाव में रहीं। मैच का माहौल रांची के हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले को देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे थे। दर्शकों ने दोनों टीमों का उत्साह बढ़ाया, लेकिन ओडिशा वॉरियर्स के खेल ने उन्हें खासा प्रभावित किया। वॉरियर्स की आक्रामकता और फिनिशिंग ने मैच को एकतरफा बना दिया। आगे की उम्मीदें ओडिशा वॉरियर्स की यह जीत न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि टीम को टूर्नामेंट में आगे के मुकाबलों के लिए मजबूती भी देगी। वहीं, दिल्ली एसजी पाइपर्स को अपनी कमजोरियों पर काम करने की जरूरत होगी, ताकि वे अपने अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

देवजीत सैकिया, प्रभतेज सिंह ने बीसीसीआई के नए सचिव, कोषाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां) । देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को सर्वसम्मति से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का मानद सचिव और मानद कोषाध्यक्ष चुना गया है। रविवार को बीसीसीआई मुख्यालय में विशेष आम बैठक के दौरान हुए उपचुनाव के बाद उनकी नियुक्तियाँ की गईं। इस प्रक्रिया की देखरेख 2024 के उपचुनाव के लिए चुनाव अधिकारी ए.के. जोती ने की। सैकिया और भाटिया दोनों ही तत्काल प्रभाव से अपनी भूमिकाएँ संभालेंगे।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी एक मीडिया एडवाइजरी में कहा, मैं देवजीत सैकिया और श्री प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः मानद सचिव और मानद कोषाध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति पर हार्दिक बधाई देता हूं। वे जय शाह और आशीष शेलार की असाधारण विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्होंने इन भूमिकाओं में अनुकरणीय मानक स्थापित किए हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी सिद्ध प्रशासनिक कुशलता और वित्तीय संचालन की गहरी समझ हमें शासन और वित्तीय प्रबंधन दोनों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेगी। मैं इस अवसर पर हमारे राज्य संघों को उनके सर्वसम्मत समर्थन और भारतीय क्रिकेट के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण में उनके विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया की नियुक्तियाँ बीसीसीआई के प्रशासनिक ढांचे के लिए एक रोमांचक नया अध्याय है। वे जय शाह और आशीष शेलार की जगह लेंगे, जिन्होंने अपनी-अपनी भूमिकाओं में शानदार प्रदर्शन किया। सैकिया और भाटिया, क्रिकेट प्रशासन और पेशेवर विशेषज्ञता में अपने ट्रैक रिकॉर्ड के साथ आदर्श विकल्प हैं और मैं उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ। हमारे राज्य संघों से मिले भारी समर्थन ने खेल को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। हम देश भर में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे का विकास करना जारी रखेंगे और हमारे खूबसूरत खेल में सभी को शामिल करने के लिए और अधिक अवसर पैदा करेंगे।

एफए कप फुटबॉल

लंदन में एफए कप फुटबॉल में खेलते हुए आर्सेनल और मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी।

दिग्गज तीरंदाज मंगल सिंह चंपिया, राहुल बनर्जी ने राष्ट्रव्यापी 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का किया नेतृत्व

नई दिल्ली/कोलकाता, 13 जनवरी (एजेंसियां) ।

प्रसिद्ध भारतीय तीरंदाज मंगल सिंह चंपिया और राहुल बनर्जी राष्ट्रव्यापी 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' पहल के चौथे सप्ताह में नेतृत्व कर रहे हैं, जिसे पिछले महीने केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने लॉन्च किया था।

दोहरे एशियाई खेलों के पदक विजेता चंपिया, 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता बनर्जी ने द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच पूर्णिमा महतो के साथ कोलकाता में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में साइकिलिंग कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई, जिसमें 100 से अधिक साइकिल चालकों ने भाग लिया।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन नई दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में किया गया, जिसमें फिट इंडिया के राजदूत अपूर्व ओम के नेतृत्व में साई के 200 राइडर्स शामिल हुए। अब तक, देश भर में 3000 से ज़्यादा जगहों पर साइकिलिंग इवेंट का आयोजन किया जा चुका है।

इससे पहले, साइकिलिंग इवेंट में भारतीय सेना के जवान, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और लवलीना बोरगोहेन, संग्राम सिंह, शैंकी सिंह, नीतू घनघस और सिमरन शर्मा (पैरा वर्ल्ड चैंपियन) जैसे प्रमुख खेल सितारे शामिल हुए थे।

यह अभियान देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को भी बढ़ावा देता है।

युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) और माई भारत के सहयोग से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम देश भर में एसएआई क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) और खेलो इंडिया केंद्रों (केआईसी) में एक साथ आयोजित किए जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित, नॉर्टजे, एनगिडी की वापसी

नई दिल्ली, 13 जनवरी (एजेंसियां) । दक्षिण अफ्रीका ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा कर दी है। टीम में तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे और लुंगी एनगिडी की जोड़ी की वापसी हुई है। दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप बी में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ है।

चोट के कारण पूरा घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र मिस करने के बाद दोनों की प्रोटियाज वनडे टीम में वापसी हुई है। जहां नोर्टजे बाएं पैर की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं, वहीं एनगिडी कमर की चोट से उबरने के बाद वापस मैदान पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका की 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व टेम्बा बावुमा करेंगे। टीम में दस खिलाड़ी शामिल हैं जो भारत में 2023 पुरुष वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का हिस्सा थे। टोनी डी ज़ोर्जी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर को उनके पहले सीनियर 50 ओवर के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। टीम के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा इस टीम में अनुभव का खजाना है, जिसमें कई खिलाड़ी लगातार उच्च दबाव की स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इस तरह के टूर्नामेंट में इस तरह का अनुभव अमूल्य है। हम अपनी 2023 विश्व कप टीम के मुख्य समूह को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं, जबकि नई प्रतिभाओं को भी जोड़ा है। आईसीसी इवेंट्स में हमारे हालिया प्रदर्शन से पता चलता है कि हम वैश्विक टूर्नामेंटों के बाद के चरणों तक पहुँचने में सक्षम हैं। हम अगला कदम उठाने और प्रतिष्ठित सिल्वरवेयर की खोज में और भी आगे जाने के लिए उत्सुक हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने यह भी कहा कि उसके हाई-परफॉरमेंस बैटिंग लीड इमरान खान चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बैटिंग कोच के तौर पर सपोर्ट स्टाफ में शामिल होंगे। वाल्टर ने कहा, हम इमरान के हमारे सपोर्ट स्टाफ में शामिल होने का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वह हमारी बल्लेबाजी को मजबूत करने और एक इकाई के रूप में सुधार जारी रखने के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित होंगे।दक्षिण अफ्रीका अपने टूर्नामेंट की शुरुआत 21 फरवरी को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए रावलपिंडी जाएगा। इसके बाद वे 1 मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के लिए कराची लौटेंगे। ग्रुप ए और बी में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट पाकिस्तान और यूएई में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 2017 के बाद पहली बार खेला जा रहा है। 2017 में ओवल में हुए फाइनल में भारत को हराकर पाकिस्तान ने खिताब जीता था। सीएसए ने यह भी कहा कि मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ 8-14 फरवरी तक होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए प्रोटियाज टीम की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम:

टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोर्जी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और रासी वैन डेर डुसेन।

खुदरा महंगाई दर दिसंबर में चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आई

नई दिल्ली,13 जनवरी (एजेंसियां)।

दिसंबर महीने में उपभोक्ता मूल्य संचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर घटकर चार महीने के निचले स्तर 5.22 फीसदी पर आ गई है। नवंबर महीने में यह दर 5.48 फीसदी थी, जबकि पिछले साल में खुदरा महंगाई दर 5.69 फीसदी पर थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों में बताया कि खुदरा महंगाई दर में आई यह गिरावट खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण आई है। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में खाद्य महंगाई 8.39 फीसदी रही है, जबकि नवंबर में यह 9.04 फीसदी और दिसंबर 2023 में 9.53 फीसदी रही थी। एनएसओ के मुताबिक दिसंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सामान्य) और खाद्य महंगाई दोनों पिछले चार महीनों के सबसे निचले स्तर पर थे।

इसके अलावा खाद्य और पेय पदार्थों की महंगाई दर दिसंबर में घटकर 7.69 फीसदी हो गई है, जो नवंबर में 8.2 फीसदी थी। इसकी वजह सब्जियों की कीमतों गिरावट है, जो इसी अवधि में 29.33 फीसदी से घटकर 26.56 फीसदी रह गई है। दिसंबर महीने में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने खाद्य महंगाई पर चिंताओं को उजागर करते हुए इस अवधि के लिए अपने महंगाई दर अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस्लामिक आतंकवाद के...

अभी भी इन पर ब्रिटेन में अपनी इस्लामी आतंक की विचारधारा फैलाने पर कोई रोक नहीं है।

उल्लेखनीय है कि मुस्लिम-ब्रदरहुड एक इस्लामी आतंकी संगठन है, जिसकी स्थापना 1928 में हसन अल-बन्ना ने मिस्र में की थी। यह संगठन राजनीतिक इस्लाम, शरिया कानून, हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है।कश्मीर में दम तोड़ते आतंकवाद को नया जीवन देने के लिए मुस्लिम-ब्रदरहुड का अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क काफी सक्रिय रहा है और अब भी अपनी खुराफातों में लगा है। यही वह संगठन है जिसने कश्मीर में हो रहे तथाकथित नरसंहार पर एक अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की मीटिंग आयोजित की थी और तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे के खिलाफ कश्मीर में युद्ध अपराध का मुकदमा दर्ज करने की हवा बनाई थी।मुस्लिम-ब्रदरहुड ने दशकों तक फिलिस्तीन में मुसलमानों के तथाकथित नरसंहार के प्रचार के बाद कश्मीर की वैसी ही तस्वीर दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कुचक्र छेड़ा था। मुस्लिम-ब्रदरहुड से जुड़े एक कानूनी फर्म स्टोक व्हाइट ने कश्मीर में सुरक्षा बलों के अत्याचारों पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी और अपनी ही रिपोर्ट के आधार पर यूके में भारतीय सेनाध्यक्ष और गृहमंत्री के खिलाफ युद्ध अपराधों का मुकदमा दायर कर दिया था। व्हाइट स्टोक का डायरेक्टर हाकान कामुज तुर्की मूल का ब्रिटिश नागरिक है और उसका एर्दोगान परिवार के साथ पुराना और गहरा रिश्ता है।इन आतंकी संगठनों की जड़ें इतनी गहरी और विस्तृत हैं कि इसने बोस्निया-हर्जेगोविना की राजधानी सारायेवो के एक पांच सितारा होटल में एक तथाकथित ट्रिब्यूनल आयोजित की थी, जिसमें पूरी दुनिया के 45 से ज्यादा जजों ने हिस्सा लिया था। विडंबना यह है कि ये सभी जज आतंकी संगठन मुस्लिम-ब्रदरहुड से संबंधित थे। आयोजन करने वाले कुल 8 संगठन थे जिनमें से 6 जमाते इस्लामी एवं मुस्लिम-ब्रदरहुड से संबंधित थे। इसमें आईएसआई का प्रमुख चेहरा फरार कश्मीरी गुलाम नबी फई, कश्मीर में नरसंहार के नाम पर लंबे अरसे से दुकान चला रहा गुलाम मीर और बलात्कार का अपराधी लॉर्ड नाजिर अहमद शामिल था।

जाहिर है कि सारे सफेदपोश इस्लामिक आतंकवादी इस ट्रिब्यूनल के जरिए पूरी दुनिया में भारत के खिलाफ फासिज्म और नरसंहार के आरोपों को हवा देने में लगे थे और तेजी से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाने का कुचक्र रच रहे थे। ट्रिब्यूनल के आयोजन का बेहिसाब खर्च कश्मीर सिविटाज नामक संगठन ने उठाया था। यह संगठन 2019 में बनाया गया था और पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक फरहान मुजाहिद चक इसका प्रमुख बना बैठा है, जो अभी कतर में रह रहा है। इस संगठन की जड़ें इस्तांबुल से लेकर बीजिंग और लंदन से लेकर टोरंटो और रोम तक फैले हैं।कश्मीर सिविटाज ही वह संगठन है जिसने 2021 में भारतीय कंपनियों के उत्पादों का बहिष्कार करने का अभियान चलाया था। इस अभियान को तुर्की के पैसे पर चल रही पाकिस्तानी ट्रोलों ने ट्विटर पर ट्रेंड भी कराया। ऐसे अभियानों के जरिए भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करने और भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का काम चल रहा था। इनका निशाना टाटा, अंबानी, अडाणी, महिन्द्रा, हीरो, रिलायंस और पतंजलि के अलावा जी मीडिया भी था।

लाखों श्रद्धालुओं ...

अनुमान को पार कर सकता है। शुरुआती दिनों में भारी भीड़ से पता चलता है कि इस साल का समागम पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होगा। पौष पूर्णिमा पर, अपने गहन आध्यात्मिक अनुशासन के लिए जाने जाने वाले कल्पवासियों ने मोक्षदायिनी संगम में पवित्र डुबकी लगाई और 45 दिनों तक चलने वाले अपने आध्यात्मिक एकांतवास की शुरुआत की।

कल्पवासी महाकुंभ अवधि के दौरान ब्रह्मचर्य, साधारण जीवन और नियमित प्रार्थना के सख्त व्रत का पालन करते हैं। उन्होंने न केवल अपने व्यक्तिगत आध्यात्मिक उत्थान के लिए बल्कि मानवता के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की। इस वर्ष, महादेव की पूजा के लिए शुभ दिन सोमवार को पड़ने वाले पौष पूर्णिमा के संयोग ने इस अवसर को आध्यात्मिक रूप से और भी महत्वपूर्ण बना दिया। संगम नोज समेत सभी प्रमुख घाटों पर डुबकी लगाते समय श्रद्धालु हर-हर महादेव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारे लगाते नजर आए। बिहार, हरियाणा, बंगाल, ओडीशा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए।

महाकुंभ की भव्यता ने न केवल भारतीय श्रद्धालुओं, बल्कि दुनिया भर से आए पर्यटकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। संगम घाट पर अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और आध्यात्मिक साधकों का तांता उत्सव में शामिल हुआ। दक्षिण कोरिया के कई यूट्यूबर इस दिव्य अनुभव को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए, जबकि जापान के पर्यटकों ने स्थानीय गाइडों से इस आयोजन के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को समझने की कोशिश की। सोमवार को रूस-अमेरिका समेत यूरोप के विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु आस्था और एकता के इस महापर्व के साक्षी बने और डुबकी भी लगाई।

कई अंतरराष्ट्रीय मेहमानों में स्पेन की क्रिस्टीना भी शामिल थीं, जिन्होंने महाकुंभ की भव्यता के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की और इसे जीवन में एक बार होने वाला अनुभव बताया। उल्लेखनीय रूप से, इस वर्ष के महाकुंभ में अपेक्षित भीड़ कई देशों की आबादी को पार करने की उम्मीद है, जो इसे वास्तव में एक वैश्विक आयोजन बनाती है। विदेशी भक्त न केवल इस आयोजन को देखने के लिए आकर्षित हुए, बल्कि अनुष्ठानों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हुए भी देखे गए, जिसमें अन्य देशों के कई साधु और संन्यासी सनातन धर्म को अपनाते हुए और आध्यात्मिक आशीर्वाद के रूप में पवित्र डुबकी लगाते दिखाई दिए। महाकुंभ की जीवंत ऊर्जा संगम मेला और लेटे हनुमान मंदिर के पास के बाजार क्षेत्रों तक फैल गई। पूजा सामग्री के विक्रेता और तिलक कलाकार भक्तों की बढ़ती भीड़ को संभालने में व्यस्त देखे गए। प्रसाद, चुनरी और दीया सामग्री बेचने वाले खुदरा विक्रेताओं ने बताया कि इस साल तीर्थयात्रियों की आमद 2019 के कुंभ मेले से भी अधिक हो गई है।पौष पूर्णिमा के मौके पर सोमवार से आरम्भ हुए महाकुंभ में अलग-अलग घाटों पर लाखों की भीड़ ने आस्था की डुबकी लगाई। ब्रह्ममुहूर्त से ही घाटों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगने लगा। भारतीयों के साथ इस पर्व में विदेशी श्रद्धालु भी शामिल हुए। कुछ ने इसे मोक्ष प्राप्ति का रास्ता बताया तो कई इतने बड़े आयोजन को देख कर आश्चर्यचकित रह गए। ब्राजील से आए एक श्रद्धालु ने कहा, मैं योग करता हूं और मैं मोक्ष की तलाश में हूं। भारत विश्व की धर्म की राजधानी है। मैं पहले वाराणसी गया था और अब यहां आया हूं। यहां पानी जरूर ठंडा है, लेकिन मेरा मन भावों के चलते एकदम गर्मजोशी में है। जय श्री राम।

इटली से आए श्रद्धालु ने प्रयागराज में महाकुंभ आयोजन में की गई व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अगर अच्छा प्रबंध न होता तो इसका आयोजन असंभव होता। दक्षिण अफ्रीका से आए भगवावेश वाले एक श्रद्धालु ने कहा, यह अद्भुत है। सारी सड़कें साफ हैं। लोग हमें सहयोग कर रहे हैं। हम तिलक लगाते हैं क्योंकि हम सनातनी है। हम इसे पढ़ाते हैं और विश्व में इसका प्रचार भी करते हैं। हम यहां 1 जनवरी 2025 को आए थे। उसके बाद वाराणसी पहुंचे और फिर हम यहां आए हैं।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस, प्रशासन और रेलवे समेत तमाम विभागों ने अलग-अलग इंतजाम किए हैं। प्रयागराज महाकुंभ में लगातार पुलिस कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग चल रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शाही स्नान के दिनों पर बसों में किराया मुफ्त कर दिया है। 7000 बसें प्रयागराज के लिए चलाई जा रही हैं। पुलिस और बाकी सुरक्षा एजेंसियों के 40000 जवान यहां तैनात हैं। इसके अलावा एक विशेष एप भी तैयार किया है।

अब दूरियां मिटीं...

के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने सोनमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां की सफेद चादर से ढकी पहाड़ियां दिल को प्रसन्न कर देती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस टनल को केवल जम्मू-कश्मीर के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि इस टनल के खुलने से अब जम्मू-कश्मीर में यात्रा और व्यापार को नई गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

प्रधानमंत्री ने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उनका इस क्षेत्र से गहरा नाता रहा है। कहा कि जब वह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में काम करते थे, तब इस क्षेत्र में बार-बार आने का मौका मिला था। यहां के लोग बर्फबारी और ठंडी हवा के बावजूद हमेशा गर्मजोशी से स्वागत करते थे। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ, लोहड़ी, मकर संक्रांति, और पोंगल जैसे त्यौहारों का जिक्र किया और देशभर में उत्सव का माहौल बताया। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज में महाकुंभ का आरंभ हो रहा है, जहां लाखों लोग पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू में हाल ही में हुए रेल डिवीजन के शिलान्यास का भी जिक्र किया और इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने बताया कि सोनमर्ग टनल से क्षेत्र में टूरिज्म को नया पंख मिलेगा, और आने वाले समय में कई रोड और रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में पूरी होने वाली हैं। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की पुरानी मांगों को पूरा करने में सरकार के प्रयासों को सराहा। उन्होंने कहा कि हम जब काम शुरू करते हैं, तो उसे पूरा भी करते हैं। हर काम का एक सही समय होता है और हम हमेशा उस समय में सही काम करते हैं।

मोदी ने बताया कि 2015 में केंद्र सरकार के गठन के बाद सोनमर्ग टनल का निर्माण कार्य शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि कश्मीर की सर्दियों में यह टनल बहुत मददगार साबित होगी, जिससे टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में हो रहे विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि 2024 में 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने राज्य की यात्रा की और सोनमर्ग में पिछले 10 सालों में 6 गुना ज्यादा पर्यटक आए हैं।

जेड मोड़ टनल के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत कई अन्य राजनीतिक-प्रशासनिक हस्तियां मौजूद थीं। प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन पूर्वी पोर्टल से किया। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ सुरंग का दौरा भी किया। सुरंग का दौरा करने के बाद वे सीधे मुख्य स्थल की ओर चले गए। गौरतलब है कि 6.5 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग-मोड़ सुरंग से सोनमर्ग तक साल भर श्रीनगर से पहुंचा जा सकेगा, जो पहले कठोर सर्दियों की वजह से मुश्किल था।

6.4 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग सोनमर्ग को सभी मौसमों में पर्यटन स्थल बनाती है और इसे गंदरबल जिले के कंगन शहर से जोड़ती है। इसकी सामरिक और रक्षा संबंधी क्षमता पर्यटन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गंदेरबल-लेह राजमार्ग को पूरे साल खुला रखेगी, जबकि पास में ही एक और जोजिला सुरंग 2028 में बनकर तैयार हो जाएगी। इस राजमार्ग से पूर्वी सीमा पर चीन के खिलाफ वास्तविक नियंत्रण रेखा की रक्षा के लिए लद्दाख में तैनात सेना और सुरक्षा बल शस्त्रागार के अलावा सामान और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं का परिवहन करते हैं।सुरंग का नाम सड़क के जेड-आकार वाले खंड से लिया गया है, जहां इसे बनाया गया है। यह सिंध नदी से 8,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। 2012 में परिकल्पित, सुरंग का निर्माण पहले सीमा सड़क संगठन द्वारा किया जाना था, लेकिन बाद में इसे राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को सौंप दिया गया। निर्माण का ठेका एप्को इंफ्राटेक को दिया गया था। मूल रूप से अगस्त 2023 तक पूरा होने वाला यह प्रोजेक्ट देरी से शुरू हुआ। फरवरी 2024 में इसका साफ्ट लांच हुआ था, लेकिन जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों के कारण आधिकारिक उद्घाटन में देरी हुई।सोनमर्ग-मोड़ सुरंग पर काम मई 2015 में शुरू हुआ था, लेकिन वित्तीय चुनौतियों के कारण 2018 में प्रारंभिक ठेकेदार इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज द्वारा परिचालन बंद करने के बाद देरी का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2019 में इस परियोजना के लिए फिर से निविदा जारी की गई और जनवरी 2020 में। मूल रूप से तत्कालीन सरकार के दौरान शुरू की गई इस परियोजना की आधारशिला अक्टूबर 2012 में तत्कालीन भूतल परिवहन मंत्री सीपी जोशी ने रखी थी। शुरुआत में 2016-2017 तक पूरा होने का अनुमान था, लेकिन 2,716.90 करोड़ रुपए की लागत वाली यह सुरंग अब पूरी हो चुकी है, जिससे सोनमर्ग तक साल भर पहुंच और लेह की यात्रा में सुधार का वादा किया गया है।

पीएम 12 बार कश्मीर...

पहली बार 26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला और 9 जून 2024 को लगातार तीसरी बार पीएम के रूप में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से जम्मू कश्मीर की अपनी पिछली 11 यात्राओं के दौरान दर्जनों विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और हजारों करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेजों की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने 4 जुलाई 2014 को उधमपुर-कटरा रेलवे लाइन का उद्घाटन किया था, जिससे वैष्णो देवी मंदिर तक पहुंच में सुधार हुआ। सितंबर 2014 में विनाशकारी बाढ़ के दौरान पीएम मोदी ने प्रदेश का दौरा किया और बचाव और पुनर्वास के लिए 1,000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की थी। उन्होंने वर्ष 2015 में, प्रधानमंत्री ने रामबन में बगलिहार जल विद्युत परियोजना (450 मेगावाट) के दूसरे चरण का उद्घाटन करने के अलावा, जम्मू कश्मीर के लिए 80,000 करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक पैकेज लांच किया। 7 नवंबर 2015 को प्रधानमंत्री ने रामबन में बगलिहार जल विद्युत परियोजना (450 मेगावाट) के दूसरे चरण का उद्घाटन किया और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं (एनएच 44 के उधमपुर-रामबन और रामबन-बनिहाल खंड) की नींव रखी।

प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर के लिए 80,000 करोड़ रुपए का व्यापक आर्थिक पैकेज भी लांच किया। इसके अलावा, 19 अप्रैल 2016 को उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में एक दीक्षांत भाषण दिया और कटड़ा में एक खेल परिसर का उद्घाटन किया। 2 अप्रैल 2017 को प्रधानमंत्री ने उस समय भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग चेनानी-नाशरी सुरंग का उद्घाटन किया, जिससे जम्मू-श्रीनगर संपर्क में सुधार हुआ। 19 अक्टूबर 2017 को प्रधानमंत्री ने गुरेज में सैनिकों के साथ दिवाली मनाई और उनके योगदान को अंगीकार किया।

अपने कश्मीर के लगातार दौरों के दौरान फिर 19 मई 2018 को प्रधानमंत्री मोदी ने किशनगंगा जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन किया और किश्तवाड़ में पाकल डुल जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखी। उन्होंने जम्मू कश्मीर में 16 मॉडल डिग्री कॉलेजों और 66 उद्यमिता केंद्रों का भी उद्घाटन किया। इसी क्रम में 3 फरवरी 2019 को उन्होंने लद्दाख विश्वविद्यालय का उद्घाटन किया, एम्स जम्मू की नींव रखी और श्रीनगर रिंग रोड परियोजना का शुभारंभ किया और बांडीपोरा और गंदरबल में ग्रामीण बीपीओ का भी शुभारंभ किया। कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधानमंत्री का कोई सीधा दौरा तो नहीं हुआ, लेकिन 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के नेताओं के साथ एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की और राजनीतिक जुड़ाव पर जोर देना जारी रखा।

20 जून 2023 को, पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर जम्मू कश्मीर आए, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। 19 सितंबर 2023 को, उन्होंने क्षेत्र में एक चुनावी रैली के लिए श्रीनगर का दौरा किया, जो 2019 में जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के बाद उनकी पहली यात्रा थी। 20 फरवरी 2024 को, 32,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। पीएम मोदी ने जम्मू और कश्मीर में शिक्षा, रेलवे, विमानन और सड़क क्षेत्रों में कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

सिर्फ दिल ही नहीं...

निष्पक्ष चुनावों का जिक्र किया। सीएम उमर अब्दुल्ला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर अपना कार्यक्रम किया था, तो उन्होंने जम्मू कश्मीर के लोगों से तीन बड़ी बातें साझा की थीं। मोदी जी ने उस दिन अपनी तकरीर में दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी मिटाने की बात कही थी, और यह वाकई में सही साबित हुआ है। सिर्फ 15 दिन के अंदर ही यह दूसरा कार्यक्रम हो रहा है, इससे पहले जम्मू को रेल डिवीजन से नवाजा और आज श्रीनगर में प्रधानमंत्री ने टनल का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रोजेक्ट्स से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर के लोगों से यह वादा किया था कि राज्य में चुनाव होंगे और लोगों को अपनी सरकार चुनने का अधिकार मिलेगा, और उन्होंने यह वादा चार महीने के अंदर पूरा किया। इस बीच जम्मू कश्मीर में चुनाव हुए और किसी भी पोलिंग बूथ पर धांधली या गड़बड़ी की कोई शिकायत नहीं आई। सीएम ने प्रधानमंत्री से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बात साझा करते हुए कहा प्रधानमंत्री मोदी ने योग दिवस पर जम्मू कश्मीर के लोगों से यह वादा किया था कि जल्द ही जम्मू कश्मीर को रियासत का दर्जा मिलेगा और मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द वह अपना यह वादा पूरा करेंगे।

सीएम उमर अब्दुल्लाह ने प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा, आप इस ठंड में भी हमारे बीच आए और जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। मौसम में ठंड हो सकती है, लेकिन हमारे दिलों में गर्मी की कोई कमी नहीं है। हम उम्मीद करते हैं कि आप बार-बार जम्मू कश्मीर आएं और इस विकास यात्रा में हमारे साथ रहें। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को एक ऐतिहासिक कदम बताया और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जम्मू कश्मीर के लिए और भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स और योजनाएं लाए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा जम्मू कश्मीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो रहा है, क्योंकि इससे राज्य के विकास को एक नई दिशा मिलेगी और राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

यह नैतिक ...

500 रुपए के नोटों की गड्डी मिलने पर उच्च सदन में हलचल मच गई थी। विपक्ष और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने आरोप-प्रत्यारोप लगाए और अभिषेक मनु सिंघवी ने भी सुरक्षा-चूक की जांच की मांग की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी सुझाव दिया था कि सांसदों की अनुपस्थिति में सीटों पर गांजा रखने से रोकने के लिए कांच के घेरे बनाए जाने चाहिए।राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, बस मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए। लगभग एक महीने पहले ही, हमें राज्यसभा की एक विशेष सीट पर 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिली थी। मुझे वास्तव में इस बात से दुख हुआ कि कोई भी इसे लेने नहीं आया। उपराष्ट्रपति ने इसे बहुत गंभीर मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, आप नोट ले जा सकते हैं, शायद आवश्यकता के कारण, लेकिन फिर किसी ने दावा नहीं किया है, यह हमारे नैतिक मानकों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।जगदीप धनखड़ ने बताया कि लंबे समय तक नैतिकता पर कोई समिति नहीं थी। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में ही पहली बार राज्यसभा में नैतिकता पर एक समिति बनी, जो कार्यात्मक है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, राज्यसभा के सभापति के रूप में, मैं आपको बता सकता हूं कि जो कोई भी सदस्य के रूप में राज्यसभा में है, वह शानदार साख, महान अनुभव और अनुभव के साथ एक मानव संसाधन है, लेकिन जब कार्रवाई की बात आती है, तो वे किसी और के मार्गदर्शन में होते हैं। धनखड़ स्पष्ट रूप से सांसदों को सदन में मुद्दों को उठाते समय पार्टी लाइन का पालन करने का हवाला दे रहे थे। अतीत में, जगदीप धनखड़ ने कहा था कि हालांकि अधिकांश सांसद इसके खिलाफ हैं, लेकिन वे सदन में व्यवधान पैदा करते हैं क्योंकि उनकी संबंधित पार्टियां उन्हें ऐसा करने के लिए कहती हैं।

पूर्वी लद्दाख की...

नियंत्रण रेखा पर डीजीएमओ के बीच सहमति के बाद फरवरी 2021 से प्रभावी संघर्ष विराम जारी है। हालांकि आतंकी ढांचा बरकरार है। आईबी सेक्टर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। हाल ही में उत्तरी कश्मीर और डोडा-किश्तवाड़ बेल्ट में आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। जबकि हिंसा के मानदंड नियंत्रण में हैं। हमने इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान पांच लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को देखा। साथ ही शांतिपूर्ण चुनाव होना एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। आतंकवाद से पर्यटन की थीम धीरे-धीरे आकार ले रही है।सेना प्रमुख ने हिंसा ग्रस्त मणिपुर की स्थिति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मणिपुर में सुरक्षा बलों के प्रयास प्रयासों और सरकार की पहल से स्थिति नियंत्रण में आई है। हालांकि, हिंसा की कुछ घटनाएं जारी हैं। हम इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। विभिन्न गैर सरकारी संगठन और विभिन्न समुदाय के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं ताकि एक तरह का सामंजस्य स्थापित किया जा सके। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि म्यांमार में अभी तक हो रही अशांति को रोका जा सके। जहां तक मानवीय सहायता और आपदा राहत का सवाल है, 2024 में हमने अपने क्यूआरटी और क्यूआर मेडिकल टीमों को अपग्रेड कने के लिए विशेष रूप से 17 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भारतीय नौसेना हमारे साथ पैंगोंग त्सो झील में बड़े पैमाने पर काम कर रही है। उनके विशेष बल जम्मू-कश्मीर और अन्य स्थानों पर हमारे साथ काम कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के सहयोग की बात करें तो जहां तक हिंद महासागर क्षेत्र का सवाल है, दो जगहों पर हम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पहला अंडमान और निकोबार और दूसरा उभयचर टास्क फोर्स। जहां तक अंडमान और निकोबार का सवाल है आप जानते हैं कि हम उन्हें स्थायी आधार पर रेट करने जा रहे हैं और उस क्षेत्र में प्रादेशिक सेना की भूमिका को बढ़ाएंगे। इसलिए नौसेना के साथ मिलकर हम बड़े पैमाने पर उनके रोजगार पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास कुछ योजनाएं हैं जिन पर हमने पश्चिमी हिस्से में मिलकर काम किया है।

सेना प्रमुख ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मास मीडिया और सुरक्षा बलों में एक साथ आने की बहुत क्षमता है। मेरा मिशन है कि पूर्ण स्पेक्ट्रम तैयारियों को सुनिश्चित करना और साथ ही भारतीय सेना को एक आत्मनिर्भर भविष्य के लिए तैयार बल में बदलना, ताकि वह राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र का एक प्रासंगिक और प्रमुख स्तंभ बन सके। जो राष्ट्र निर्माण में भी सार्थक योगदान दे सके।

विदेशी मीडिया...

यह सऊदी अरब में मुस्लिमों के पवित्र स्थल मक्का और मदीना में हर साल हज के लिए जाने वाले 20 लाख लोगों से 200 गुना ज्यादा है। यह आयोजन भारत के अधिकारियों के लिए बड़ी परीक्षा होगी, जिसमें वह हिंदू धर्म के लिए आयोजन के साथ साथ पर्यटन और भीड़ प्रबंधन में भी जुटेंगे।

एपी ने कहा है कि भारत के पिछले नेताओं ने इन आयोजनों के जरिए देश के हिंदुओं से अपने रिश्ते मजबूत करने की कोशिशें की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतर्गत यह आयोजन हिंदू राष्ट्रवाद का एक अहम हिस्सा बन चुका है। भारतीय सभ्यता हिंदुत्व से अलग नहीं है। एपी ने यह भी लिखा कि इस आयोजन के जरिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अपनी और प्रधानमंत्री की छवि को चमका रहे हैं। प्रयागराज में अलग-अलग जगहों पर उनके और पीएम के पोस्टर और बिलबोर्ड्स लगे हैं, जिनमें सरकार की लोक कल्याण योजनाओं का जिक्र किया गया है। इस आयोजन से सत्तासीन भाजपा को हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रचार के इतिहास को और बल मिलेगा।

स्काई न्यूज ने महाकुंभ में प्रशासन की तैयारियों पर सबसे ज्यादा रिपोर्टिंग की है। इस संस्थान ने बताया कि पहली बार किसी आयोजन में इतने बड़े स्तर पर फेस रिकग्नीशन तकनीक और बायोमेट्रिक पहचान की सहायता ली जा रही है, जिससे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके खो जाने पर उन्हें ढूंढने में आसानी होगी। स्काई न्यूज मीडिया समूह ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि किस तरह गंगा के पास पानी की गुणवत्ता मापने के लिए प्रणालियां स्थापित की गई हैं, जिससे आयोजन के दौरान गंगा में लोगों का साफ और स्वच्छ पानी से नहाना सुनिश्चित रहे। इसके अलावा एक प्राथमिक 100 बेड और दो 20-20 बेड्स वाले अस्पतालों की स्थापना के बारे में भी बताया गया है।ब्रिटिश अखबार द गार्डियन ने कहा कि इस साल महाकुंभ का आयोजन तादाद और भव्यता में पिछले सभी आयोजनों से ज्यादा बेहतर होने का अनुमान है। यह कुंभ मेले के धार्मिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक महत्व को भी दर्शाता है। भारत और यूपी में सत्तासीन भाजपा के शासन में महाकुंभ का आयोजन और भी खुलकर सामने आता है। इस आयोजन को हमेशा से हिंदू एकता और ताकत का प्रतीक माना जाता रहा है और कई लोग इसे राजनीतिक तौर पर फायदेमंद भी मानते हैं।द गार्डियन ने बताया है कि किस तरह सरकार ने 40 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैले इस कुंभ आयोजन को सुगम बनाने के लिए बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं और इसके लिए डिजिटल सेवाओं की मदद ली जा रही है। इनमें एक व्यवस्था कलाई में पहने जाने वाले बैंड की है, जो कि रेडियो फ्रीक्वेंसी के जरिए कनेक्ट रहता है और लोगों को खोने से बचाने के लिए दिया जा रहा है।

फ्रांस के मीडिया समूह रेडियो फ्रांस इंटरनेशनल (आरएफआई) के मुताबिक, कुंभ का यह आयोजन सिर्फ हिंदू धर्म से जुड़े भारतीयों को ही नहीं, बल्कि विदेशियों को भी आकर्षित करता है। खासकर उन विदेशियों को जो हिंदू धर्म को अपना चुके हैं। आरएफआई ने एक अमेरिकी नागरिक के हवाले से बताया कि कुंभ मेले की अहमियत इसकी अंतरराष्ट्रीय और वैश्विक एकता के संदेश की वजह से ही नहीं, बल्कि आयोजन के दौरान होने वाले आध्यात्मिक अभ्यासों की वजह से भी है, जिससे लोगों को अपने अंदर के सत्य को पहचानने में मदद मिलती है। आरएफआई के मुताबिक, महाकुंभ के दौरान 4000 हेक्टेयर भूमि पर 1,50,000 टेंट और इतने ही टॉयलेट बनाए गए हैं। यह पूरा क्षेत्र अमेरिका के मैनहैटन द्वीप के बराबर का क्षेत्र है।फ्रांस की न्यूज एजेंसी एएफपी ने महाकुंभ को विशाल हिंदू आयोजन बताया है। एजेंसी के मुताबिक, शताब्दियों पुराने कुंभ मेला धार्मिक आयोजन के साथ लॉजिस्टिक्स (आपूर्तियों) की जबरदस्त चुनौतियां दर्शाने वाला आयोजन भी है। यहां रात में तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, लेकिन तीर्थयात्रियों का कहना है कि उनका भरोसा कहता है कि उनका स्नान ठंडा नहीं रहेगा।अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, सोमवार को जमा देने वाली पानी में लोग अपने पाप धोने को गंगा में डुबकी लगाने के लिए जुटे। धर्म, अध्यात्म और पर्यटन का यह अद्भुत संगम भारत में और कहीं नहीं दिखता। लेकिन यह आयोजन सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में भीड़ प्रबंधन के लिए भी चुनौती रहता है।

आज मकर संक्रांति

जानिए शुभ मुहूर्त और महत्व

मकर संक्रांति हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है जो सामान्यत: 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण होता है। इसलिए इसे उत्तरायण संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। मकर संक्रांति और उत्तरायण के दिन स्नान-दान करना और पतंग उड़ाना सर्वाधिक महत्व-पूर्ण आयोजनों में से एक है। इस दिन से खरमास खत्म हो जाता है। जिससे शुभ व मांगलिक कार्यों की फिर से शुरुआत हो जाती है। चलिए जानते हैं मकर संक्रांति पर्व के बारे में खास बातें।

मकर संक्रांति कब है?

मकर संक्रांति इस साल 14 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन सूर्य देव सुबह 9 बजकर 3 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

मकर संक्रान्ति पुण्य काल मुहूर्त

मकर संक्रान्ति पुण्य काल मुहूर्त 14 जनवरी की सुबह 09:03 से शाम 05:46 बजे तक रहेगा। महा पुण्य काल समय सुबह 09:03 से सुबह 10:48 बजे तक रहेगा।

मकर संक्रांति के अलग-अलग नाम

मकर संक्रांति को विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नामों और भिन्न-भिन्न तरीकों से मनाया जाता है। इस समय नई फसल और बसंत ऋतु का आगमन होता है। पंजाब और जम्मू में इस पर्व को लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है, तो वहीं यूपी और बिहार में कई जगहों पर इसे खिचड़ी के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। जबकि दक्षिण भारत में इस त्योहार को पोंगल की तरह मनाया जाता है। इस दिन कहीं दही-चूड़ा तो कहीं खिचड़ी और तिल के लड्डू बनाए जाते हैं। मध्य भारत में इसे माघी/ भोगली बिहू आदि के नाम से मनाते हैं।

मकर संक्रांति की पूजा विधि

-इस दिन सुबह उठकर सबसे पहले घर की सफाई करें।

-इसके बाद आसपास किसी पवित्र नदी में स्नान करें। यदि पास में नदी नहीं है तो घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

-यदि व्रत रखना चाहते हैं तो इस दिन सुबह व्रत का संकल्प लें।

-इस दिन पीले वस्त्र पहनें और फिर सूर्यदेव को अर्घ्य दें।

-इस दिन सूर्य चालीसा पढ़ना शुभ होता है और साथ ही आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी जरूर करें।

-अंत में सूर्य भगवान की आरती करें और गरीबों को दान जरूर दें।

मकर संक्रांति पर करें इन चीजों का दान

मकर संक्रांति के दिन तिल, खिचड़ी, काली उड़द की दाल, चावल, गुड़, गर्म कपड़े व कंबल, घी इत्यादि चीजों का दान शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति पर पतंगों का महत्व

मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने का असल महत्व ये है कि ठंड के कड़कते मौसम में जब शरीर को धूप लगती है तो शरीर ऊर्जावान होता है और शरीर बिमारियों से दूर रहता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तरायण होते हैं और सर्दी के मौसम में सूर्य की किरणें सीधे धरती पर आती हैं। ऐसे में जोश और उत्साह के साथ पतंग उड़ाने से शरीर को धूप लगने से विटामिन डी भरपूर मिलती है। पतंगों से जुड़ी हुई एक और मान्यता है कि पतंगें देवताओं के लिए धन्यवाद के प्रतीक के रूप में काम करती हैं क्योंकि वे ऊपर स्वर्ग में प्रवेश कर सकती हैं।

मकर संक्रांति स्नान-दान समय :

वैदिक पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति पर महा पुण्यकाल प्रात: 09 बजकर 03 मिनट से 10 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही पुण्य काल प्रात: 09 बजकर 03 मिनट से शाम 05 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा ब्रह्म मुहूर्त भोर 05 बजकर 27 मिनट से 06 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

मकर संक्रांति पर क्या दान करना चाहिए

अनाज का दान: चावल, दाल, गेहूं और बाजरा जैसे अनाज का भी दान करते हैं।

तिल और गुड़ का दान: मकर संक्रांति परतिल-गुड़ का दान बेहद शुभ होता है। कहते हैं इससे सूर्य और शनि ग्रह के दोषों का निवारण होता है।

कपड़े और कंबल का दान: मकर संक्रांति पर कंबल और ऊनी कपड़ों का दान भी शुभ होता है।

धातु के बर्तन: इसके अलावा इस दिन तांबे, पीतल, चांदी या सोने के बर्तन भी दान स्वरूप दे सकते हैं।

खिचड़ी का दान- मकर संक्रांति पर खिचड़ी का दान जरूर किया जाता है। कई लोग इस दिन चावल और काली उड़द की दाल को दान स्वरूप में सभी में बांटते हैं तो वहीं कई लोग बनी बनाई खिचड़ी का दान करते हैं।

मकर संक्रांति पर क्या खाना चाहिए?

खिचड़ी, तिल और गुड़ के लड्डू, रेवड़ी, गजक और चक्की, दही चूड़ा, लाई के लड्डू, मूंग के मंगौड़े

मकर संक्रांति पर क्या करना चाहिए

इस खास असवर पर सूर्य देव को अर्घ्य और पूजा-अर्चना करना शुभ माना जाता है। साथ ही शुभ मुहूर्त में पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। इसके अलावा श्रद्धा अनुसार मंदिर या गरीब लोगो में दान करना चाहिए।

मकर संक्रांति उपाय

काले तिल का भोग मकर संक्रांति के दिन आप स्नान के बाद भगवान सूर्य देवता और अन्य सारी देवी-देवताओं को काले तिल के लड्डू का भोग जरूर लगाएं। इसके साथ ही इस दिन इसका सेवन प्रसाद के रूप में करें। काले तिल का भोग लगाने से बुरी नजर से बचा सकता है।

तिल डालकर स्नान

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर स्नान के पानी में काला तिल जरूर डालें। इस दिन तिल का उबटन या जल में तिल डालकर स्नान करने से सारे प्रकार के रोग दोष से मुक्ति मिल जाती है।

तिल के लड्डू : मकर संक्रांति पर तिल के लड्डू बनाने और खाने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि इस दिन का तिल से गहरा संबंध है और इसी कारण से इस त्योहार को तिल संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि तिल के बीज पर भगवान यम का आशीर्वाद होता है और यही कारण है कि उन्हें 'अमरत्व के बीज' के रूप में जाना जाता है। मकर संक्रांति के अवसर पर सलाह दी जाती है कि शनि या राहु के दुष्प्रभाव से बचने के लिए मंदिरों में काले तिल चढ़ाने चाहिए। साथ ही गुड़ और सफेद तिल से बने तिल के लड्डू का सेवन भी करना चाहिए

मकर संक्रांति 2025 शुभ मुहूर्त

इस वर्ष मकर संक्रांति पर पुण्य काल मुहूर्त 14 जनवरी 2025 को सुबह 08 बजकर 40 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा।

मकर संक्रांति क्यों मनाया जाता है

सूर्य देव जब धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो उस दिन मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है। सूर्य देव अमूमन 14 या 15 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस साल मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है। हिंदू धर्म ग्रंथों अनुसार इस त्योहार को मनाने के पीछे कई कारण है। मकर संक्रांति त्योहार से जुड़ी एक कथा बताती है कि जब पृथ्वी पर असुरों का आतंक काफी बढ़ गया था तब मकर संक्रांति के दिन ही भगवान विष्णु ने असुरों का संहार किया और सभी को उनके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। कहते हैं भगवान विष्णु ने असुरों के सिरों को काटकर मंदरा पर्वत पर गाड़ दिया था। मान्यता है कि, तभी से इस पर्व को नकारात्मकता को समाप्त करने वाले दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

उत्तरायण 2025 में कब है?

साल 2025 में उत्तरायण का त्योहार 14 जनवरी 2025 को मंगलवार के दिन मनाया जाएगा। इस दिन संक्रांति का क्षण 09:03 ए एम तक रहेगा। इस समय में संक्रांति की पूजा करना बहुत ही शुभ रहेगा।

मकर संक्रांति पूजा विधि

मकर संक्रांति की पूजा से पहले घर की अच्छे से सफाई कर लें।

इसके बाद स्नान कर साफ कपड़े पहन लें।

इसके बाद अपने माथे पर रोली और चावल के आटे का तिलक लगाएं।

इसके बाद शनि देव की आराधना करें और उन्हें एक थाली में घेवर और साथ में तिल से बने लड्डू प्रसाद रूप में चढ़ाएं।

फिर भगवान सूर्य देव की पूजा करें और उनके नाम से मंदिर में एक दीपक जलाएं।

इस दिन स्नान के बाग सूर्य को अर्घ्य जरूर दें। अर्घ्य देते हुए ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः और ॐ घृणि सूर्याय नमः मंत्रों का जाप जरूर करें।

पूजा के बाद ज़रूरतमंदों को दान करें।

मकर संक्रांति का महत्व

धार्मिक मान्यताओं अनुसार मकर संक्रांति के दिन जब भगवान सूर्य अपने बेटे शनि से मिलने जाते हैं तो इस दिन सभी तरह की नकारात्मकताएं और वाद-विवाद इत्यादि समाप्त हो जाते हैं। इस दिन सूर्य और शनि की पूजा करने से इंसान की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं।

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त 2025

मकर संक्रांति 202514 जनवरी 2025, मंगलवार

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त 202509:03 AM से 05:46 PM

मकर संक्रान्ति महा पुण्य काल 202509:03 AM से 10:48 AM

मकर संक्रान्ति का क्षण09:03 AM

मंगलवार को मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी बना सकते हैं?

जी हां, आप मंगलवार के दिन मकर संक्रांति पर खिचड़ी बना सकते हैं। क्योंकि धर्म ग्रंथों में कहीं ये नहीं लिखा है कि मंगलवार के दिन खिचड़ी नहीं बनाई जा सकती है। ऐसे में आप बिना किसी टेंशन के 14 जनवरी को आराम से मकर संक्रांति मनाएं।

मकर संक्रांति शाही स्नान मुहूर्त

मकर संक्रांति के दिन शाही स्नान करने का मुहूर्त सुबह 05:27 से शुरू होकर शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

मकर संक्रांति दान मुहूर्त

मकर संक्रांति के दिन दान करने का मुहूर्त सुबह 9 बजकर 3 मिनट से शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगा।

मकर संक्रांति स्नान मुहूर्त 2025 मकर संक्रांति स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त- 05:27 AM से 06:21 AM

मकर संक्रान्ति स्नान के लिए पुण्य काल मुहूर्त - 09:03 AM से 05:46 PM

मकर संक्रान्ति स्नान के लिए महा पुण्य काल मुहूर्त- 09:03 -AM से 10:48 AM

मकर संक्रांति पर स्नान का महत्व

मकर संक्रांति के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन यदि कोई व्यक्ति गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करता है, तो उसे समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

खिचड़ी पर्व कब है 2025

मकर संक्रांति को कई जगह खिचड़ी पर्व के नाम से जाना जाता है। इस साल खिचड़ी 14 जनवरी को मनाई जाएगी।

मकर संक्रांति क्या है?

जब सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो इसे मकर संक्रांति कहा जाता है.मकर संक्रांति के त्योहार को भारत में अलग-अलग नामों से जाना जाता है और इन्हें पोंगल, खिचड़ी, संक्राति, उत्तरायण भी कहा जाता है. मकर संक्रांति बेहद खास इसलिए भी मानी जाती है, क्योंकि इस दिन से खरमास समाप्त हो जाता है और खरमा के समाप्त होने से शादी-विवाह या अन्य मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं.

मकर संक्रांति कैसे मनाते हैं

मकर संक्रांति के दिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय पूजा-पाठ करें. इसके साथ ही सूर्यदेव को जल भी अर्पित करना चाहिए

मकर संक्रांति के दिन दान देना काफी शुभ माना जाता है इस दिन तिल-गुड़ और खिचड़ी का दान करना अच्छा होता है।

मकर संक्रांति स्नान मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति पर महा पुण्यकाल की शुरुआत सुबह 09 बजकर 03 मिनट पर होगी। वहीं, इसकी समाप्ति सुबह 10 बजकर 48 मिनट पर होगी। इसके साथ ही पुण्य काल सुबह 09 बजकर 03 मिनट से शाम 05 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा ब्रह्म मुहूर्त सुबह 05 बजकर 27 मिनट से 06 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

मकर संक्रांति महत्व

मकर संक्रांति को उत्तरायण, खिचड़ी, पोंगल और बिहू के नाम से भी जाना जाता है। पूरे देश में यह पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर भारत में मकर संक्रांति को खिचड़ी नाम से जाना जाता है और इस दिन घर-घर में खिचड़ी बनाई जाती है। वहीं बिहार में मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा खाने की परंपरा है। मकर संक्रांति के दिन तिल जरूर खाना चाहिए।

मकर संक्रांति गंगा स्नान मुहूर्त

14 जनवरी को सुबह 8 बजकर 55 मिनट पर सूर्य का मकर राशि में प्रवेश होगा। ऐसे में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक स्नान दान का शुभ मुहूर्त रहेगा। इसमें सुबह 8 बजकर 55 मिनट से लेकर दोपहर में 12 बजकर 51 मिनट तक का समय पुण्य काल रहेगा।

मकर संक्रांति पूजा सामग्री

काले तिल, गुड़ या काले तिल के लड्डू

दान देने के लिए अन्न में चावल, दाल, सब्जी या खिचड़ी, तिल, तिल के लड्डू, गुड़ आदि.

गाय का घी, सप्तधान्य यानी 7 प्रकार के अनाज या फिर गेहूं

तांबे का लोटा, लाल चंदन, लाल कपड़ा, लाल फूल और फल

एक दीप, धूप, कपूर, नैवेद्य, गंध आदि

मकर संक्रांति के रंग

पीला रंग – मान्यताओं के अनुसार पीला रंग देवी सरस्वती और भगवान विष्णु का प्रिय रंग होता है। ये रंग समृद्धि और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। मकर संक्रांति पर पीले कपड़े पहनने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

लाल रंग – लाल रंग शक्ति, साहस और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करता है। मकर संक्रांति पर लाल रंग पहनने से जीवन में उत्साह बढ़ता है। पूजा-अर्चना के दौरान लाल रंग पहनने से विशेष फल मिलता है और दैवी शक्तियां प्रभावित होती हैं।

हरा रंग – हरा रंग हरियाली और समृद्धि का प्रतीक होता है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य और मन की शांति का बनाए रखता है। हरा रंग पहनने से जीवन में संतुलन और सुकून का अनुभव होता रहता है।

मकर संक्रांति क्यों मनाया जाता है

पुराणों के अनुसार, इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से मिलने आते हैं, जो मकर राशि के स्वामी हैं। यह त्योहार पिता और पुत्र के बीच एक स्वस्थ रिश्ते का प्रतीक है। मकर संक्रांति भगवान विष्णु की असुरों पर विजय के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है।

मकर संक्रांति कितने तारीख को है

इस साल मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा, मकर संक्रांति से ही ऋतु परिवर्तन भी होने लगता है।

मकर संक्रांति पर क्या दान करें

मकर संक्रांति के दिन इन चीजों का दान कर सकते हैं। गुड़,खिचड़ी,तिल,गर्म कंबल,अनाज आदि के दान का इस दिन विशेष महत्व माना गया है।

मकर संक्रांति पूजा विधि

इस दिन सुबह उठकर सबसे पहले घर की सफाई करें।

इसके बाद आसपास किसी पवित्र नदी में स्नान करें।

यदि पास में नदी नहीं है तो घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

यदि व्रत रखना चाहते हैं तो इस दिन सुबह व्रत का संकल्प लें।

इस दिन पीले वस्त्र पहनें और फिर सूर्यदेव को अर्घ्य दें।

इस दिन सूर्य चालीसा पढ़ना शुभ होता है और साथ ही आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी जरूर करें।

अंत में सूर्य भगवान की आरती करें और गरीबों को दान जरूर दें।

मकर संक्रांति 2025 शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति के दिन 8 बजकर 55 मिनट से लेकर 9 बजकर 29 मिनट तक का समय महापुण्य काल रहेगा। इस समय अमृत काल होने से स्नान दान का सर्वोत्तम फल मिलेगा। 14 जनवरी ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 27 मिनट से 6 बजकर 21 मिनट तक। अमृत काल का शुभ मुहूर्त सुबह में 7 बजकर 55 मिनट से 9 बजकर 29 मिनट तक रहने वाला है।

मकर संक्रांति को खिचड़ी क्यों कहा जाता है

कहा जाता है कि जब भारत पर खिलजी ने आक्रमण किया था तो उस युद्ध में भारत के कई योद्धा और योगी भी शामिल हुए थे। हर तरफ लड़ाई का माहौल था। जिसकी वजह से किसी को खाने का समय नहीं मिल पाता था। जिसके कारण लोग कमजोर होने लगे थे। तब गुरु गोरखनाथ जी ने इस समस्या का हल निकालते हुए सभी को दाल, चावल और सब्जियों को अलग-अलग पकाने की जगह एक साथ पकाने के लिए कहा। जो सभी के लिए बेहद आसान था।

इस नए व्यंजन को खाकर सभी का पेट भी आसानी से भर जाता था। कहते हैं खिलजी को हराने के बाद गोरखनाथ जी समेत सभी योगियों ने मिलकर इस नए पकवान को बनाया। फिर इस पकवान को सभी में बांटा और इसे खिचड़ी का नाम दिया गया। कहते हैं जिस दिन ये कार्य किया गया उस दिन मकर संक्रांति थी। कहते हैं तभी से लेकर आज तक मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी बनाने की परंपरा चली आ रही है और इस वजह से कई जगह इस पर्व को खिचड़ी के नाम से जाना जाता है।

मकर संक्रांति का रंग

मान्यताओं के अनुसार पीला रंग देवी सरस्वती और भगवान विष्णु का प्रिय रंग होता है। ये रंग समृद्धि और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। मकर संक्रांति पर पीले कपड़े पहनने से जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

मकर संक्रांति और बिहू

मकर संक्रांति के त्योहार को असम में बिहू के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है और इस दिन किसान फ़सल की कटाई करते हैं। इस दिन कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं और अलाव जलाकर तिल और नारियल से बने व्यंजनों से अग्नि देवता को भोग लगाया जाता है।

मकर संक्रांति कब मनाई जाती है

मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के दौरान मनाई जाती है।

मकर संक्रांति के दिन दक्षिण भारत में मनाया जाता है पोंगल का त्योहार

यह दक्षिण भारत के लोगों का मुख्य त्योहार है। यह मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के राज्यों में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। पोंगल का पर्व भी विशेष रूप से किसानों का पर्व होता है। इस दिन सूर्यदेव व इंद्रदेव की पूजा करने का विधान है।

मकर संक्रांति को पंजाब में लोहड़ी उत्सव के रूप में मनाया जाता है

मकर संक्रांति के पर्व के एक दिन पहले लोहड़ी मनाई जाती है। इस पर्व को उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन दोस्तों व परिवार के सदस्य एक दूसरे को बधाई देते हैं और गले लगते हैं। साथ ही, घर के बाहर खुली जगह पर आग जलाई जाती है और सब लोग मिलकर नृत्य करते हैं।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी दान का महत्व

मकर संक्रांति पर खिचड़ी का दान करना अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन काली उड़द की दाल और चावल से बनी खिचड़ी का दान करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं व कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति मजबूत होती है।

मकर संक्रांति पर तीर्थ दर्शन और मेले

मकर संक्रांति के मौके पर देश के कई शहरों में मेले लगते हैं। खासकर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत में बड़े मेलों का आयोजन होता है। इस मौके पर लाखों श्रद्धालु गंगा और अन्य पावन नदियों के तट पर स्नान और दान, धर्म करते हैं।

भीष्म पितामह ने इसी दिन त्यागा था शरीर

मान्यता है कि महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपना शरीर त्यागने के लिए मकर संक्रांति के दिन का चयन किया था। इसी दिन गंगाजी भागीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। महाराज भागीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था।

मीठे के बिना त्योहार है अधूरा

मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ से बने लड्डू और अन्य मीठे पकवान बनाने की परंपरा है। मान्यता है कि मीठे पकवानों के खाने और खिलाने से रिश्तों में आई कड़वाहट खत्म होती है।

मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने की है परंपरा

यह त्योहार पतंग महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। इसके पीछे मुख्य कारण है, कुछ घंटे सूरज की रोशनी में बिताना क्योंकि सर्दी के समय में सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताना स्वास्थ्य के लिए फ़ायदेमंद होता है।

मकर संक्रांति का अर्थ

सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को मकर संक्रांति कहते हैं। मकर शब्द 'मकर राशि' को बताता है और संक्रांति का अर्थ संक्रमण अर्थात 'प्रवेश' करना होता है। मकर संक्रांति का भारत में बड़ा महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं।

शादी से पहले पति को अंकल और उसकी गर्लफ्रेंड को आंटी कहती थी एक्ट्रेस अंजू महेंद्रू

16 की उम्र में बनी मां, ये है असली लेकिन पूरा फिल्मी लव ट्राएंगल

राजेश खन्ना न केवल अपनी शानदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं,बल्कि अपने पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहे। उनके लव अफेयर्स के किस्से उन दिनों खूब सुर्खियों में रहते थे। वह अंजू महेंद्रू के साथ लिव इन रिलेशन में थे, लेकिन डिंपल कपाड़िया से शादी कर के उन्होंने फैंस को चौका दिया था। 1970 के दशक में राजेश खन्ना और अंजू महेंद्रू लवबर्ड थे और लोगों को लगता था कि दोनों साथ रहेंगे। लेकिन दोनों का रिश्ता टूट गया। उनका यह किस्सा खूब पॉपुलर हुआ था।

बता दें 29 दिसंबर, 1942 को राजेश खन्ना का जन्म अमृतसर में जतिन खन्ना के रूप में हुआ था। उन्होंने 24 साल की उम्र में 1966 में हिंदी फिल्म आखिरी खत से डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद राजेश खन्ना को फिल्मों में ऑफर्स मिलने लगे।कई फ्लॉप और कुछ हिट फिल्मों के बाद उनकी सुपरहिट फिल्म 1971 में आई हाथी मेरे साथी थी। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

वहीं अंजू महेंद्रू बतौर अभिनेत्री, मॉडल और फैशन डिजाइनर काम कर रही थीं। जब अंजू स्ट्रगल कर रही थी, तब राजेश खन्ना सुपरस्टार थे। दोनों की मुलाकात कैसे हुई, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन दोनों का प्रेम कहानी काफी मशहूर हुई। अपने रिश्ते के शुरुआती सालों में दोनों ने एक-दूसरे को सपोर्ट किया। कहा जाता है कि अंजू एक डेडिकेटेड गर्लफ्रेंड थी और राजेश खन्ना के साथ वह 1966 से 1972 तक 7 लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहीं।

उनका रिश्ता 1971 के बाद बदल गया, जब अंजू के वेस्ट इंडीज के क्रिकेटर गैरी सोबर्स के साथ डेटिंग की अफवाहें उड़ीं।

इससे राजेश खन्ना को काफी गुस्सा आया। कहा जाता है कि राजेश खन्ना की अंजू से शादी का निर्णय इसके बाद बदल गया। अंजू की मां चाहती थी कि राजेश खन्ना जल्द ही उनकी बेटी से शादी कर लें, राजेश खन्ना भी यही चाहते थे। लेकिन अंजू के लगातार शादी से इंकार करने के कारण 1972 में राजेश ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया। अपने एक इंटरव्यू में अंजू ने कबूल किया था कि राजेश खन्ना के अलग और लगातार बदलते विचारों ने उनके रिश्ते में बहुत खटास पैदा कर दी थी।

अंजू ने कहा था, 'वह एक बहुत ही रूढ़िवादी आदमी है, फिर भी किसी न किसी तरह, हमेशा मॉडर्न लड़कियों की ओर आकर्षित होता है। भ्रम हमारे रिश्ते का एक हिस्सा था। मैं स्कर्ट पहनती तो वो झल्लाते, तुम साड़ी क्यों नहीं पहनती? अगर मैं साड़ी पहनती, तो वह कहते, तुम भारतीय नारी का लुक क्यों दिखा रही हो?' स्टारडस्ट के साथ एक अन्य इंटरव्यू में अंजू ने कहा था कि 1969 से पहले राजेश की फ्लॉप फिल्मों ने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बना दिया था जिसके कारण दोनों के बीच कई बार बहस हुई थी। राजेश का साथ निभाना दिनोंदिन मुश्किल होता जा रहा था। वह मूडी, गुस्सैल, चिड़चिड़े स्वभाव के थे। हर समय वह बहुत तनाव में रहते थे। लगभग घबराए हुए।

वहीं राजेश खन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा था, वह अंजू के समय के लिए कितनी भी कोशिश कर लें, वह हमेशा व्यस्त रहेंगी। अक्सर स्टूडियो में एक कठिन दिन के बाद, मैं घर लौटता और एक नोट पाता, जिसमें लिखा होता है कि वह किसी पार्टी में गई थी। कहा जाता है कि राजेश खन्ना ने जब डिंपल से शादी की तो अपनी बारात एक्स गर्लफ्रेंड अंजू के घर के आगे से निकाली। डिंपल कपाड़िया से शादी के बाद उनकी दो बेटियां ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना हुईं।

बाद में स्टारडस्ट को दिए गए एक इंटरव्यू में अंजू ने पहली बार डिंपल कपाड़िया से हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा कि डिंपल ने तब राजेश खन्ना को 'अंकल' और उन्हें 'आंटी' कहा था, लेकिन बाद में उनका रवैया बदल गया। वह मासूम होने का दिखावा करती थी, लेकिन वह मुझ पर पीठ पीछे तंज करती थीं। 'डिंपल कपाड़िया राजेश के करीब आ रही थीं और हर तरफ इसकी चर्चा होने लगी थी। तभी राजेश ने एक पार्टी रखी और अंजू को मेहमानों को इनवाइट करने के लिए कहा। अंजू ने डिंपल को छोड़कर सभी को इनवाइट किया। इससे राजेश को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने माफी मांगने के लिए डिंपल को पार्टी में बुलाया। इससे बाद डिंपल और अंजू के बीच अनबन हो गई। डिंपल ने उन्हें तंज कसते हुए पूछा कि क्या वो अंदर आ सकती हैं। अंजू ने कहा, 'मैंने भी अपना आपा खो दिया और उनसे कहा 'अगर आपको इनवाइट किया गया है तो जरूर, अगर नहीं तो प्लीज वापस जाएं।' इसके बाद वह राजेश की जिंदगी से अलग हो गईं और डिंपल ने उनसे शादी कर ली। उस समय डिंपल सिर्फ 15 साल की थीं। राजेश से आधी उम्र की।

सनी को लगता है भगवान उन्हें धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे

अभिनेत्री सनी लियोन जो फिलहाल मलेशिया में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है जैसे भगवान उन्हें धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे हैं।सनी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डेक पर खड़ी नजर आ रही हैं। इस वीडियो में बादलों से घिरा आसमान, समुद्र और रेत नजर आ रही है।वीडियो में अभिनेत्री ने कुछ खास ब्यौरा नहीं दिया। कहा, हम्म, हां, हम कहां हो सकते हैं? यहां बहुत रहस्यमयी चीजें हो रही हैं।इसके बाद उन्होंने एक रहस्यमय संदेश साझा किया, जिसमें लिखा था: मुझे लगता है कि भगवान मुझे धैर्य और विनम्रता का पाठ पढ़ा रहे हैं। काश मुझे चेतावनी मिल जाती ताकि मैं मानसिक रूप से तैयार हो पाती।सोशल मीडिया पर एक्टिव सनी ने शेयर किया कि रील बनाने के पीछे असल में क्या होता है।ळ उन्होंने रील बनाने के पीछे असल में क्या होता है का एक मजेदार बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट किया।सनी ने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक वीडियो पोस्ट की। क्लिप में वह अपनी टीम के साथ रील के लिए पोज देती नजर आ रही हैं।वह अपनी टीम की साथी से कहती सुनाई देती है, इसे छिपाओ।जैसे ही सनी की टीम रील बनाने के लिए तैयार हो गई और उनके एक साथी ने मजाकिया अंदाज में गिनती शुरू कर दी। अभिनेत्री अपना सिर हिलाना शुरू करती हैं और फिर रुक जाती हैं।सनी ने वीडियो को कैप्शन दिया: रील बनाने के पीछे वास्तव में क्या होता है।सनी और उनके पति डेनियल वेबर ने नवंबर में अपनी शादी के 13 साल बाद फिर से शादी रचाई।इस जोड़े ने 31 अक्टूबर को मालदीव में एक समारोह में अपनी प्रतिज्ञा को फिर से दोहराया।इस दौरान उनके बच्चे निशा, नूह और अशर भी उनके साथ थे।सनी की फैन फॉलोइंग भी जबरदस्त है। कुछ अटपटी घटनाएं भी इनके नाम पर अंजाम दी गई हैं। उनके नाम का इस्तेमाल कर एक धोखाधड़ी की वारदात ने भी सुर्खियां बटोरी थीं। 23 दिसंबर को एक व्यक्ति ने राज्य सरकार से 1000 रुपये प्रति माह प्राप्त करने के लिए अभिनेत्री के नाम का उपयोग किया था। वह राज्य की कल्याणकारी योजना महतारी वंदन योजना का लाभ उठा रहा था।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धोखेबाज ने राशि प्राप्त करने के लिए सनी के नाम का उपयोग किया क्योंकि यह योजना केवल विवाहित महिलाओं के लिए ही थी।

अजय देवगन की आजाद का नया गाना अजीब ओ गरीब जारी

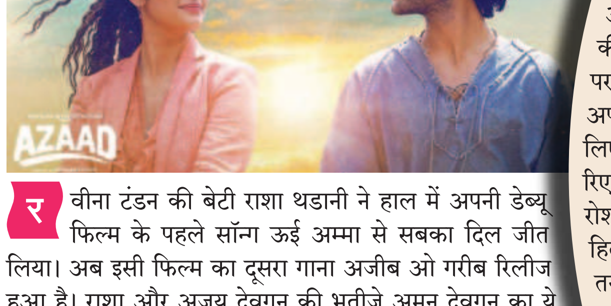

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हाल में अपनी डेब्यू फिल्म के पहले सॉन्ग ऊई अम्मा से सबका दिल जीत लिया। अब इसी फिल्म का दूसरा गाना अजीब ओ गरीब रिलीज हुआ है। राशा और अजय देवगन की भतीजे अमन देवगन का ये गाना भी जबरदस्त हिट होता नजर आ रहा है। इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री जबरदस्त है। जहां राशा के अंदाज ने दिल जीत लिया है, वहीं अमन के क्यूट एक्ट की जमकर तारीफ हो रही है।इधर फिल्म आजाद का ये गाना रिलीज हुआ और उधर सोशल मीडिया पर तहलका मच रहा है। लोग इस गाने की तारीफें करते नहीं थक रहे। लोग केवल राशा और अमन की केमिस्ट्री की ही तारीफ नहीं कर रहे बल्कि इस गाने में जिस खूबसूरती से रेट्रो वाला लुक दिया गया है उसे देखकर भी वो दीवाने हो रहे हैं। वहीं काफी लोग तो बस अरिजीत की आवाज के ही मुरीज हुए जा रहे हैं।एक ने कहा- उफ्फ!!! रेट्रो वाली मेलोडी, क्या फील है गाने में, अरिजीत है तो बात ही अलग है। एक और ने कहा- अरिजीत की आवाज में रेट्रो टच, लाजवाब है। वहीं काफी लोगों ने राशा और अमन की खूबसूरत जोड़ी की तारीफ की है और कहा है- कास्ट करने वाले की दात देनी होगी। लोगों ने यहां तक कह दिया है कि ये इस साल का बेस्ट सॉन्ग है।

वॉर 2 में इतनी दमदार बॉडी में दिखेंगे ऋतिक रोशन

बॉलीवुड के सुपरहीरो ऋतिक रोशन को बीते साल एरियल एक्शन फिल्म फाइटर में देखा गया था। फिल्म फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था। वहीं, अब ऋतिक रोशन अपनी अगली मास एक्शन फिल्म वॉर 2 से चर्चा में हैं। फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। वॉर 2 मौजूदा साल के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। इससे पहले ऋतिक रोशन ने अपने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। ऋ तिक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी दमदार तस्वीर शेयर की है।इस तस्वीर में ऋ तिक रोशन अपनी लीन बॉडी पर कसे हुए मसल्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं। ऋ तिक रोशन ने अपनी इस तस्वीर को शेयर कर लिखा है, जेनरेशन के लिए प्रेरणा। इस तस्वीर पर अब फैंस और सेलेब्स के रिएक्शन की बाढ़ गई है। इस तस्वीर में ऋ तिक रोशन एब्स और बाइसेप्स देख अच्छे-अच्छे हिल गए हैं। ऋ तिक रोशन की मसल्स वाली तस्वीर पर फैंस ही नहीं बल्कि सेलेब्स भी कमेंट्स पोस्ट कर रहे हैं।ऋ तिक रोशन की तस्वीर पर फिल्म कोई मिल गया कि उनकी को-स्टार प्रीति जिंटा ने कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी पोस्ट किए हैं। वहीं, ऋतिक रोशन की कजिन और इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस पश्मीना रोशन ने लिखा है, कोई फायरब्रिगेड बुलाओ। ऋतिक की तस्वीर पर उनके पिता राकेश रोशन ने भी कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी पोस्ट किये हैं। वहीं, इस तस्वीर पर ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद का कोई रिएक्शन नहीं आया है। वहीं, ऋ तिक रोशन के फैंस की इसन तस्वीर पर आंखे फटी की फटी रह गई है।

जुनैद खान और खुशी कपूर की लवयापा ट्रेलर रिलीज

फोन की अदला-बदली में हो गया तगड़ा स्यापा

जेनरेशन जी (जेन जेड) की शादी तय करना माता-पिता के लिए चुनौती साबित हो सकता है। ऐसा हम नहीं कह रहे, आज हुआ फिल्म लवयापा का ट्रेलर संकेत दे रहा है। इस फिल्म में जुनैद खान और खुशी कपूर लीड भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म मोहब्बत वाले महीने, जी हां फरवरी में आएगी। 10 जनवरी को इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है और खूब मजेदार है। फिल्म में आधुनिक जोड़ों की की हकीकत दिखाई गई है। एक लड़का (जुनैद खान) और लड़की (खुशी कपूर) एक-दूसरे के प्यार में हैं। शादी करना चाहते हैं। लड़की के पापा (आशुतोष राणा) दोनों की शादी करने के लिए दोनों को आमने-सामने बिठाते हैं। वे नौकरी और करियर से जुड़े कोई सवाल नहीं पूछते। रिश्ता करने से पहले वे सिर्फ एक तरीका अपनाते हैं। एक दिन के लिए दोनों के फोन एक्सचेंज कर देते हैं। फिर क्या होता है? अरे वही, कथित सच्चे प्यार की पोल-पट्टी खुल जाती है। ट्रेलर देखकर खूब हंसी आएगी।लवयापा में दो चर्चित सितारों के बच्चे परदे पर नजर आएंगे। में कॉमेडी का भी डोज भरपूर है। बावजूद इसके ट्रेलर देखने में दर्शकों की दिलचस्पी नजर नहीं दिख रही है। रिलीज के करीब ढाई घंटे बाद भी इसे दो लाख व्यूज तक नसीब नहीं हुए। खबर लिखे जाने तक लवयापा के ट्रेलर को पूरे 50 हजार व्यूज भी नहीं पाए। फिल्म महाराज से ओटीटी डेब्यू करने वाले जुनैद बड़े परदे पर जब पहली बार आ रहे हैं, तो यह रुझान देख उनकी जान सांसत में है।फिल्म लवयापा साल 2022 में आई तमिल फिल्म लव टुडे की रीमेक है। फिल्म 07 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसका अद्वैत चंदन ने किया है। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक पहले ही रिलीज हो चुका है। अब देखना दिलचस्प होगा कि वैलेंटाइन वीक में रिलीज होने जा रही फिल्म को दर्शक कितना प्यार देते हैं।

अक्षय की हॉरर कॉमेडी में एक्ट्रेस तब्बू की हुई एंट्री

'भूत बंगला' में फिर एक बार बनेंगीं चुड़ैल?

बॉलीवुड के सुपरहिट एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने रही है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने एक साथ 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी', 'गरम मसाला' और 'भूल भुलैया' जैसी जबरदस्त कॉमेडी फिल्में दी हैं। अब ये जोड़ी 14 साल के बाद एक बार फिर साथ काम करेगी। अक्षय कुमार की अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन कर रहे हैं। पिछले साल अक्षय कुमार की फिल्म के पहले पोस्टर रिलीज के बाद से फैंस फिल्म की एक्ट्रेस के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। अब आखिरकार मेकर्स ने 'भूत बंगला' की एक्ट्रेस के नाम से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार साथ तब्बू नजर आएंगी। तब्बू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात का ऐलान किया। 53 वर्षीय एक्ट्रेस ने फिल्म भूत बंगला के क्लैप बोर्ड को शेयर किया। इसके साथ वो कैप्शन में लिखती हैं, 'हम यहां बंद हैं'। हाल ही में, अक्षय कुमार और परेश रावल अपनी फिल्म के जयपुर शेड्यूल से एक बिहाइंड-द-सीन तस्वीर को शेयर किया था। फोटो में अक्षय कुमार बिना शर्ट के सर्दियों की धूप का आनंद लेते नजर आ रहे थे और उनके साथ परेश रावल भी थे।

सितारों से सजी है फिल्म

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की अपकमिंग फिल्म बंगला' और 'भूल भुलैया' का आपस में खास कनेक्शन है। डायरेक्टर और एक्टर की जोड़ी के अलावा ये फिल्म जयपुर में उसी जगह शूट हो रही है, जहां 'भूल भुलैया' हुई थी। अक्षय कुमार, तब्बू के अलावा परेश रावल, वामिका गब्बी, राजपाल यादव और गोवर्धन असरानी अहम भूमिकाओं में आने वाले हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 14 जनवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 03:24 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 10:18 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 02:58 तक
करण : बालव दोपहर 03:37 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:01 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:03 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मकर संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक , माघ मास आरंभ , धनुर्मास समाप्त , कुंभ शाही स्नान

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल ने विभिन्न कृषि उपज मंडियों में

6 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को दी मंजूरी

जयपुर,13 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों की आय में वृद्धि कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में कृषक हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इन फैसलों में किसान सम्मान निधि में वृद्धि, गेंहू के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, बड़ी संख्या में नए कृषि कनेक्शन तथा किसानों को बिजली के बिलों में अनुदान सहित कई फैसले शामिल हैं। साथ ही, कृषि उत्पादों के प्रभावी विपणन हेतु मंडियों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 6 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति सीकर की विशिष्ट प्याज गौण मंडी यार्ड रसीदपुरा में 74 लाख रुपये के नवीन निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बूंदी के अंतर्गत नवीन मंडी प्रांगण कुंवारती में 2.58 करोड़ रुपये से अधिक के विद्युत व निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति पीपाड़ शहर, जोधपुर के गौण मंडी यार्ड आसोप में 90.86 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड़ निर्माण एवं सोलर स्ट्रीट लाइट के कार्य तथा कृषि उपज मंडी समिति नगर, डीग के अंतर्गत मुख्य मंडी यार्ड में 1.76 करोड़ से अधिक की लागत से डोम निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से राज्य में कृषि के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

राज्यपाल बंडारू ने लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी

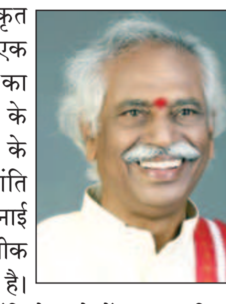

चंडीगढ़,13 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने देश और प्रदेशवासियों को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की कामना की है।

हमारी संस्कृति में त्योहारों का बहुत महत्व है। वे एक एकीकृत शक्ति हैं जो सभी को एक साथ लाती हैं। संक्रांति का त्योहार हरियाणा प्रदेश के साथ–साथ तेलुगु लोगों के लिए भी खास है। संक्रांति तिल और गुड़ के साथ मनाई जाती है। तिल प्रेम का प्रतीक है। गुड़ मिठास का प्रतीक है।

राज्यपाल ने मकर संक्रांति के बारे में बताते हुए कहा संक्रांति त्योहार प्रकृति में परिवर्तन का प्रतीक है। सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है और अंधकार को दूर करता है। यह वह समय है जब प्रकृति में गर्मी और रोशनी बढ़ जाती है, जो विकास का संकेत है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा में सकरांत के रूप में बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। यह पर्व हरियाणा में बेटी के सम्मान और बुजुर्गों के आशीर्वाद का प्रतीक है। इस दिन सभी लोग अपने बड़े बुजुर्गों को सम्मान स्वरूप शॉल व चद्दर भेंट करते है और बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करते है। राज्यपाल ने कहा कि त्योहारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। त्योहार हमारे जीवन को रंगों और उत्साह से भर देते हैं। त्योहार समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और लोगों के दिलों से द्वेष को दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व तमिलनाडु में पोंगल, गुजरात में उत्तरायण, असम सहित उत्तर–पूर्व में बिहू के रूप में मनाया जाता है इसलिए यह त्यौहार भारत की अनेकता में एकता को प्रमाणित करता है।उन्होंने इश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि लोहड़ी की पवित्र अग्नि समाज से सभी प्रतिकूलताओं को दूर कर दें, मकर संक्रांति की ऊंची उड़ान भरने वाली पतंगें हमारे दिलों को उल्लास से भर दें और पोंगल की पारंपरिक मिठास उत्सव और खुशी के क्षण लेकर आए। उन्होंने कहा कि भारतीय त्यौहार देश की सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हमें पौराणिक त्यौहारों को पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए, तभी भारतीय संस्कृति और अधिक समृद्ध होगी।

जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं को लागू करने में तेजी लाने के दिए निर्देश

डीग,13 जनवरी (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने सोमवार को पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान वीसी के माध्यम से समस्त उपखंड के एसडीएम भी बैठक से जुड़े। बजट घोषणा 2025 पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई और संबंधित विभागों को जिला कलेक्टर द्वारा सक्रिय होकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी कि बेढ़म और हेलक पशु चिकित्सालय के लिए भूमि आवंटित हो चुकी है और निदेशालय से वित्तीय स्वीकृति आते ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

इसी प्रकार संवाई खेड़ा डिग्रेशन कार्य में जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि वित्तीय स्वीकृति आते ही वर्क ऑर्डर जारी कर दिए जाएगा। डीग में फोर लेन सड़क निर्माण के संबंध में एसडीएम ने कहा कि गजट नोटिफिकेशन के पश्चात एसआईए की करवाई चलेगी और 6 महीने में भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध रूप से कार्यों को संपादित करने के निर्देश दिए है।

उन्होंने कहा कि कार्यों का टेंडर खुलते ही अधिकारी विशेष निगरानी रखते हुए बजट घोषणाओं को समय पर पूर्ण करवाएं। पसोपा छात्रावास के संबंध में उन्होंने इसी हफ्ते टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा है। वहीं सर्दी के मौसम को देखते हुए कौशल ने सभी उपखंड अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्र में संचालित रैन बसेरे का नियमित रूप से निरीक्षण करने को कहा है।

किसान आंदोलन को गंभीरता से नहीं ले रही है केंद्र सरकार : सैलजा

चंडीगढ़,13 जनवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसान आंदोलन और किसानों की मांगों को लेकर केंद्र सरकार जरा भी गंभीर नहीं है। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती हालात और किसानों का उग्र होना सरकार के लिए चेतावनी का संकेत है। अभी भी समय है कि सरकार किसान संगठनों से वार्ता का रास्ता निकालकर उनकी समस्याओं का समाधान करे अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकला तो देशभर में किसान आंदोलन का दायरा और बढ़ सकता है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाला की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। पर सरकार इस आंदोलन की अनदेखी कर रही है और इस आंदोलन को गंभीरता से नहीं ले रही है। किसान आंदोलन में पिछले डेढ़ माह में तीन किसानों की मौत हो चुकी है, इन किसानों की मौत केंद्र सरकार को सीधे सीधे चेतावनी है। किसान सोचकर बैठा हुआ है कि अगर डल्लेवाल को कुछ हुआ तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। अब समय आ गया है कि सरकार किसानों की बात गंभीरता से सुने और उनकी मांगों को पूरा करे। केंद्र सरकार की मनमानी के चलते अगर आंदोलन और हिंसक हुआ तो इससे आमजन को परेशानी होगी। सरकार पर दबाव बनाने के लिए किसान छोटे छोटे प्रदर्शन करके एक प्रकार से सरकार को नींद से जगाने का प्रयास कर रहा है। सरकार को मानना ही होगा कि एमएसपी कानून को गारंटी उनके भविष्य को सुरक्षित करेगी।

जयपुर में लाडेसर अभियान का आगाज

5300 कुपोषित एवं 883 अति कुपोषित बच्चों को वितरित किया जाएगा लाडेसर किट

जयपुर,13 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए लाडेसर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत स्वस्थ बचपन के सपने को साकार करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न दिशा में प्रयास किये जाएंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि अभियान के तहत आगामी तीन माह तक प्रतिमाह जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों में से चिन्हित 5300 कुपोषित एवं 883 अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु भामाशाहों के सहयोग से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में लाडेसर किट का वितरण करवाया जाएगा। अभियान के तहत कम एवं अति कम वजन वाले बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर निगरानी रखी जाएगी। जिला कलक्टर ने लाडेसर अभियान में अपनी बहुमूल्य भागीदारी निभाने वाले सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया है।

लाडेसर किट की सामग्री में प्राकृतिक रूप से प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स, वसा, आयरन एवं अन्य पोषक तत्व शामिल किये गए हैं। पोषण किट की एक माह की खुराक के तहत लाडेसर खिचड़ी के लिए 250 ग्राम चनादाल, 250 ग्राम मोठ दाल एवं 1 किलोग्राम चावल तथा लाडेसर नाश्ते के लिए 250 ग्राम गुड़, 250 ग्राम मूंगफली एवं 500 ग्राम भूने हुए चने प्रदान किये जा रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि लाडेसर किट आगामी तीन माह तक प्रति माह प्रत्येक पात्र लाभार्थी को वितरण की जायेगी, जिसकी मॉनिटरिंग जिला प्रशासन एवं उपनिदेशक स्तर से अधीनस्थ बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से प्रति सप्ताह की जायेगी। लाडेसर किट के उपयोग की सुनिश्चितता हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के माता–पिता से समझाइश की जाएगी एवं नियमित रूप से बच्चों की प्रति दस दिवस में वजन, ऊंचाई एवं लंबाई दर्ज की जाएगी।

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा का आरोप

आंदोलन कर रहे किसानों को पंजाब सरकार और नेता भड़का रहे हैं

सिरसा,13 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा ने सिरसा में किसानों के आंदोलन, पंजाब सरकार, और कांग्रेस को लेकर बड़ा बयान दिया है। मिढ़ा ने आरोप लगाया कि आंदोलन कर रहे किसानों को पंजाब सरकार और वहां के नेता भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा, किसानों को उकसाकर उनके मन में भाजपा सरकार के प्रति गलतफहमियां पैदा की जा रही हैं, जबकि असल में भाजपा सरकार किसानों की हितैषी है।

डिप्टी स्पीकर ने कनाडा की स्थिति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि किसान यूनियनों को कनाडा से फंडिंग मिलती रही है, और खालिस्तान का मुद्दा उठाकर किसानों को भटकाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे आराम से बैठकर सरकार के साथ बातचीत करें, क्योंकि हर समस्या का समाधान संवाद के जरिए ही निकल सकता है।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुडा द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को एक्सीडेंटल सीएम कहने पर कृष्ण मिढ़ा ने हुडा पर निशाना साधते हुए कहा, हुडा एक सीनियर लीडर हैं। उन्हें अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाई है, और मनोहर लाल व नायब सिंह सैनी ने पारदर्शिता और ईमानदारी से काम किया है। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए मिढ़ा ने कहा, चुनाव हारने के बाद ईवीएम पर दोष लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। अब कांग्रेस बेचारी हो चुकी है और उसके पास कहने को कुछ नहीं बचा। कांग्रेस की स्थिति आज 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा' जैसी हो गई है। डिप्टी स्पीकर ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में नौकरियों और विकास कार्यों को पारदर्शिता से पूरा किया है, जो कांग्रेस के शासन में संभव नहीं हो पाया।

कर्नल राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से झोटवाड़ा के विकास पर की चर्चा

जयपुर,13 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं की कुशलक्षेम पूछी और क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में जन सेवा और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के तरीकों पर विस्तृत विचार–विमर्श हुआ। कर्नल राठौड़ ने कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके योगदान और समर्पण से ही झोटवाड़ा का सर्वांगीण विकास संभव हो सकेगा। सभी कार्यकर्ताओं ने विकसित झोटवाड़ा के सपने को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और क्षेत्र के हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प लिया।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया दादूपुर नलवी पर आए हाईकोर्ट के फैसला का स्वागत

चंडीगढ़,13 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दादुपुर–नलवी नहर के डी–नोटिफिकेशन कानून 101–ए को असंवैधानिक करार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट का यह फैसला बीजेपी सरकार सरकार की नीतियों पर करारा तमाचा है। इस फैसले से यह साफ हो गया है कि भाजपा ने जानबूझकर किसानों और पूरे प्रदेश को नुकसान पहुंचाने के मकसद से प्रदेश की सबसे बड़ी वाटर रिचार्ज नहर को डी–नोटिफाई किया था। कांग्रेस सरकार के समय शुरू की गई यह एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी परियोजना थी। इसलिए बीजेपी द्वारा इस परियोजना को बंद करने के फैसले का कांग्रेस पहले दिन से ही विरोध कर रही थी। अब कोर्ट के सामने भी बीजेपी पूरी तरह एक्सपोज हो चुकी है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान 2004–05 में दादूपुर–नलवी नहर का काम शुरू हुआ था। इसके लिए 50 किलोमीटर तक 1026 एकड़ भूमि का अधिग्रहण हुआ था। साल 2008–09 में इस नहर में पानी भी चालू हो गया था। साल 2017 तक नहर में पानी चालू रहा। इसने ना सिर्फ किसानों की जमीन को सींचा, बल्कि भूमि का जलस्तर भी बढ़ाया। लेकिन प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि करीब 10 साल से चलती आ रही नहर को सरकार ने बंद कर दिया। बीजेपी ने साल 2018 में इस परियोजना को रद्द करने का फैसला लिया।

सीएम नायब सैनी ने बजट 2025–26 पर चर्चा की, युवाओं से लिए सुझाव मांगा

कुरुक्षेत्र,13 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सोमवार को कुरुक्षेत्र में बजट पूर्व परामर्श कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने हरियाणा के बजट 2025–26 पर चर्चा की और सुझाव लिए।

इसके बाद सीएम ने पत्रकारों से बातचीत की और उनके सवालों के जवाब दिए। सीएम ने प्रदेश के लोगों को लोहड़ी और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ये महापर्व हमारी संस्कृति के साथ हमारे भाईचारे के साथ जुड़े हुए हैं। इन पर्वों को हम आपस में मिलकर मानते हैं। सभी प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं।

सीएम ने कहा कि आने वाले बजट में प्रदेश के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास रहेगा। हमने सुपर 100 युवाओं के साथ बैठक कर प्री बजट को लेकर सुझाव लिए हैं। उन्होंने बहुत अच्छे सुझाव दिए हैं, इन्हें हम बजट में शामिल करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हरियाणा के युवाओं को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। अच्छे सुझाव हमारे पास आए हैं।

दिल्ली चुनाव को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने जा रही है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार लगातार झूठ बोलकर के लोगों का पेट भरती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। सीएम ने आगे कहा कि कल स्वामी विवेकानंद की जयंती थी। स्वामी विवेकानंद एक महान व्यक्तित्व थे। उनके बारे में एक बात मशहूर थी कि पहले अच्छी बात का मजाक बनता है, फिर विरोध होता है और फिर उसे स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज बजट के बारे में मिले सुझावों से प्रदेश के युवाओं को लाभ मिलेगा। एक–एक सुझाव बहुमूल्य है। इन सुझावों को बजट में स्थान दिया जाएगा। अभी नहीं पोर्टल पर भी सुझाव दिए जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व परामर्श कार्यक्रम में मंत्री गौरव गौतम,पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, राजेश खुल्लर, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग रस्तोगी भी मौजूद रहे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अपहरण कर रजिस्ट्री कराने का आरोपी मंत्री का भाई पीनू डॉन फरार

तेजस्वी के आरोपों पर बीजेपी सांसद का पलटवार

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया जिले में राज्य सरकार की मंत्री रेणु देवी के भाई रवि कुमार उर्फ पीनू डॉन पर अपहरण और जबरन जमीन रजिस्ट्री कराने का आरोप लगने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पीनू डॉन फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बेतिया पहुंचकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में राजद कार्यकर्ताओं की बेवजह गिरफ्तारी होती है, लेकिन अपराधी खुलेआम घूमते हैं। पीनू डॉन जैसे अपराधियों को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। डीके (डिप्टी सीएम) ही राज्य के सुपर सीएम बन चुके हैं। डीजीपी और अन्य अधिकारी सिर्फ नाम के लिए हैं। राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार अपने चरम पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि अपहरण और जमीन हड़पने की घटनाएं बिहार में आम हो चुकी हैं। उन्होंने सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल होने का आरोप लगाया।

तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए पश्चिमी चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि राजद के दोहरे मानदंड अब सभी के सामने उजागर हो चुके हैं। भाजपा के घोषणा पत्र में साफ है कि अपराधी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पीनू डॉन पर कार्रवाई होगी, लेकिन तेजस्वी यादव अपने परिवार के अपराधों का हिसाब कब देंगे? डॉ. जायसवाल ने ट्वीट कर कहा कि बिहार में भाजपा और जदयू के सुशासन का प्रभाव है और अपराधियों को कोई भी राजनीतिक संरक्षण नहीं मिलेगा।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने इस मामले में भाजपा पर सीधा निशाना साधा है। राजद ने ट्वीट कर कहा कि मंत्री रेणु देवी के भाई पीनू डॉन पर पहले से कई संगीन धाराओं में केस दर्ज हैं। यह आदतन अपराधी पिस्तौल की नोक पर जमीन हड़पता है। बीजेपी के नेताओं की यही असलियत है- जो गुंडा और अपराधी है, वही इनका नेता है। राजद ने यह भी आरोप लगाया कि पीनू डॉन को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है, जिससे वह बार-बार बच निकलता है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को बेतिया के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में व्यापारी शिवपूजन महतो का अपहरण और जबरन जमीन रजिस्ट्री कराने की घटना का वीडियो रविवार को सामने आया।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि पीनू डॉन और उसके सहयोगियों ने व्यापारी को होटल में बंधक बनाकर जमीन के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए। घटना के बाद व्यापारी को छोड़ दिया गया, लेकिन इस दौरान अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर धमकाने का प्रयास किया। पुलिस ने अपहरण में इस्तेमाल गाड़ी को पीनू डॉन के घर से जब्त कर लिया है, लेकिन वह खुद फरार है।

पीनू डॉन का लंबा चौड़ा आपराधिक बैकग्राउंड है। पूर्व में भी वह इस तरह की गुंडागर्दी कर चुका है। सात जून 2019 को बेतिया में एक मेडिकल स्टोर पर पीनू दवा लेने गया था। स्वागत में उस स्टोर का दुकानदार खड़ा नहीं हुआ, जिसके चलते वह इस कदर नाराज हो गया कि उसने सरेआम दुकानदार की बुरी तरह से पिटाई कर दी। इस घटना ने भी काफी तूल पकड़ा था, लेकिन रसूखदार होने के चलते वह बच निकला।

दूसरी बार पीनू पटना के पटेल नगर में बेशकीमती जमीन हथियाने को लेकर सुर्खियों में आया। इसमें जमीन मालिक ने पीनू पर हथियार के बल पर जमीन कब्जा करने का आरोप लगाया। जमीन मालिक का आरोप था कि पीनू अपने साथियों के साथ जमीन कब्जा करने पहुंचा था। विरोध करने पर डिप्टी सीएम के आवास पर जबरन ले जाने की बात कही थी। उस वक्त पीनू की बहन रेणु देवी उपमुख्यमंत्री के पद पर थीं। हालांकि उन्होंने अपने रिश्तों को लेकर कन्नी काट ली थी। बहरहाल इस घटना को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

बेतिया पुलिस ने पीनू डॉन की गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर छापामारी की है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के दायरे में लाया जाएगा। इस मामले में मुफस्सिल थाने में केस दर्ज किया गया है।

पासवान समाज का शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास है जरूरी : मंत्री कृष्णनंदन पासवान

गोपालगंज (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने पासवान समाज के शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास को अत्यावश्यक बताते हुए समाज के बुद्धिजीवियों और वरिष्ठ नागरिकों से इसे लेकर एकजुट होकर प्रयास करने की अपील की। वह रविवार को गोपालगंज के फुलवरिया के बथुआ बाजार स्थित रॉयल बैंक्वेट हॉल में आयोजित पासवान विकास उत्थान समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री पासवान ने कहा कि देश संविधान के आधार पर चलता है और डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर ही पासवान समाज अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने समाज में एकजुटता और समानता का संदेश देते हुए कहा कि गरीब और अमीर, सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि समाज के पिछड़े वर्गों के समग्र विकास के लिए पासवान समाज का उत्थान अनिवार्य है।

बैठक में मौजूद समाज के वरिष्ठ गौतम मांझी ने समाज के एकजुट रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि पासवान समाज ने चौकीदारी जैसे कार्यों से शुरुआत की, लेकिन आज समाज के लोग बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि अगली कैबिनेट बैठक में पासवान समाज के लिए विशेष चौकीदारी बहाली योजना पर विचार किया जाए। इस पर मंत्री ने सहमति व्यक्त करते हुए समर्थन का आश्वासन दिया।

बैठक में मौजूद सभी वक्ताओं ने समाज की एकता को सबसे बड़ी ताकत बताया। मंत्री पासवान ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने से ही समग्र विकास संभव है। उन्होंने समाज के लोगों से राजनीति, शिक्षा और आर्थिक पहलुओं में एकजुट होकर काम करने की अपील की।

कार्यक्रम का आयोजन संजय पासवान ने किया, जबकि मंच का संचालन अजय मांझी ने किया। बैठक में संतोष पासवान, सुदामा मांझी, शंभु मांझी, विश्वनाथ पासवान, राजाराम मांझी, उपेंद्र मांझी और लालबाबू मांझी सहित समाज के कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कोर्ट परिसर में लगी आग, कई अधिवक्ताओं के चेंबर और कागजात जलकर राख

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली। हाजीपुर कोर्ट परिसर स्थित बाइक स्टैंड के पास बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गयी। कोर्ट परिसर में आग लगने की जानकारी मिलते ही अफरातफरी मच गयी। मौके पर जुटे लोग आग बुझाने में जुट गए लेकिन आग के प्रचंड रूप को देखते हुए लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन टीम को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन की टीम घटनास्थल पर पहुंची और फिर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगलगी की घटना में कई अधिवक्ताओं के चेंबर फाइल एवं अन्य कागजात जलकर खाक हो गये।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि रविवार की सुबह दस बजे के करीब हाजीपुर कोर्ट परिसर में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गयी। कोर्ट परिसर से धुंआ उठते देख आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी मच गयी। आसपास के लोग आग की लपटों को देखकर वहां पहुँच गये और देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर जुटे लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर पहुंची फायर टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आगलगी के संबंध में सीढ़ी घाट मोहल्ला निवासी अधिवक्ता रजनीकांत मिश्रा ने बताया कि अगलगी की जानकारी उन्हें फोन पर मिली। उन्होंने बताया कि जैसे ही मुझे घटना की जानकारी मिली, मैं भागा-भागा कोर्ट पहुंचा, लेकिन तब तक उनका चैंबर, फाइल, कुर्सी, टेबुल, पंखा, पोशाक समेत लगभग दो लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटनास्थल पर मौजूद अन्य अधिवक्ताओं ने बताया कि आग लगने की इस घटना में अधिवक्ता रेणु कुमारी, अभिमन्यु भारद्वाज, मुकेश कुमार, मो अशरफ, नीरज राय समेत अन्य अधिवक्ताओं के चेंबर और उसमें रखे फाइल, केस के कागजात व अन्य सामान जलकर खाक हो गये।

जिंदा होंगी मिथिला की यह नदियां, सरकार ने दिए करोड़ों रुपये

पटना (एजेंसियां)।

प्रगति यात्रा पर निकले सीएम नीतीश कुमार के एक भागीरथ प्रयास की चर्चा खूब हो रही है। कारण यह है कि उन्होंने मिथिला की पुरानी नदियों की फिर से जिंदा करने की कोशिश की है। दरभंगा के पुरानी कमला नदी, जीवछ नदी, पुरानी कमलाधार को फिर से जिंदा करने की बिहार सरकार की योजना से दरभंगा के सदर प्रखंड बेनीपुर, बिरौल बहेड़ी, कुशेश्वरस्थान पूर्वी और पक्षिणी सहित बहादुरपुर प्रखंड के हजारों किसानों को खेत की सिंचाई के लिए फायदा होगा। इसके निर्माण के लिए काफी दिनों से जनप्रतिनिधियों के पास इलाके के लोग गुहार लगा रहे थे। अब इसके पुरजीवित करने की घोषणा से इलाके के लोगों में खुशी का माहौल है। सरकार इस घोषणा के बाद अब कमला बलान नदी की धारा को मोड़ने का काम किया जाएगा जिससे इन नदियों में नदियों में पानी पहुंचाते हुए बाढ़ के समय मे आने वाले अत्यधिक पानी को सुखाड़ वाले इलाके में पहुंचाने की बात कही गई है। बिहार की सरकार ने इसके निर्माण के 350.20 करोड़ रुपये खर्च करने वाली है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को मधुबनी के सुक्की गांव में कमला बलान नदी और अन्य जलस्रोतों के पुनर्जीवन और बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी योजना का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना से 10 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और बाढ़ से बचाव में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से न केवल सिंचाई में सुधार होगा, बल्कि मखाना और अन्य जलीय उत्पादों की पैदावार भी बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने एनएच-57 के पास कोसी नहर के विस्तारीकरण परियोजना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से मधुबनी और दरभंगा जिलों के किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि 569.18 करोड़ रुपये की लागत से 80 गांवों को लाभ होगा और 26,879 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई सुनिश्चित की जाएगी।

दरअसल, दरभंगा में 1987 में आए प्रलयंकारी बाढ़ के बाद जिले के तारडीह प्रखंड से गुजर रही कमला बलान नदी के तटबंध टूट गया था। इस कारण पूरे जिला बाढ़ की पानी घिर गया था। बाढ़ के बाद तत्तकालीन बिहार की सरकार ने तटबन्ध का मरम्मत कराया था। इसके बाद से ही इन नदियों का जल स्तर घट गया था। जानकर बताते हैं कि मधुबनी जिला के जयनगर कमला नदी पर बांध के सुदृढ़ीकरण का काम किया गया था इसके बाद इन नदियों में पानी आना लगभग बंद हो गया था। इससे किसानों को फसलों की बुआई सिंचाई की परेशानी बढ़ गई थी। कमला नदी के तट बंध के निर्माण से पहले इन नदियों में पानी रहा करती थी लेकिन झंझारपुर से होकर दरभंगा के तारडीह प्रखंड से होकर गुजरने वाली कमला नदी के बांया तटबंध की मरमत के बाद से बेनीपुर के रास्ते गुजरने वाली कमलाधार, जीवछ नदी और जीवछ कमला नदी की धार में पानी बिल्कुल बन्द हो गया था। बतादे की इसके तटबन्ध का निर्माण वर्ष 1987 में उस समय कराया गया जब जिले प्रलयंकारी बाढ़ काफी तबाही मचाई थी जिसके बाद कि तत्तकालीन सरकार कमला नदी के बायां तटबन्ध को बनवाया था। लोग बताते है कि 1987 के के बाद वर्ष 2004 में भी जिले में बाढ़ ने दस्तक दी थी लेकिन उतनी बड़ी तबाही नही मचाई थी।

नशे की लत ने पांच नाबालिगों को बना दिया अपहरणकर्ता बच्चे का अपहरण कर मांगी 25 लाख की फिरौती

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में अपराध की दुनिया में अब नाबालिग बच्चों ने भी कदम रखना शुरू कर दिया है। इस बात का खुलासा तब हुआ जब एक नाबालिग के अपहरण मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग लडकों को गिरफ्तार किया। पांच नाबालिग बच्चों ने मिलकर एक नाबालिग बच्चे का अपहरण किया और उनके परिजनों से 25 लाख रुपये की फिरौती मांग दी। मामला भागलपुर जिला के औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत चौका फतेहपुर की है। अपहृत बच्चे की पहचान तनवीर अहमद का पुत्र मिक्कू उर्फ मुस्तर अहमद (10) के रूप में की गई है, जिसको अपहरण के बाद छोड़ देने की कीमत 25 लाख रुपये लगायी गई थी। हालांकि पुलिस की सख्ती करने पर अपहृत बच्चा 7 घंटे के भीतर सुरक्षित मुक्त करा लिया गया। पुलिस ने आरोपी तीन नाबालिग लड़कों को भी गिरफ्तार कर लिया।

घटना के संबंध में सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि शनिवार शाम 6 बजे मिक्कू घर के पास बगीचे में खेल रहा था। तभी अपराधियों ने उसे बाइक पर बिठाकर अगवा कर लिया। शाम 7 बजे परिजनों को फोन कर 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी। शाम करीब 7 बजे किशोर के अपहरण की सूचना मिलते ही भागलपुर एसएसपी हृदयकांत के निर्देश पर विशेष जांच टीम बनाई गई और फिर औद्योगिक, सबौर और तिलकामांझी थाना क्षेत्रों में छापेमारी शुरू कर दी गई। वैज्ञानिक अनुसंधान व जांच के आधार पर पुलिस ने फौरन कार्रवाई करते हुए अपहरण की इस घटना में संलिप्त मुख्य सरगना समेत तीन नाबालिगों को हिरासत में ले लिया। दो अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस का कहना है कि तीनों नाबालिग आरोपी गांजा और स्मैक के नशे का सेवन करते हैं। इन लोगों ने पैसों की जरूरत के चलते इस अपराध की घटना को अंजाम दिया है। घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सजग हो गई और घटनास्थल सहित भागलपुर के लगभग 40 सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर दो अन्य नाबालिग अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लगातार अपनी दबिश जारी रखी और फिर बढ़ते दबाव के चलते अपराधियों ने रात 1 बजे बच्चे को उसके घर के दरवाजे पर छोड़ दिया। पुलिस को फिलहाल दो अन्य आरोपियों की तलाश है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। सिटी एसपी का कहना है कि आरोपियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उन्होंने पहली बार इस घटना को अंजाम दिया है।

समय आने पर बताएंगे कौन है डीके, कैसे होती है वसूली? पूरे बिहार में इसका खौफ : तेजस्वी यादव

बेतिया

बिहार के पश्चिम चंपारण में कार्यकर्ता दर्शन व संवाद कार्यक्रम के लिए पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोल है। बगहा में कार्यक्रम को संबोधित करने राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार को डीके टैक्स का खौफ है। राज्य में सभी लोग डर रहे हैं। मंत्री तक डीके की खुशामद करते रहते हैं। समय आने पर बताएगे कि कौन है डीके? हमलोग जल्द ही इसका खुलासा भी करेंगे कि कैसे होती है वसूली?

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार आज भी देश के सबसे पिछड़े राज्यों में से एक है, जहां लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तेजस्वी ने बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी बिहार मे प्रगति यात्रा कर रहे हैं। यह पूरी तरह पदाधिकारियों के लूट करने के लिए छूट देने की यात्रा है। यह प्रगति यात्रा नहीं है यह दुर्गति यात्रा है। सीएम नीतीश कुमार जनता से बात करने के लिए दो अरब पच्चीस करोड़ पचहत्तर रुपये चाहिए।

तेजस्वी ने कहा कि जिस गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटे गए। वहां आज लाठी चल रहे हैं खून बहाये जा रहे हैं। आगामी चुनाव को देखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो दो सौ यूनिट फ्री बिजली, माई-बहिन मान योजना, वृद्धा पेंशन में बढ़ोत्तरी सहित कई योजनाएं शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं से हम बात करेंगे उनके सुझाव के बाद अगर कुछ आवश्यक होगा उसको भी जोड़ा जायेगा। हमलोग लगातार समस्याओं का निदान के लिए तत्पर हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com